हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

12 मार्च 2008

खण्ड 1, अंक 4

अधिकृत विवरण

विशय सूचि

बुधवार, 12 मार्च, 2008

	पृश्ठ संख्या
तरांकित प्र न एवं उत्तर	(4)1
हिन्दू गर्ल्ज कालेज, जगाधरी के विद्यार्थियों का स्वागत	(4)3
तारांकित प्र न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	(4)3
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(4)20
अतारांकित प्र न एव उत्तर	(4)20
अनुपस्थिति की अनुमति	(4)27
अनुपस्थिति संबंधी सूचना	(4)28
सदन के निर्णय को रद्द करना	(4)28
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)32
वाक आउट	(4)64
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)66

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 12 मार्च, 2008

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री रघुवीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे।

Steps taken to supply Canal Water upto Tail-end

***816. Shri Radhey Shyam Sharma :** Will the Irrigation Minister be pleased to state the steps taken by the Government to supply water upto tail-end of the villagers of Rai Malikpur, Banyal and Daukhera of Narnaul constituency?

Irrigation Minister (Capt. Ajay Singh Yadav) : Village Rai Malikpur of Narnaul constituency falls at the tail-end of Budhwal Sub Minor which off-takes from Dhantal Minor of Nolpur Dikstributary System. The work of internal clearance of Nolpur Distributory, Dhantal Minor and Budhwal Sub Minor is in progress and is likely to be completed by 31-05-2008. Availability of water in the J.L.N. system has been increased and pumps on this system are also being rehabilitated to increase pumping capacity. With these steps, the canal water supply position upto the tail, end of village Rai Malikpur will improve.

The area of villagers Daukhera and Banyal of Narnaul Constituency is hilly and has not been covered under the command of Mahendergarh Canal System of J.L.N. Lift Irrigation Project.

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, नौलपुर डिस्ट्रीब्यूट्री अटेली डिस्ट्रीब्यूट्री के 4ण्694 किलोमीटर से निकलती है यह तकरीबन 41 किलोमीटर लम्बी है। हमारे पास पानी की कमी है और यह कमी इसलिए है क्योंकि बी०एम०एल० हांसी बुटाना लिंक कैनाल अभी तक नहीं बन पाई है। इसके बनने पर ही कुछ इम्प्रूवमैंट होगी। पानी नौलपुर डिस्ट्रीब्यूट्री में 28 किलोमीटर तक चल रहा है। पहले मात्र मंगोल तक पानी जाया करता था लेकिन अब हमने चक मलिकपुर तक पानी पहुंचवाया है। रैस्टोरे ान और रिहेबीलिटे ान के काम भी चले रहे हैं। 21 पम्पस इनके हल्के के हमने ठीक करवाए हैं और 23 पम्पस ऐसे हैं जिनकी मरम्मत का कार्य चल रहा है। 25.250 किलोमीटर पर जो एम०एल०डी० 8 है वहां पर बामड़वास गांव है वह गांव आखिर में पड़ता है लेकिन है आसपास, वहां का पम्प हाउस भी काम नहीं कर रहा है। आगे जाकर जैन माइनर जहां से निकलती है वहां पर भी पम्प हाउस काम नहीं कर रहा है। जितनी डिस्ट्रीब्यूट्रीज आगे बनाई हैं खासतौर से धनताल माइनर वगैरह, इनमें प्रोब्लम यह आ रही है कि ये हिली एरिया हैं इसलिए इतना कुछ करने के बाद भी मुझे बहुत कम उम्मीद है कि पानी की जितनी एवेलेबिलिटी है उसके मुताबिक पानी वहां तक पहुंच पाएगा। पम्प हाउसिज की सफाई भी

हम करवा रहे हैं और पम्प हाउसिज को हम ओपरेट भी कर देंगे। लेकिन जब तक बी०एम०एल० हांसी बुटाना लिंक नहर नहीं बनती है और जब तक पानी की एवेलेबिलिटी ज्यादा नहीं बन पाती तब तक वहां तक पानी पहुंचाना बड़ा मु कल रहेगा। लेकिन फिर भी हमारे विभाग का पूरा प्रयास रहेगा कि वहां पर पानी पहुंचे। टेल पर पानी न पहुंचने का दूसरा कारण यह भी है कि हैड्ेज पर पानी की काफी चोरियां होती हैं। उन चोरियों को रोकने के लिए हमारी तरफ से पेट्रोलिंग भी की जाती है। मैं वि ोश तौर पर पूरे सदन के सभी सम्मानित सदस्यों से निवेदन करूंगा कि बगैर आउटलैट के लोग पम्पस लगाकर जहां पर भी पानी की चोरियां करते हैं उनको वे ऐन्क्रेज न करें क्योंकि पानी की चोरी होने के कारण ही टेल पर पीने का पानी नहीं पहुंच पाता। अध्यक्ष महोदय, फिर भी मैं मेरे मानवीय साथी भार्मा जी को बताना चाहूंगा कि जिन गांवों का वे जिक्र कर रहे हैं वहां तक पीने का पानी पहुंचाने के लिए हम पूरा प्रयास करेंगे।

श्री राधे याम भार्मा अमर : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से प्रार्थना करना चाहूंगा कि इन्होंने नोलपुर डिस्ट्रीब्यूटरी, धनताल माईनर और बुधवाल सब–माईनर की आन्तरिक सफाई की बात की है। मैं इनकी जानकारी में लाना चाहूंगा कि मैंने दौखेड़ा और बनयाल गांवों के बारे में प्र न किया है ये गांव सहवागपुर डिस्ट्रीब्यूटरी से कवर हो सकते हैं, नोलपुर डिस्ट्रीब्यूटरी से कवर नहीं हो सकते क्योंकि नोलपुर डिस्ट्रीब्यूटरी और उन गांवों के

बीच में कृश्णावती नदी पड़ती है इसलिए नदी के बीच में ये कैसे नहर बनायेंगे? इसलिए मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि उन चार गांवों और उनके आस–पास 10–11 ढाणियों में नहरी पानी कैसे पहुंचाया जायेगा?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने अपने प्र न में सहवागपुर डिस्ट्रीब्यूटरी का कोई जिक्र नहीं किया जबकि अब ये कह रहे हैं कि उन गांवों को सहवागपुर डिस्ट्रीब्यूटरी से जोड़ा जा सकता है।

श्री राधे याम भार्मा अमर : अध्यक्ष महोदय, मैं तो दौखेड़ा और बनयाल आदि गांवों में नहरी पानी की व्यवस्था करने के बारे में प्र न पूछ रहा हूं। किसी भी डिस्ट्रीब्यूटरी से मेरा कोई लेना–देना नहीं है। मंत्री जी केवल यह बता दें कि दौखेड़ा और बनयाल आदि गांवों में पीने के लिए ये नहरी पानी किस तरह से पहुंचायेंगे?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने राय मिलकपुर, दौखेड़ा और बनयाल गांवों के बारे प्र न पूछा है। ये गांव सहवागपुर डिस्ट्रीब्यूटरी से काफी दूरी पर हैं। ये गांव नोलपुर डिस्ट्रीब्यूटरी की टेल पर पड़ते हैं।

श्री राधे याम भार्मा अमर : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि नोलपुर डिस्ट्रीब्यूटरी और इन गांवों के

बीच में कृश्णावती नदी पड़ती है। वहां से ये किस तरह से पानी इन गांवों में पहुंचायेंगे?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि इसको हम इग्जामिन करवा लेते हैं। यदि नदी हो पार करके पानी पहुंच सकता है तो नोलपुर डिस्ट्रीब्यूटरी से पानी पहुंचाया जायेगा और यदि कोई दूसरा हल निकलेगा तो वह निकालेंगे। अगर इसमें कोई फिजीबिलटी होगी तो हम जरूर पानी पहुंचायेंगे। वैसे ही बेकार में हम रजबाहे बनाते रहें और सरकार का पैसा वेस्ट करते रहें, उसका कोई मतलब नहीं है।

हिंदू गर्ल्ज कालेज, जगाधरी के छात्र–छात्राओं का स्वागत

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अगला प्र न पूछा जाये उससे पहले मैं आपकी अनुमति से सदन का ध्यान दिलाना चाहूंगा कि हिंदू गर्ल्ज कालेज, जगाधरी के बी०ए०–III क्लासिज के 52 छात्र–छात्राएं और उनके चार अध्यापक इस समय द र्क दीर्घा में मौजूद हैं। मैं इन सबका पूरे सदन की तरफ से स्वागत करता हूं। ये छात्र–छात्राएं हमारी अगली पीढ़ी हैं। मुझे आ ाा है कि वे आज इस सदन की कार्यवाही से एक नई प्रेरणा लेकर जायेंगे।

तारांकित प्र न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

To reclaim the Water Logging Land in the villages of District Bhiwani

***827, Shri Ranbir Singh Mahendra :** Will the Irrigation Minister be pleased to state –

(a) whether any scheme has been formulated by the State Government to reclaim the water logging land of Chang, Mitathal, Gujrani, Sai, Kaluwas, Nathuwas, Ghuskani, Tigrana, Badesara, Jatai, Dhanana and Madhana villages of District Bhiwani ;

(b). If so, the status of the said scheme togetherwith the steps taken in this regard alongwith the time by which the farmers will get relief therefrom; and

(c). whether the State Government has discussed with the Central Ground Water Board in this regard?

Irrigation Minister (Capt. Ajay Singh Yadav) :

(a). Yes, Sir. A scheme namely constructing Mithathal – Ghuskani Link drain to reclaim water logging land in Distt. Bhiwani has been formulated.

(b). The scheme has been approved and is likely to be completed by 30.06.2009.

(c). This scheme does not require approval of Central Ground Water Board.

श्री रणबीर सिंह महेन्द्रा : अध्यक्ष महोदय, मैंने माननीय मंत्री जी से पूछा है कि क्या जिला भिवानी के चांग, मिताथल, गुजरानी, साई, कालुवास, नाथुवास, घुकानी, तिगड़ाना, बढ़ेसरा, जताई, धनाना तथा मधाना गांवों की सेमग्रस्त भूमि का सुधार करने के

लिए सरकार कोई योजना बना रही है या नहीं। माननीय मंत्री जी ने अपने जवाब में जिस स्कीम का जिक्र किया है उस स्कीम में ये गांव नहीं आते। इन गांवों के लिए क्या कोई दूसरी स्कीम सरकार बना रही है ताकि वहां के गांवों की सेम की समस्या दूर हो सके?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, जहां तक मेरे साथी चांग गांव की बात कर रहे हैं it is served by Chang Drain No. 2 और वहां के पानी को लिफ्ट करके भिवानी डिस्ट्रीब्यूटरी में आर०डी. 155000 में डाला जाएगा, जिसका काम पूरा हो चुका है। दूसरा सांई गांव है, जहां तक मेरी जानकारी है वहां पर ड्रेनेज की कोई प्रोब्लम नहीं है। कभी–कभी बरसात के दिनों में थोड़ा पानी जुड़ जाता है। उस पानी को पम्पस से लिफ्ट करके आर०डी० 132 से 138 में डाल दिया जाता है। जो सुई है वह भिवानी–घग्गर ड्रेन सर्व करती है और उस पर काम चल रहा है। रेवाड़ी खेड़ा के बारे में उन्होंने कल भी जिक्र किया था इसके बारे में मुझे बताया गया है कि वहां पर ड्रेनेज की कोई प्रॉब्लम नहीं है। कालूवास में मिथाथल ड्रेन नम्बर 3 से पानी ड्रेन आऊट होगा जिसका काम कम्पलीट हो गया है। गुजरानी ड्रेन का काम भी कम्पलीट हो गया है। मिथाथल ड्रेन नम्बर 2 का काम भी कम्पलीट हो गया है। मिथाथल–घुसकानी ड्रेन से पानी ड्रेन होने का काम अण्डर प्रोग्रैस है। तिगड़ाना से मिथाथल घुसकानी ड्रेन से पानी निकाला जायेगा यह काम भी कम्पलीट हो गया है। प्रेम नगर ड्रैन से पानी निकालने का काम अण्डर प्रोग्रैस है। मुंढाल–तालु लिंक

ड्रेन का काम भी कम्पलीट हो गया है। लोहारू–जाटू जो कि मुंढाल तालू लिंक ड्रेन द्वारा निकाला जायेगा वह काम भी कम्पलीट हो गया है। मुंढाल कलां ड्रेन से उसका पानी निकाला जायेगा वह काम भी कम्पलीट हो गया है। इसी प्रकार से मुंढाल खुर्द का काम भी कम्पलीट हो गया है इसे बास ड्रेन से और बौहनी थाका ड्रेन से हम ड्रेन करेंगे। एक गांव है सुखपुरा जो कि मुंढाल सुखपुरा लिंक ड्रेन से निकाला जाएगा जिसका काम अण्डर प्रोग्रैस है और जतोई ड्रेन का काम भी कम्पलीट हो गया है। बड़ेसरा ड्रेन नम्बर 1 और 2 से निकाला जाएगा और इसका काम भी कम्पलीट हो गया है। मिरान ड्रेन का काम अण्डर प्रोग्रैस है और सगनाम जो भिवानी–घग्गर ड्रेन से निकाला जाएगा यह काम भी कम्पलीट हो गया है। अध्यक्ष महोदय, यह जो स्कीम है यह इसी सरकार के दौरान हमने भ्रारू की थी और इसमें जहां तक मैं समझता हूं यह काम 30 जून, 2008 तक पूरा कर दिया जाएगा। पहले यह हमने केवल आर०डी० 0 से 50100 तक पर ही कार्य किया था और अब इसको हम आर०डी० 50100 से लेकर 70630 तक पूरा करेंगे। यह स्कीम 29 जनवरी, 2008 को अप्रूव हुई है और 30 जून, 2008 तक हम इसको पूरा कर देंगे।

श्री रणबीर सिंह महेन्द्रा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से एक बात कहना चाहूंगा जो सदन के सामने इन्होंने मुंढाल की ड्रेन के बारे बताया है इसके बारे में जो–जो इनफर्मे ान इनको दी गई है उसकी ये दोबारा फिर से

जांच करवा लें क्योंकि जो मुंढाल–सुखपुरा ड्रैन है उसका तो सैक ान नम्बर 4 का नोटिस भी नहीं हुआ है और उसके बारे में पेपर में भी कुछ नहीं आया है इसलिए उसके कम्पलीट होने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता; अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात माननीय मंत्री जी से मैं यह भी कहना चाहूंगा कि मधाना और धनाना गांवों के लिए कोई स्कीम नहीं है और न ही अब तक कोई स्कीम तैयार की गई है। मैं मंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूं कि वह इसको भी दोबारा एग्जामिन करवा लें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, जहां तक मुंढाल ड्रैन का सम्बन्ध है तो उसका काम कम्पलीट हो गया है और सुखपुरा ड्रेन का काम अण्डर प्रोग्रैस है। जैसे कि मैंने आपको कल भी बताया था कि इसमें कई जगह अवार्ड होना बाकी है जिसके लिए हमने पैसा जमा करवा दिया है। सैक ान–9 भी हो गया है और यह काम अण्डर प्रोग्रैस है और जैसे ही अवार्ड होगा हम इसका काम भाुरू कर देंगे। लेकिन जब तक अवार्ड नहीं होगा तब तक काम भाुरू नहीं हो सकता। अवार्ड करने का काम डा०आर०ओ० का है और डी०आर०ओ० लगाने के लिए मैंने कल भी रेवेन्यू मिनिस्टर से रिकवैस्ट की थीं इसके अतिरिक्त आपने दो और गांवों के बारे में जिक्र किया है यह काम अभी तक नहीं हुआ और मुंढाल लिंक ड्रेन से उसका वर्क कम्पलीट हो गया है। फिर भी अगर आपको कोई सं ाय हैं तो इस बारे में मैं अपने अधिकारियों से बात कर लूंगा। इसके अतिरिक्त अगर आप कोई

सुझाव भी देना चाहते हैं तो उन्हें हमारे पास भिजवा दें, हमारे अधिकारी उन पर भी आव यक कार्यवाही कर लेंगे।

श्री रामकि ान फौजी : अध्यक्ष महोदय, ये जो ड्रेन निकाली जा रही है मैं इनके बारे में कहना चाहता हूं। जैसे भिवानी में गंदे पानी का नाला जो हमारे तो ाम, बवानी खेड़ा, आलमपुरा, बालावास, कंवारी, धमाना, धमाकुंजा और कुंगड़ के पास से निकलता है उसके पास किसानों को निकलने के लिए रास्ता नहीं है। सरकार जो जमीन ड्रेन के लिए एक्वायर करती है वह कम करती है जिसके कारण किसानों को रास्ते कम मिलते हैं। जो पुल बनाए जाते हैं बरसात के दिनों में उनकी मिट्टी कट क रवह रास्ता बिल्कुल बंद हो जाता है जिसके कारण किसानों को रास्ता नहीं मिलता। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या मंत्री जी इन पुलों और दूसरे रास्तों का समाधान करने के लिए कोई कदम उठायेंगे?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, जहां तक ड्रेन के ऊपर रास्ते की बात है तो हमारे नार्मस के मुताबिक जो रास्ते हैं जो गांवों से गांवों को जो जोड़ते हैं उनके ऊपर तो हम पुल बनवाते हैं। जहां रास्ते हमारे नार्मस में कवर नहीं हेाते और कोई जरूरी रास्ता है तो वह केस माननीय मुख्य मंत्री जी तक जाता है अगर मुख्यमंत्री जी से अप्रूवल मिल जाती है तो हम उसको बना देते हैं। माननीय सदस्य के इलाके में ऐसे कई एरिया हैं, जहां पर

वास्तव में पुलों की जरूरत है। ऐसे पुलों को हम अव य बनायेंगे।

————————

Vigilance Enquiry

@832. Shri Shamsher Singh Surjewala : Will the Chief Minister be pleased to state whether any criminal case/enquiry is pending against Shri Om Parkash Chautala and his associates before the Haryana Vigilance Bureau; if so, the details thereof?

Power Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) : Yes, Sir. A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

One criminal case FIR No. 20 dated 18.10.2005 under Sections 420/467/468/471/120B IPC & 13 of P.C. Act has been registered at Police Station State Vigilance Bureau, Hisar against Sh. Om Parkash Chautala, ex-Chief Minister, Shri K.C. Bangar and others arising from Enquiry No. 3/2005 Chandigarh regarding alleged irregularities in the selection of H.C.S. and Allied Services and other posts. Haryana Public Service Commission has refused to handover most of the relevant record to the State Vigilance Bureau. In order to obtain record, State Vigilance Bureau filed an application in the Court of Chief Judicial Magistrate, Hisar for obtaining search warrants but the request was rejected. Thereafter, State Vigilance Bureau went in revision before the Sessions Judge, Hisar which was also dismissed. Thereafter, the State

Vigilance Bureau filed a Criminal Misc. Petition under Section 482 Cr.P.C. in the Hon'ble Punjab & Haryana High Court challenging the orders of the Chief Judicial Magistrate, Hisar and Sessions Judge, Hisar. The petition is being heard by Hon'ble Punjab & Haryana High Court. In view of the non-supply of the relevant records by the Haryana Public Service Commission, further investigation by State Vigilance Bureau is held up.

In addition, Enquiry No. 10/2005-Chandigarh against Sh. Om Parkash Chautala ex-Chief Minister and the then Director, Animal Husbandary, Haryana regarding alleged misappropriation of grants under various centrally sponsored programmes in the Animal Husbandary Department and purchases made thereunder, is also pending.

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला जी के प्र न के जवाब में जो वक्तव्य सदन के पटल पर रखा है उससे यह प्रमाणित होता है कि श्री ओमप्रका ा और उनके साथियों के विरूद्ध जो मुकद्दमें दर्ज किए हैं वह इसलिए किए गए क्योंकि हरियाणा पब्लिक सर्विस कमी ान में बंगलिंग उन दिनों की गई। जो नियुक्तियां की गई उनके बारे में आपके माध्यम से मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि उन्होंने अपने जवाब में जिक्र किया है कि "alleged irregularities in the selection of HCS and Allied Services." सर, इनके भाासन के दौरान 3 बार एच०सी०एस० और एलाइड सर्विसिज में सलैक ान हुआ है। यह कौन से साल का

एडवरटाईजमैंट था और ये जो वैकेन्सीज हैं ये कौन से साल की थी जिनके अंग्रेस्ट या जिस ि ाकायत पर इन्होंने मुकद्दमा दर्ज किया है? अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि इन्होंने अपने वक्तव्य में जो यह कहा है कि निदे ाक, प ाुपालन हरियाणा और श्री ओम प्रका ा चौटाला के खिलाफ प ाुपालन विभाग में की गई अनियमितताओं व गबन के बारे में भी इन्क्वायरी है तो यह इन्क्वायरी क्या है और क्या इसकी तफती ा पूरी हो चुकी है और अगर इसकी तफती ा पूरी हो चुकी है तो इसमें भी क्या विजिलैंस विभाग या पुलिस विभाग मुकद्दमा दर्ज करेगा? जो इसमें गबन किया गया है उसकी मात्रा क्या है वह गबन कितने रुपये का है या उस गबन की संख्या क्या है? क्या यह बताने का कश्ट करेंगे।

डॉ० सु ाील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, यह सवाल तो श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला जी के नाम था तो फिर श्री कर्ण सिंह दलाल कैसे पुट अप कर रहे हैं?

Mr. Speaker : Hon'ble members, Shri Shamsher Singh Surjewala has authorized Shri Karan Singh Dalal to ask the question, under Rule 52(3) of Rules of Procedure and Conduct of Business in Haryana Legislative Assembly. Under Rule 52(3), any member can authorize any other member of the House tgo put the question on his behalf, if the Speaker allows. The written request of Shri Shamsher Singh Surjewala is here and I have allowed Shri Karan Singh Dalal to ask the question.

डॉ० सु ील इन्दौरा : ठीक है सर, मै यही जानना चाहता था। अगर रिटन में परमि ान है तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय माननीय सदस्य ने दो प्र न पूछे हैं। अध्यक्ष महोदय, आपकी अनुमति से हमने स्टेटमैंट हाउस के पटल पर रखी है। माननीय सदस्य और सदन की जानकारी के लिए मैं बताना चाहूंगा इसमें हमने इन्क्वायरी नं० 3 ऑफ 2005 की चर्चा की है जिसके बारे में माननीय सदस्य ने यह जानना चाहा है कि ये कौन–कौन से वर्श की सिलैक ान थी। अध्यक्ष महोदय, इस केस के बारे में हमें कुल 37 ि ाकायतें मिली हैं जो कि हरियाणा के भिन्न व्यक्तियों से प्राप्त हुई हैं। ये ि ाकायतें उन लोगों ने भी की हैं जो खुद इस पद के सिलैक ान के लिए उम्मीदवार थे। इन ि ाकायतों में आरोप लगाया गया है कि इन सिलैक ान के लिए उस समय के आयोग के सदस्यों द्वारा अथवा उस वक्त की सरकार के मुखिया द्वारा पैसा लिया गया है। भिन्न–भिन्न ि ाकायतें हमारे पास लम्बित हैं जो अनियमितताएं हुई हैं उनकी लिस्ट बड़ी लम्बी हैं इसलिए मैं माननीय सदस्य श्री कर्ण सिंह दलाल जी को इसकी कॉपी भिजवा दूंगा। इन ि ाकायतों पर जांच चल रही है। यह अकेली एच०सी०एस० की सिलैक ान की ि ाकायत नहीं है इसके साथर ही बहुत सारी एलॉयड सर्विसिज के साथ रिलेटिड ि ाकायतें भी हैं। उदाहरण के तौर पर मैं सदन करो बताना चाहूंगा कि फोरैस्ट सर्विसिज ग्रुप "बी" कैटेगरी के अन्दर भाारीरिक परीक्षा में भारी

हेरा–फेरी हुई है इसकी जांच विजिलैंस के पास है। इसी प्रकार से नायब तहसीलदार, एच०सी०एस०, नॉमिनेटिड कैटेगरी में लगाए हैं उनके बारे में भी ि ाकायत प्राप्त हुई है। एस०डी०ओ०, इलैक्ट्रिक के पद के लिए गोल्ड मैडलिस्ट कुमारी बिन्दले ा daughter of श्री बिन्दले ा को गोल्ड मैडलिस्ट हारेने के बावजूद सिलैक ान से छोड़ दिया गया जबकि सैकण्ड और थर्ड डिवीज़न वाले कैंडीडेंटस को सिलैक्ट कर लिया गया। उसकी ि ाकायत हमारे पास आई है। इसी तरह से सीनियर ऐनालिस्ट के पदों की भर्तियां जो हरियाणा पब्लिक सर्विस कमी ान द्वारा की गई उसमें ऐसे कैंडीडेट की सिलैक ान हो गई जो मिनिमम योग्यता भरी पूरी नहीं करता था, उसकी ि ाकायत भी हमारे पास आई है। डिप्टी डायरैक्टर, एग्रीकल्चर के बारे में माननीय कृशि मंत्री महोदय ने बताया था कि सरकार कार्यवाही कर रही है। एक ऐसे व्यक्ति का सिलैक ान कर लिया गया है जो अपनी आयु सीमा पार कर चुका है। इसी प्रकार की गई और खामियां उसके अन्दर पाई गई हैं। डिप्टी डायरैक्टर, एग्रकल्चर सिलैक ान में अनियमितताओं के बारे में एफ०आई०आर० दर्ज करवाने के बारे में आदे ा माननीय कृशि मंत्री जी ने दे दिये हैं। वे तीनों अधिकारी जो नाजायज तरीके से सिलैक्ट हुए थे उन्हें सस्पैंड कर दिया गया है। डिप्टी डायरैक्टर, एग्रीकल्चर की नियुक्ति में भारी अनियमितताएं हुई है। इसी प्रकार से एच०सी०एस० और एलॉयड सर्विसिज की सिलैक ान में भारी अनियमितताएं की गई। कायदे कानून को ताक पर रख कर सिलैक ान में कानून की धज्जिया उड़ाई गई। जो ि ाकायतें

प्राप्त हुई हैं उनमें से कुछ केसिस हाई कोर्ट में चले हुए हैं। स्टाटिस्टिकल रिसर्च ऑफिसर की जो 17 लोगों की सिलैक ान की गई है उसमें भी ि ाकायत प्राप्त हुई है। जो हमारे दलित भाई हैं उनमें से कइयों के साथ ज्यादती की गई है। उनकी ि ाकायत भी हमारे पास आई है। अध्यक्ष महोदय, यह एक बहुत ही लम्बी–चौड़ी लिस्ट है। कोई भी ऐसी सिलैक ान नहीं बची है जिसमें हेरा–फेरी की ि ाकायत न की गई हो। जो ि ाकायतें आई हैं वे इस समय विजिलैंस के पास हैं और अण्डर इन्वैस्टिगे ान हैं। Regarding inquiry No. 10 of 2005 जिसमें यह इल्जाम है कि ऐनीमल हस्बैंडरी डिपार्टमैंट का पैसा श्री ओम प्रका ा चौटाला तथा डज्ञयरैक्टर ने मिल कर खुद–बुर्द कर लिया है जिससे सरकारी को हानि पहंची है। यह मामला अभी भी अण्डर विजिलैंस इन्वैटिगे ान है। अध्यक्ष महोदय, आपकी अनुमति से मैं माननीय सदस्य को यह बताना चाहूंगा कि सरकार ने ऐसे निर्दे ा दे दिए हैं कि जून, 2008 तक इस इन्क्वायरी को पूरा करवा दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने यह भी पूछा है कि जो इल्जाम लगाया गया है कि इसमें कितने पैसे का गबन हुआ है। इस बारे में इस वक्त मेरे पास पूरे तथ्य उपलब्ध नहीं हैं लेकिन जो रिकॉर्ड मैंने देखा है उसके मुताबिक उसमें तकरीबन 130 लाख रुपये की रा ि ा इन्वाल्वड है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने अपने जवाब में सदन को बताया है कि जो नियुक्तियां की गई हैं

उसमें किस प्रकार से अनियमितताएं की गई हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके मार्फत मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि जब ये जान चुके हैं कि आयोन ने लोगों की भर्ती रि वत, सिफारि ा, जाति और धर्म के नाम पर की है और वे लोग विभिन्न विभिन्न महकमों में बैठकर प्रदे ा को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उनके अन्दर यह काबलियत नहीं है ि कवे उन महकमों के साथ इन्साफ कर सकें। क्या माननीय मंत्री सदन में आ वासन देंगे कि जिन नियुक्तियों के बारे में ये मानते हैं कि ये नियुक्तियां अयोग्य होते हुए भी की गई हैं। इसके मायने उनको ये नौकरियां नहीं दी जानी थी लेकिन उनको यह नौकरियां दी गई थीं। उनको बजाए अन्डर रूल सात चार्ज ाीट करने के क्या भाो–काज नोटिस देकर फौरन बर्खास्त करने के बारे में ये विचार करेंगे।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, जैसे कि मैने बताया है कि डिप्टी डायरैक्टर, एग्रीकल्चर की इन्क्वायरी रिपोर्ट हमारे पास आ चुकी है। इस बारे में कल माननीय कृशि मंत्री जी ने सदन में बताया था कि हमने यह निर्णय लिया है कि इण्डियन पिनल कोड की धारा 420, 467 और 471 जिनमें फौर्जरी डाकूमैंट वगैरह के मामले आते हैं उनके तहत हमने मुकद्दमा दर्ज करवाने का निर्णय ले लिया है। जहां तक उनको नौकरी में लगाने और न रखने का सवाल है तो इस बारे में इनका जो सुझाव है कि ऐसे व्यक्तियों को भाो–काज नोटिस देना चाहिए, सरकार इस बारे में

एडवोकेट जनरल से ओपिनियन ले लेगी। उनकी ओपिनियन के मुताबिक ही हम कार्यवाही करेंगे।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि इन्होंने बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दों पर बहुत अच्छी बात कही है। यह जो एम०पी०एस०सी० ने नियुक्तियों की सिफारि ा की है इसमें साफ तौर पर अनियमितताएं सामने आई हैं। इसमें बहुत बड़ा धोखा प्रदे ा की जनता के साथ हुआ है। अध्यक्ष महोदय, आप अच्छी तरह से जानते हैं कि अयोग्य व्यक्ति अपने सरकार कामकाज का निपटारा अच्छी तरह से नहीं कर सकता है। वह आदमी सारा दिन दफ्तरों में न बैठकर के जैसी उनकी फितरत है, जैसे उनके आचार–विचार हैं, वे लोगों के साथ धोखा–धड़ी करते रहे हैं वही काम करते रहते हैं जिन अधिकारियों ने एच०पी०एस०सी० में ये गलतियां की हैं उनके खिलाफ सरकार ने मुकद्दमें दर्ज किए हैं। अध्यक्ष महोदय, मै। आपके मार्फत माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जिन अधिकारियों ने जानबूझकर ऐसे व्यक्तियों को विभागों में नौकरियां दी हैं, उनके खिलाफ सरकार क्या कार्यवाही करने जा रही है?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैंने बताया है कि यह सिलैक ान हरियाणा पब्लिक सर्विस कमी ान के द्वारा की गई है और इस प्रकार की खामियां उस वक्त का हरियाणा पब्लिक सर्विस कमी ान था जो आज भी है, हमने और

आरणीय मुख्यमंत्री जी ने जब यह पाया कि इसमें भारी अनियमितताएं पूरी सिलैक ान के वक्त में की गई हैं। जो मैरिटोरियस कैंडिडेटस थे, जो काबिल उम्मीदवार थे उनको छोड़ दिया जाता था और नियुक्ति किसी अन्य आधार पर की जाती थी। ये सब बातें सोच कर राश्ट्रपति जी को हरियाणा सरकार ने एच०पी.एस०सी० की इम्पीचमैंट का रैफरैंस दिया है, जो कि विचाराधीन है। आज पब्लिक सर्विस कमी ान कोई सिलैक ान करके भेजेगा तो हम उस सिलैक ान को करने के लिए बाध्य हैं। परन्तु फिर भी अगर माननीय सदस्य को लगे कि इसके अन्दर किसी अधिकारी की अनियमितता में भागीदारी है तो ये उस स्पैसिफिक इन्सटांस के बारे में हमें लिखकर भेजें। मैं इनसे सरकार की तरफ से वायदा करता हूं कि हम उस अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही करेंगे।

श्री तजेन्द्र पाल सिंह मान : अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने बताया है कि भिन्न–भिन्न अनियमितताओं की बहुत सी कम्पलेंटस हैं। जब सरकार को इतना पता लग गया है कि सर्विस कमी ान ने बेहता ाा धांधली की है तो ये सारी अनियमितताओं के बारे में एक ही इन्क्वायरी करें और इन्क्वायरी ऐसी न करें जैसे कि एक केस में 3 साल इन्क्वायरी करते हुए हो गए हैं। मेरा निवेदन है कि ये इन्क्वायरी को टाईम बाऊंड करें।

श्री अध्यक्ष : मान साहब, जिस पोस्ट के लिए गलत सिलैक ान हुई है जैसे कि 10 पोस्ट्स हैं और उनमें से 2 की

गलत सिलैक ान है। क्या आप उन दो पर इन्क्वायरी करवाना चाहते हैं या 10 के खिलाफ ही इन्क्वायरी करवाना चाहते हैं?

10.00 बजे

श्री तजेन्द्र पाल सिंह मान : नहीं सर, मैं तो कहता हूं कि जोभी कारगुजारी उस वक्त के पब्लिक सर्विस कमी ान ने पांच–छः साल के समय में की, उसकी जांच करवानी चाहिए। उस वक्त इस कमी ान को भंग करके सभी सदस्यों के इस्तीफे दिलवाकर रिप्लेस करके दोबारा से मैम्बर बना दिया गया था लेकिन इसके बाद उनका चरित्र हाई कोर्ट में और विभन्न नियुक्तियों में सामने आ गया था लेकिन इसके बाद उनका चरित्र हाई कोर्ट में ओर विभिन्न नियुक्तियों में सामने आ गया था। क्या सरकार ऐसा सोच रही है कि उस समय टोटल जितनी भी नियुक्तियां की गयी हैं चाहे वह पोल्यू ान बोर्ड में नियुक्ति की गयी हों जिसमें जे०ईज० से सीधे ही ऐक्सियन बना दिया गया, उनकी इन्क्वायरी का कोई समय निर्धारित है? स्पीकर सर, अब तक तीन साल हो गये हैं इसलिए उनका समय निर्धारित किया जाना चाहिए। स्पीकर सर, मेरा दूसरा सवाल हालांकि इस प्र न से रैलेवैन्ट नहीं है लेकिन फिर भी मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि मेरे हलके के उस वक्त के विधायक के गांव में जो नम्बर ऑफ मर्डर्ज हुए थे उनके करने वाले आज तक अनट्रेस हैं। उन लोगों के खिलाफ इन्क्वायरी भी पूरी नहीं हुई है इससे ऐसा

लगता है कि इस मामले में कहीं न कहीं मिलीभगत तो जरूर है। क्या मंत्री जी इस मामले की भी इन्क्वायरी करवाएंगे?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, माननीय सदस्य ने जो चिंता जाहिर की है उससे मैं भी अपने आपको जोड़ता हूं। मै। इनसे केवल यह कहना चाहूंगा कि हमने जो एक स्टेटमैंट टेबल ऑफ दी हाउस में रखी है उसको ये पढ़ें क्योंकि उसमें स्पश्ट लिखा है कि जो इन्क्वायरी नम्बर 3ध्2005 है वह regarding alleged irregularities in the selection of H.C.S. and allied services and other posts के बारे में है। अध्यक्ष महोदय, इसको लेकर हरियाणा पब्लिक सर्विस कमी ान से रिकार्ड मांगा था ताकि जो बात सच है वह सामने आ जाए और अगर कम्लेंट झूठी है तो वह भी सामने आ जाए। हरियाणा पब्लिक सर्विस कमी ान ने यह रिकार्ड देने से इंकार कर दिया, वह रिकार्ड दिखाने से इसलिए इंकार कर दिया ताकि तफती ाी अफसर इन्क्वायरी करके सच का सच और झूठ का झूठ सामने न ला सके। स्पीकर सर, अब इस मामले को लेकर हाई कोर्ट के अंदर विजिलैंस ब्यूरो गया है और वहां पर इस समय यह प्रक्रिया प्रोग्रैस में है। इस मामले में माननीय हाई कोर्ट का जो भी निर्णय आएगा उसके मुताबिक हम फर्दर कार्यवाही करेंगे। इनकी यह बात सही है ि कइस मामले में तीन साल का समय बीत गया है। अध्यक्ष महोदय, हम यही कोि ा ा करेंगे कि जल्दी से जल्दी इस इन्क्वायरी का निपटारा कर सकें।

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान : स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि वे मेरे दूसरे सवाल का भी जवाब दे दें।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, हालांकि इनका वह प्र न मेन सवाल से जुड़ा हुआ नहीं है परन्तु इस मामले में जो ि ाकायत पार्टी है यदि उनकी तरफ से लिखवाकर भिजवा दें तो मैं मान साहब को ऐ योरैंस देता हूं कि इस मामले में भी कार्यवाही की जाएगी। आदरणीय मुख्यमंत्री जी के नाम से एक दरख्वास्त ये ि ाकायत पार्टी से लिखवाकर मुझे दिलवा दें, हम 6 महीने के अंदर इन्क्वायरी पूरी करके क्रिमनल इन्वैस्टीगे ान डिपार्टमैंट कर देंगे।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला जी ने अपने सवाल में श्री ओम प्रका ा चौटाला और उनके एसोसिए ान के राजकाज में हरियाणा के अंदर जो खुली लूट और खसौट के काम हुए हैं, उनके बारे में पूछा है। उस समय कईसे वाकये हुए थे जिनकी अब पुलिस, विजीलैंस और सी०बी०आई० जैसी संस्थाएं जांच कर रही हैं और मुकद्दमें दर्ज हो रहे हैं। उनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट से भी और हाई कोर्ट से भी फैसले आए हैं। मैं आपकी मार्फत माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जो सिरसा में बिजली विभाग की जमीन पर कब्जा हुआ है।

Mr. Speaker : Dalal Sahib, please ask your supplementary only pertaining to this question. In this regard, you can ask separate question.

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, चूंकि यह भी ओम प्रका ा चौटाला एंड एसोसिएटस का मामला है इसलिए मैं पूछना चाहता था लेकिन अगर आप मुझे इस बारे में पूछने के लिए एलाऊ नहीं करते हैं तो मैं अपना दूसरा प्र न पूछ लेता हूं। इनके समय में जो एच०सी०एस० गलत तरीके से नोमीलेट हुए हैं उनमें एक प्रताप सिंह का एच०सी०एस० भी है। पहले यह हुडा विभाग में कार्यरत था लेकिन इसको स्टैनो होते हुए भी सीधे ही एच०सी०एस० बनाया गया। इनके खिलाफ ि ाकायते पिछले और अब के भाासन के सामने आयी है तो क्या मंत्री जी इस बात का वि वास दिलाएंगे कि जो एच सी एस पिछली सरकार ने नोमीनेट किए और बोर्ड एवं कारपोरे ांज के नियामो को बदलकर या न बदलाव भी नोमीनेट किया, क्या मंत्री जी उन अन्य एच सी एस को जिनको हटाने का सरकार ने नोटिस दिया है, उनके साथ उस प्रताप सिह को जिनको स्टैनो से एच सी एस बनाया था, उसका भी चयन उसी लिस्ट मे हुआ था, क्या इसको हटाने के बारे मे माननीय मंत्री जी कार्यवाही करेंगे?

श्री रणदीप सिह सुरजेवाला: स्पीकर सर, माननीय सदस्य ने जिस व्यक्ति वि ोश को लेकर प्र न पूछा है तो इस बारे मे पूरे तथ्य इस समय मेरे पास हैंड इन नही है लेकिन जो भी उचित कार्यवाही होगी वह हम अव य करेंगे ऐसा मै माननीय

सदस्य को आ वासन देना चाहता हूं। अगर किसी की नियुक्ति नियमो को ताक पर रखकर की गई है तो ऐसे किसी व्यक्ति को नौकरी मे रहने का अधिकार नही है। सरकार उस पर नियमो के मुताबिक उचित कार्यवाई अव य करेगी।

श्री फूल चंद मुलानाः स्पीकर सर, क्या मंत्री महोदय यह विचार भी कर रहे है कि जो पब्लिक सर्विस कमी ान क्रीमिनल की हैल्प कर रहा है उसके मायने ये हुए कि वह भी उसमे इन्वौलव है, उसकी मं ाा क्या है? They are concealing the record in order to help the criminals. क्या ऐसे कमी ान के खिलाफ नो कांफीडैंस मो ान या क्रिमिनल प्रौसीडिंग्ज स्टार्ट करने का सरकार विचार रखती है?

श्री रणदीप सिह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, इस सदन के सबसे वरिश्ठतम सदस्यो मे से एक मुलाना जी है। उनकी चिंता वाजिब है कि जब हाईऐस्ट सलैक ान बाडी इस प्रकार के नैपुटिज्म और इररैगुलैरिटीज मे इन्वौल्व हो जाए तो फिर प्रांत की 2 करोड 30 लाख जनता का वि वास अपने आप सलैक ान प्रोसैस के बारे में संदेह के घेरे मे आ जाता है।

Mr Speaker: No running comments. ओढ साहब, आपको बैठे बैठे नही बोलना चाहिए।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, क्योंकि मौजूदा हरियाणा पब्लिक सर्विस कमी ान का गठन और उसकी

प्रकिया दोनो भारी संदेह के घेरे में है। उनकी निश्पक्षता, उनकी काबिलियत and their capacity to make fair and independent selection is in serious doubts. इसके लिए संविधान के अंदर जो प्रकिया है उसमे इम्पीचमैंट का प्रावधान है, मुख्यमंत्री जी ने सारी बात को देखकर इसका बडा कडा नोटिस लिया और हमने पब्लिक सर्विस कमी ान को हटाने के लिए एक रिफरैंस राश्ट्रपति जी को दे दिया है। दूसरा प्र न माननीय मुलाना साहब ने किया है कि क्या इंडिपैंडैंट आफ इम्पीचमैंट और नो कांफीडैंस मो ान के अलावा आपराधिक मुकद्दमा ऐसे पब्लिक सर्विस कमी ान के सदस्यो और उनको मुखिया के खिलाफ दर्ज करेंगे। मै उनका आ वस्त करना चाहूंगा कि इस मामले में इंक्वायरी जारी है। माननीय सदस्य श्री कर्ण सिह दलाल ने जो पब्लिक इंट्रैस्ट लिटिगे ान इस मामले मे डाली थी, वह मामला भी उच्च न्यायालय मे अंदर विचाराधीन है। दोनो की फाइंडिंग्स आते ही जो भी दोशी पाया जाएगा, चाहे वह किसी भी स्तर का आदमी क्यों न हो, उसके खिलाफ आपराधिक मुकद्दमा अव य दर्ज किया जाएगा।

Promoting the Livestock

***852. Sh. Randhir Singh:** Will the Animal Husbandry and Dairying Minister be pleased to state the steps taken by the Government for promoting the livestock in the state and whether the farmers are being encouraged for promoting livestock; if so, the details thereof?

Agriculture Minister (Sardar H.S. Chatha): Sir, the Government is undertaking various programmes in the State to promote the livestock and encourage the farmers. In brief the details are placed on the Table of the House.

Annexure-I

The Department is taking up following activities to improve the livestock and encourage the farmers in the State:-

1. The State of Haryana is credited with having the best infrastructure in the country. A total of 2605 Veterinary Institutions catering to the needs of livestock owners. On an average one Veterinary Institution per less than three villages.

2. The Haryana Livestock Development Board has been constituted with a view to boost up the genetic improvement of livestock in the State. It is the State implementing Agency of National Project for Cattle and Buffalo Breeding (100% Centrally Sponsored Scheme). The different breeding activities, starting from quality frozen semen production to doorstep A.I. services are carried out under this programme.

3. To preserve, improve and fast multiply quality Murrah germplasm, a noble programme of identifying top yielding Murrah buffaloes and giving incentive to the owners of such recorded animasl has already started showing encouraging results. Under this programme, cash incentive to the owners of buffaloes yielind 11&15 Kg. of milk per day are given Rs. 3000/- whereas the owners of the buffaloes yielding above 15 to 20 Kg. are given Rs. 6000 and 10000, respectively. All the identified buffaloes are insured and 100% insurance

premium in the case of Scheduled Castes and 75% in the case of general farmers is borne by the Government. Male calves born to these high yielding buffaloes are purchased by the Government and reared as future bulls for supply to the Gram Panchayat at subsidized rates. The topmost bulls categorized on the basis of dam yield are being maintained at the high-tech sperm stations (Semen banks) for production of semen.

4. There has been export of Murrah bulls and semen to institutions of national and international repute like National Dairy Development Board, Bhartiya Agro Industries Foundation in addition to several states of the country including Punjab, Uttar Pardesh, Andhra Pardesh, Uttaranchal, Gujrat, Chhatisgarh and Delhi.

5. The State is taking all necessary steps to keep its livestock healthy. the implementation of Foot & Mouth disease control programme is a success story. Its including during the last three years has been as good as zero.

6. We are the first State to provide an insurance cover to “Haryana cows and bullocks and 50% of the insurance premium in the case of general category farmers and 100% in the case of Scheduled Castes farmers is borne by the Government in such cases.

7. To promote cattle production and conservation, registered Gaushalas numbering 157 in the State are assisted from time to time through various State & Central agencies.

श्री रणधीर सिहः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो जानकारी दी है वह बहुत सराहनीय है। मै उनका ओर

मुख्यमंत्री जी का इसके लिए बहुत धन्यवाद करता हूं। पिछले सै ान के दौरान मैने कुछ सुझाव दिये थे उन सुझावो को सरकार ने लागू किया है और इन सुझावो पर हरियाणा प्रदे ा के हजारो किसानो को फायदा भी हुआ है। इससे हरियाणा प्रदे ा के किसान जो प ाुपालक है उनका हौंसला बढा है, रुची बढी है इसी के साथ साथ मै माननीय मंत्री जी को यह भी सुझाव देना चाहता हूं। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप सप्लीमैंट्र पूछिए।

श्री रणधीर सिहः ठीक है सर। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि प ाुपालको के प ाुओ के लिए जो बीमा रा ि ा योजना रखी गई है वह भैंसो के लिए और गायो के लिए 30 हजार रुपये रखी गई है जबकि आज के दिन जो मुर्राह भैंस की वैल्यू है।

श्री अध्यक्षः आप यह पूछो की इस रा ि ा को बढाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है?

श्री रणधीर सिहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या इस बीमा रा ि ा को भैंसो के लिए 50 हजार या 60 हजार तक बढाने का सरकार के पास कोई प्रस्ताव विचाराधीन है और जो गाय के लिए बीमा रा ि ा रखी गई है क्या उसको 20 हजार तक तथा जो क्रेस ब्रीड की रा ि ा है उसको 30 से 40 हजार रुपये तक बढाने का कोई

प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है, इसके साथ साथ जो हमारी हरियाण नस्ल की गाय की बीमा रा ि ा दस हजार रखी गई है क्या उसको भी बढाने का कोई विचार है?

सरदार एच एस चटठा: अध्यक्ष महोदय, श्री रणधीर सिह जी ने बहुत बढिया बात की है हम इस रा ि ा को जरुर बढायेंगे।

श्री अध्यक्ष: आपने दो सप्लीमैंट्री पूछ ली है अब आप केवल एक और पूछ सकते है, I will allow only one more supplementary.

श्री रणधीर सिह: स्पीकर सर, मुर्रा नस्ल की भैस जो 18 किलो दूध देती है उसके कटडे की कीमत हरियाणा सरकार के हिसाब से दस हजार रुपये है।

श्री अध्यक्ष: आपका अपना कोई डेयरी फार्म है क्या?

श्री रणधीर सिह: स्पीकर सर, गरीब आदमी और किसान इस व्यवसाय से गुजारा कर रहे है। मै मंत्री जी से आपके माध्यम से पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार मुर्राह नस्ल की भैंस के कटडे की कीमत दस हजार से बढाकर 25–30 हजार रुपये करने के बारे मे विचार करेगी क्योंकि इस कटडे पर किसान का एक वर्श का खर्चा दस हजार रुपये से ज्यादा आ जाता है। मै माननीय मंत्री जी का और हरियाणा सरकार का धन्यवाद करना चाहूंगा कि जिन्होने हिसार मे एक प ा वि वविद्यालय स्थापित करने का फैसला किया है। इसके साथ ही मै मंत्री जी से एक बात और पूछना चाहता हूं

कि जो सरकार ने और विभाग ने प ाुओ के लिए पोली क्लीनिक की योजना बनाई है जो अभी दो जिलो मे भाुरु की है क्या सरकार इस योजना को सभी जिला हैडक्वार्टज पर खोलने का विचार करेगी?

सरदार एच एस चटठाः अध्यक्ष महोदय, मै चौधरी रणधीर सिंह जी को मुबारकबाद दिये बगैर नही रह सकता क्योंकि इनका जो डेयरी फार्म है वह हरियाणा प्रदे ा के बैस्ट डेयरी फार्मज़ मे से एक है और मै यह कहूं कि सबसे बैस्ट है तो कोई गलत नही होगा। इसलिए इनको डेयरी फार्म के बारे मे ज्यादा नॉलेज है।

श्री अध्यक्षः अब तो किसी की नजर नही पडेगी। आप इस बारे मे एग्जामिन करवा लेना।

सरदार एच एस चटठाः ठीक है सर, इसके बारे में एग्जामिन करवा लेंगे।

श्री सुखबीर फरमाणाः स्पीकर सर, मेरे हल्के के गांव सुसाना मे एक किसान की भैंस जिसकी कीमत 50 हजार रुपये थी उसको किसी ने जहर दे दिया और उस भैंस की मौत हो गई क्या सरकार उस किसान की कोई मदद करेगी?

श्री अध्यक्षः श्री रणधीर सिह जी ने जो सवाल पूछा है प ाुओ की चोरी या मरने के बाद बीमा रा ि ा देने के बारे में है।

सरदार एच एस चटठाः स्पीकर सर, हरियाणा हिन्दुस्तान मे पहला राज्य है जिसके हर तीसरे गांव मे या तो प ाुओ का होस्पीटल है या डिस्पैंसरी खौली गई है। हिन्दुस्तान मे ऐसा कोई राज्य नही है जिसमे इतने डिस्पैंसरी या हास्पीटल प ाुओ के लिए खोले गए हो। सरकार कोि ा ा कर री है कि हर गांव मे प ाुपालन विभाग का एक वर्कर काम करे जो इन मुर्रा भैंसो की देखभाल करें। हरियाणा हिन्दुस्तान मे नम्बर एक है जिसके सबसे ज्यादा बैस्ट एनीमल्ज है। मुर्रा नस्ल की भैंस हिन्दुस्तान मे ही नही बल्कि वर्ल्ड मे बैस्ट है। Murrach buffalo is number one in India.

श्रीमती सुमिता सिहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्र न थोडा सा हटकर है इसलिए मै आपकी इजाजत से मंत्री महोदय से जानना चाहती हूं कि हिन्दुस्तान मे जब भी कही बर्ड फ्लू आता है तो उसका डर हरियाणा के पौल्ट्री फार्मस मे भी आता है। इसके कारण पोल्ट्री मे अंडे वगैरह जो भी चीजे होती है उनको कोडियो के भाव बेचनी पडती है क्या सरकार ने उन्हे मुआवजा देने के बारे मे सोचा है और कोई ऐसा कदम उठाया है जिससे आने वाले समय मे हरियाणा मे कभी बर्ड फ्लू न फैले?

सरदार एच एस चटठाः अध्यक्ष महोदय, बहन जी का सवाल इस सवाल से कनैक्ट नही करना चाहता। लेकिन मै इनको बताना चाहूंगा कि हरियाणा मे बर्ड फ्लू नही है, हरियाणा इस बिमारी से फ्री है। हरियाणा मे सारे डाक्टर्ज, यूनिवर्सिटीज को

हिदायत है कि कही भी एक या दो मुर्गी मर जाएं तो उनका पोस्ट मार्टम करे इसलिए अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि जब हरियाणा मे बिमारी है ही नही तो फिर किस बात के लिए हम कोई कदम उठाएं?

श्री सुखबीर फरमाणाः अध्यक्ष महोदय, जिन किसानो के प ा मर जाते है या फिर चोरी हो जाते है क्या उनकी मदद करने को कोई प्रस्ताव सरकार का है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप अपनी ि ाकायत डी सी को लिखवाकर भिजवा दें?

श्री सोमवीर सिहः अध्यक्ष महोदय, मेरी कांस्टीच्यूएंसी के कई गावों मे प ा हस्पताल बने हुए थे और वहां वी एल डी ए बैठते थे लेकिन अब 3 सालो से कई अस्पतालो की बिल्डिंग्ज खाली पडी है, उनमे प ा अस्पताल की तरफ कोई कर्मचारी नही बैठता, क्या मंत्री जी उन अस्पतालो में कोई वी एल डी ए या वैटरनरी डाक्टर अप्वायंट करने की कृपा करेंगे।

सरदार एच एस चटठाः अध्यक्ष महोदय, इनकी यह बात वाजिब है कि काफी अस्पतालो मे वैटरनी डाक्टर्ज नही है। पीछे हमने इन डाक्टर्ज की भर्ती की थी लेकिन वे सारे लग चुके है और अब हम 200 वैटरनरी डाक्टर्ज और वी एल डी ए जल्दी ही भर्ती करने वाले है। कोई भी प ा अस्पताल ऐसा नही होगा जहां वैटरनरी डाक्टर न हो।

श्री तेजेन्द्र पाल मानः अध्यक्ष महोदय, कैथल ब्रीडींग मे मुर्रा ब्रीड के लिए हरियाणा मे कई जिले सिलैक्ट हुए है, कैथल भी उन जिलो मे से एक है, उन जिलो के लिए कई प्रकार के कंसै ान भी दिए हुए है लेकिन चिकित्सा सर्विस जिसका आपने जिक किया कि हर गांव मे एक वर्कर रखेंगे तो अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या हर गांव मे एक छोटी सी डिस्पैंसरी खोलने का कोई प्रावधान करने का सरकार का विचार है क्यांकि इसकी जरुरत भी है?

सरदार एच एस चट्ठाः अध्यक्ष महोदय, आप इस डिपार्टमै।ट के पी एच डी है। हम हरियाणा मे इनसैमीने ान डिवैल्पमैंट स्कीम लाए है, कोई ऐनीमल जो तीन साल का हो वह कंसीव नही करता अगर कंसीव करता है तो गिर जाता है उसके ईलाज करने के लिए हमने हरियाणा के सारे गावों को कवर करने का प्रोग्राम बनाया है। मुर्रा नस्ल को इम्प्रूव करने के लिए हमने कुछ जिले सिलैक्ट किए है यह ठीक है, इसका मतलब यह नही कि हमने दूसरे जिलो को रिजैक्ट किया है, दूसरे जिलो को भी इसी तरह इमदार मिलती रहेगी, उसी तरह अच्छी दवाईयां मिलती रहेगी। हरियाण हिन्दुस्तान मे सबसे पहली स्टेट है जहां मुंहखुर की बीमारी बिल्कुल खत्म हो गई है।

Class I and II Officers on deputation to Boards/ Corporations

***880. Sh Karan Siungh Dalal:** Will the Chief Minister will be pleased to state-

(a) the number of Class I and II Haryana Government Officers presently working on deputation in various Boards and Corporations:

(b) the number of those in (a) above who have overstayed their normal deputation period of three years;

(c) the number of those in (b) above who are staying on deputation without equivalent or higher sanctioned posts; and

(d) the number of those deputations in (a) above who have gone back to the same or other board;/corporation without spending the minimum required colling period in their parent department?

Power Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Sir, the information is as under:-

(a) Class I 49 and Class II 36'

(b) Class I 2 and Class-II 6;

(c) Class-I 2 and Class-II 2

(d) Nil

श्री कर्ण सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने (a) के जवाब मे कहा है कि श्रेणी–1 के 49 ओर श्रेणी–2 के 36 अधिकारी विभिन्न बोर्ड और निगमो में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत है। क्या मंत्री जी कृप्या बतायेंगे कि श्रेणी–1 और श्रेणी–2 के

अधिकारी जिन बोर्ड और निगमो मे तीन वर्श की अवधि से अधिक ठहरे हुए है उन बोर्ड और निगमो का क्या नाम है?

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आपका यह सवाल पूछने के पीछे क्या मं ाा है?

श्री कर्ण सिह दलालः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा मे बहुत से बोर्ड और निगम है। मै यह जानना चाहता हूं कि जो अधिकारी विभिन्न बोर्ड और निगमो मे डैपुटे ान पर गये हुए है वे एच एस आई आई डी सी और हुडडा जैसे महत्वपूर्ण बोर्ड ओर निगमो मे गये हुए है या दूसरी जगह गये हुए है? अध्यक्ष महोदय, बोर्ड और निगम ओटो नोमस बोडी बनाई गई हे जिनमे सरकार का बहुत कम दखल होना चाहिए। इसलिए मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इतनी बडी संख्या मे जो हमारे अधिकारी विभिन्न बोर्ड और निगमो मे बैठे हुए है, उन बोर्ड और निगमो का क्या नाम है?

श्री रणदीप सिह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, दलाल साहब के प्र न के हिस्से का जवाब है श्रेणी–प1 के 49 और श्रेणी–2 के 36 अधिकारी विभिन्न बोर्ड और निगमो में डैपुटे ान पर गये हुए है। क्योंकि इनके प्र न के इंटैंट से नही मालूम था कि ये बोर्ड और निगममो का नाम भी जानना चाहेगें इण्लिए अभी मुझे बोर्ड और निगमो का नाम मालूम नही है। मै मेरे माननीय साथी को बाद मे लिखकर बोर्ड और निगमो के नाम भिजवा दूंगा। इसके अतिरिक्त जो कर्मचारी ओवर स्टे कर गये है उनका जवाब

'ख' पार्ट मे दिया हुआ है। उन बोर्ड कारपोरे ानज का नाम मै बताना चाहूंगा कि ये कर्मचारी हरियाणा पावर जनरे ान कारपोरे ान, हरियाणा स्टेट एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड, कुरुक्षेत्र डिवैल्पमैंट बोर्ड, हरियाणा पुलिस हाउसिंग कारपोरे ान और हरियाणा रुरल डिवैल्पमैंट फण्ड एडमिनिस्ट्रे ान बोर्ड के अंदर कार्यरत है।

श्री अमीर चंद मक्कडः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इनके पास लिस्ट होगी कि कौन कौन से अधिकारी कौन कौन से बोर्ड और कारपोरे ांज मे ओवर स्टे पर रुके हुए है। क्या उनको वहां से बदलने के लिए सरकार कोई प्रयास करेगी?

Mr Speaker: Makkar Ji, it is not possible to give reply. You may ask your separate question in this regard and Hon'ble Minister will give reply.

श्री कर्ण सिह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरी सप्लीमैंट्री यह है कि आज तमाम दुनिया के सभी दे ा आपस मे एक दूसरे के ज्ञान से नये नये अविश्कारो से जुडे हुए है। क्या माननीय मंत्री जी इस बारे मे सदन को आ वस्त करेंगे कि हमारे जितने भी बोर्ड और निगम है उनके अंदर जो स्पे ालिस्ट अधिकारी है, जो बोर्ड एवं निगमो को बहुत अच्छे तरीके से चला सके उनकी नियुक्ति की जाये ताकि बोर्ड और निगम तरक्की कर सके। क्या इस बारे मे मेंत्री जी सदन का आ वस्त करेंगे?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, यह पृथक प्र न है परंतु यह नीति का प्र न है इसलिए मै जवाब देना चाहूंगा कि चौधरी भुपेन्द्र सिह हुडडा जी के नेतृत्व मे हमारी सरकार की स्पश्ट नीति रही है कि जो अधिकारी सबसे काबिल और योग्य है वे अधिकारी किसी भी बोर्ड और निगम में कार्य कर सकते है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने विभिन्न विभागो में कई दूरगामी निर्णय लिये है। मेरे माननीय साथी यदि किसी स्पेसिफिक केस के बारे मे या स्पेसिफिक बोर्ड या निगम के बारे मे जानना चाहते है तो उस बारे मे हमे लिखकर भितवा दे, हम उसका जवाब लिखकर दे देंगे।

Construction of By-Pass of Dadri City

***927. Shri Nirpender Singh Sangwan:** Will the P.W.D (B&R) Minister be pleased to state the time by which the construction work on by-pass of Dadri City is likely to be started together with the time by which the said by-pass is likely to be completed?

Irrigation Minister (Capt. Ajay Singh Yadav): Land acquisition process has been initiated for Dadri by pass. Work shall be taken up after land is acquired.

मेजर नृपेन्द्र सिह सांगवानः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी की जानकारी मे लाना चाहूंगा कि दादरी के अंदर ढाणी मोड पर जो रेलवे ओवर ब्रिज बन रहा है उसकी वजह से दिल्ली रोड पर ट्रफिक बंद हो जाता है और

दूसरा रोड दादरी भाहर के बीच में से है। उस रोड पर हर रोज तकरीबन 1100–1200 डम्पर खेडी बुरा, अटेला और माणकावास की पहाडियो से कंक्रीट लेकर दिल्ली की तरफ जाते है। दादरी भाहर के अन्दर से अगर ये सारे का सारा ट्रैफिक निकालेंगे तो ट्रैफिक जाम, एक्सीडैंटस और पाल्यू ान जैसी अनेक गंभीर समस्यायें पैदा हो जायेंगी। इसलिए मै मंत्री महोदय से यह अनुरोध करना चाहूंगा कि जब तक यह बाई पास नही बनता है तब तक सारे का सार ट्रफिक दादरी भाहर के बीच मे से न निकाला जाये। यह बहुत जरुरी बात है।

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, दादरी भाहर के बाई पास के बारे में मै बताना चाहूंगा कि बाई पास के बारे मे जो रिपोर्ट थी वह आ चुकी है। टोटल 15.27 करोड रुपये की लागत से यह आर ओ बी बनेगा। इसका सैक ान 4 सरकार ने कर दिया है। इसमे लैंड एक्वीजी ान की कॉस्ट 6.38 करोड रुपये होगी और इसके कंस्ट्रक ान पर तकरीबन 8.79 करोड रुपये की लागत आयेगी। एल ए डी बी 4.50 करोड हमने इसकी दे दी है और बाकी के लिए नाबार्ड को भेज रखा है। जहां तक माननीय सदस्य द्वारा बताई गई ट्रैफिक जाम और दूसरी समस्याओ का संबंध है तो इसके लिए हम साईड में काफी स्पेस रखेंगे। कई अन्य जगहो पर भी इस तरह स्पेस हमने रखा है। अगर उससे बात नही बनी तो जहां जहां से ट्रैफिक निकल सकता होगा उसको

देखते हुए हम इसके लिए आलटरनेटिव रुट भी बनाकर देंगे जिससे वहां पर इस प्रकार की केाई प्रोब्लम नही होगी।

श्री बलवंत सिंह सढौराः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्र?ी जी से जानना चाहूंगा कि सारे हिमाचल प्रदे ा, चण्डीगढ, पंजाब, उतर प्रदे ा और उतराखंड का सारा ट्रैफिक यमुनानगर के बीच मे से होकर निकलता है जिससे वहां पर हर रोज घंटो जाम लगा रहता है तो क्या यमुनानगर मे उत्तर प्रदे ा की तरफ जाने के लिए सरकार के पास काई बाई पास बनाना विचाराधीन है?

केप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि इसके लिए ये मुझे अलग से नोटिस दें, फिर हम इसकी फिजीबिल्टी को कम्पलीटली एग्जामिन करवा लेंगे। मेरे विचार से यह बात इनकी सही है कि वहां पर ट्रैफिक बहुत ज्यादा है और जगह बहुत कम है। इस काम के लिए हम एक कंसलटैंट भी हॉयर कर देंगे और अगर फिजीबिल्टी बनेगी तो हम वहां पर बाई पास जरुर बनायेंगे।

Opening of an I.T.I in Pataudi Constituency

***863. Shri Bhupinder Chaudhary:** Wil the Industrial Training and Vocational Education Minsiter be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open an Industrail Training Institute in Pataudi constituency.

Urban Development Minister (Sh A. C. Chaudhary): Yes, Sir it is proposed to convert the Vocational Education Institute at Mojabad into an ITI with effect grom the next academic session.

श्री भुपेन्द्र चौधरीः अध्यक्ष महोदय, मुझे मंत्री जी का जवाब सुनकर बहुत आ चर्य हुआ क्योंकि 14 मई, 2006 का माननीय मुख्यमंत्री जी ने अनाउंस किया था कि हम पटौदी के अंदर आई टी आई खोल रहे है। यह मामला विचाराधीन है और इसके लिए जमीनो का सर्वे भी हो चुका है। मौजाबाद का तो सैपरेट इ यू है। यहां पर आई टी आई खोलने की बात मैने पूछी है। मै यह जानना चाहता हूं कि जब माननीय मुख्यमंत्री जी ने 2006 में अनाउंसमैंट की थी जिसको 2 साल हो चुके है तो यह काम कब तक पूरा हो जायेगा?

श्री ए सी चौधरीः स्पीकर सर, चूंकि सवाल अंग्रेजी मे पूछा गया था इसलिए मैने जवाब भी अंग्रेजी मे ही दिया है। अब मै आनरेबल मैम्बर को यह बताना चाहता हूं कि इन्होने पूछा है कि पटौदी मे आई टी आई खौली जाएगी या नही तो मैने इनको बताया है कि हम वोके ानल इंस्टीच्यूट को ही आई टी आई मे कन्वर्ट कर रहे है। जहां तक पटौदी मे माननीय मुख्यमंत्री द्वारा दी गई अनाउंसमैंट का संबंध है तो इस बारे मे इनको बताना चाहूंगा कि अभी तक हमारे पास उसके लिए जमीन का कोई प्रस्ताव नही आया है। ऐसे केसिज मे हमारे द्वारा कुछ नार्म्ज फिक्स किए गए है

और जब तक वे पूरे नही होते तब तक हम कोई आई टी आई खोलने का प्रस्ताव नही कर सकते।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, अनाउंसमैंट के बाद निर्धारित नार्म्ज को पूरा करवाना होता है इसलिए आप निर्धारित नार्म्ज को पूरा करवाईये। मंत्री जी ने आपको आ वासन दे दिया है आपकी आई टी आई बन जायेगी।

Sarva Shiksha Abhiyan

***904. Sh. Shahida Khan:** Will the Education minister be pleased to state the percentage of the amount spent under the Sarva Shiksha Abhiyan in the district Mewat out of the total amount allocated for the state?

Education Minister (Shri Mange Ram Gupta): Sir, in 2006-07, 5-37% and In 2007-08 upto (31.01.2008) 4-01%.

श्री भााहिदा खानः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जो सर्व ि ाक्षा अभियान है इसमे मेवात के अंदर बहुत बडा घपला हुआ है और इस केस में कई महीने तक लोग जेल मे भी रहे है। बाद मे इस केस मे ंहेरफेर करके इस केस को बिगाउ दिया गया क्योंकि जब अधिकारी लोग आपराधियो से हमदर्दी रखेंगे तो केस तो बिगडेगा ही। इसके अलावा मेवात को जिला बने लगभग 4 साल हो गये है लेकिन आज तक वहां पर कोई भी सीनियर सैकेण्डरी स्कूल नही

बनाया गया है जबकि सरकार मेवात के बाहर बडे बडे होंर्डिग्स लगा रही है कि हम ि ाक्षा के उपर ध्यान दे रहे है।

श्री अध्यक्षः ठीक है भााहिदा जी, आप इस बारे में लिखकर मंत्री जी को भिजवा दें आपको जवाब दे दिया जायेगा। Hon'ble Members, now the questin hour is over.

नियम 45(1) के अंधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नो के लिखित उत्तर

Facility of Community Toilets in Bhiwani

***889. Dr. Shiv Shankar Bhardwaj:** Will the Urban Local Bodies Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to provide community toilets in following localities of Bhiwani-

1. Singi Kat Basti;

2. Bawri-Gate;

3. Hanuman-Gate'

4. Balmiki Basti;

5. Kameti Mohalla

6. Jain Chowk

7. Khadi Mohalla

8. Durga Colony and

9 Brijawasi Colony?

भाहरी विकास मंत्री (श्री ए सी चौधरी): नही श्रीमान् जी।

Consolidation in Lohari Sub-Division

***920. Shri Somvir Singh:** Will the Minister of Stte for Revenue and Disaster Management and Consolidation be pleased to state-

(a) the number of such villages in Lohari Sub-Division where the consolidation has not been done so far and whether it is alos a fact that jamabandi of village Kharkhari have also not prepared; and

(b) the time by which the said work of consolidation as referred in Part(a) above will be completed?

राजस्व राज्य मंत्री (श्रीमती सावित्री जिन्दल):

(क) श्रीमान जी, सात (7) गांव नामतः गोकलपुरा, मण्डौली कलां, खरकडी अलाउदीनपुर, पहाडी, सिंधानी व चहडकलां की चकबंदी अभी तक नही हुई है। यह भी ठीक है कि गांव खरकडी की जामबंदी अभी तक तैयार नही की गइ।

(ख) लगभग 3 वर्श में, ब ार्ते इन गावों के हकदारान सहयोग दें

Female Foeticide

***894. Sh Sher Singh:** Will the Health Minister be pleased to state whether it is a fact that steps taken by the

Government to curb female foeticide have not yielded the desired results; if so, the reasons thereof?

स्वास्थय कंत्री (बहिन करतार देवी): नही श्रीमान् जी। लिंग अनुपात मे सुधार हुआ है। 2001 की जनगणना के अनुसार जन्म लिंग अनुपात 819 था। इस घटते लिंग अनुपात को रोकने के लिए जो कदम उठाए गए उनके फलस्वरुप लिंग अनुपात सिविल रजिस्ट्रे ान सिस्टम अनुसार बढकर वर्श 2006 मे 857 हो गया तथा सिविल रजिस्ट्रे ान सिस्टम अनुसार वर्श 2007 के अन्त तक यह अनुपात बढकर 860 हो गया है।

Contribution of Government on India under the B.P.I Scheme

***898 Shri Tejendr Pal Singh Mann:** Will the Deputy Chief Minister be pleased to state the percentage wise details of amount contributed by the Government of India and Haryana Government under the BPL scheme during the period from 1.04.2006 to 31.03.2007 and 01.04.2007 to 31.12.2007 seperately?

उप मुख्यमंत्री (श्री चन्द्र मोहन): श्रीमान जी, विवरण सदन के पटल पर रखा है।

विवरण

बी पी एल योजना के अन्तर्गत भारत सरकार का अं ादान

1.4.2006 से 31.3.2007 तथा 1.4.2007 से 31.12.2007 तक की पृथक पृथक अवधि के दौरान बी पी एल योजना के अन्तर्गत भारत सरकार तथा हरियाणा सरकार द्वारा अं ादान की गई रा ि ा का प्रति ातवार ब्यौरा निम्न प्रकार से है:–

अवधि	वस्तु	भारत सरकार का अं ादान (करोड रु) तथा प्रति ात	हरियाणा सरकार का अं ादा (करोड रु) तथा प्रति ात
1.4.2006 से 31.03.2007	गेहूं तथा चावल	263.26 (98.1 प्रति ात)	5.23 (1.9 प्रति ात)
1.4.2007 से 31.12.2007	गेहूं तथा चावल	250.00 (98.3 प्रति ात)	4.38 (1.7 प्रति ात)
1.4.2006 से 31.3.2007	मिटटी का तेल	*374.2 (100 प्रति ात)	भून्य
1.4.2007 से 31.12.	मिटटी का तेल	*280.6	भून्य

2007		(100 प्रति ात)	

*लगभग

Construction of Bus Stand at Village Badli

***901. Sh. Naresh Sharma:** Will the Transport Minister be pleased to state whether it is a fact that the Gram Panchayat of Village Badli, district Jhajjar has transfrerred land to the Haryana Roadways for construction of Bus Stans; if so, the details of steps taken by the Transport Department for the construction of Bus-Stand there?

ि ाक्षा मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): जी हां, महोदय। दिनांक 22.2.1989 को 20 कनाल 4 मरला भूमि परिवहन विभाग के नाम स्थानान्तरित की गई थी, लेकिन अभी तक भूमि का वास्तविक मौका पर कब्जा परिवहन विभाग को नही सौंपा गया है। प्रस्तावित भूमि खाली नही है और इस पर कई पक्की दुकाने तथा मकान बने हुए है। परिवहन विभाग को दी गई भूमि पर से ढांचे हटाने के बारे मे जिला प्र ाासन के साथ मामला उठाया हुआ है। खाली भूमि का कब्जा प्राप्तज होने के बाद बस स्टैंड का निर्माण किया जाएगा।

Construction of Bus Stand at Karnal

***909. Smt. Sumita Singh:** Will the Transport Minister be pleased to state:-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a Bus stand

with all the modern facilities including market etc. at Karnal; and

(b) if so, the time by which it is likely to be completed?

ि ाक्षा मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता):

(क) जी हां, महोदया

(ख) प्रस्तावित करनाल बस स्टैंड का निर्माण सभी आधुनिक सुविधाएं सहित सार्वजनिक तथा निजी सहभागिता (बी ओ टी) के माध्यम से निर्माण किया जाना है। इसके लिए प्रोजैक्ट रिपोर्ट तैयार करने का कार्य सलाहकार फर्म को सौंप दिया है। जैसे ही प्रोजैक्ट रिपोर्ट तथा प्रस्तावित दस्तावेज तैयार हो जायेंगे तो बस स्टैंड हेतु निविदाएं मांग ली जायेंगी।

To Set-up Big Industry in Ateli Constituency

***929 Sh. Naresh Yadav:** Will the Industries Minister be pleasd to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up a big industry in the industrially backward area of Ateli constituency; if so, the details of the steps being taken by the Government in this regard; and

(b) whether the status of industrial area is being given to the Kanti Kheri area adjacent to Neemarana (Rajasthan) near Ateli?

उद्योग मंत्री (श्री लछमन दास अरोडा):

(क) नही श्रीमान्, अटेली निर्वाचन क्षेत्र के औद्योगिक रुप से पिछडे क्षेत्र मे बडा उद्योग स्थापित करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नही है।

(ख) नही, श्रीमान्।

Construction of Bhakra Hansi Butana Canal

***819. Dr. Sushil Indora:** Will the Irrigation Minister be pleased toi state

(a) whether the construction work of Bhakra Hansi Butana Canal has been completed;

(b) if not, the present position thereof;

(c) whether there is any inter state dispute in it; and

(d) whether the rules and regulations have been followed to link the Bhakra main canal and the permission has been obtained from the concerned Department or the Ministery?

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिह यादव):

(क) श्रीमान् जी, हांसी बुटाना ब्रांच बहु–उद्दे ीय सम्पर्क चैनल का अधिकां ा कार्य पूरा हो चुका है।

(ख) 99 प्रति ात से अधिक कार्य पूरा किया जा चुका हे।

(ग) जी हां श्रीमान जी, पंजाब एंव राजस्थान सरकारो ने भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय मे 2007 की याचिका कमांक 1 तथा याचिका कमांक 3 दायर की है।

(घ) जी हां श्रीमान जी, इस परियोजना के लिए नियम तथा विनियमो को पालन किया गया है।

Power generated by Yamuna Nagar Thermal Power plant

***803. Dr Sita Ram:** Will the Power Minsiter be pleased to state the total quantum of power generated daily after the inauguration of Yamuna Nagar Thermal Power Plant during the period from 1st November, 2007 to December, 2007 together with the quantum of electricity demand of the State met out by the said power plant?

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिह सुरजेवाला): श्रीमान, दीनबंधू छोटूराम ताप विद्युत परियोजना, यमुनानगर की 300 मैगावाट की पहली ईकाई ने दिनांक 13.11.2007 को समकमण होने के बाद, नवम्बर तथा दिसम्बर 2007 के दौरान 73092 युनिट बिजली का उत्पादन किया है। 28.02.2008 तक इस इकाई ने राज्य की मांग को पूरा करने हेतु 815.96 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन किया हे।

Construction of New Subzi Mandi of Narnaul

***815. Sh Radhey Shyam Sharma:** Will the Agriculture Minister be pleased to state the time by which the work is likely to be started on new sabzi mandi of Narnaul?

कृशि मंत्री (सरदार एच एस चटठा): हां, श्रीमान जी, निर्माण कार्य दिनांक 14.04.2008 तक भुरु किये जाने की सम्भावना है।

Water Logging Land of the State

***828. Shri Ranbir Singh Mahendra:** Will the Agriculture Minsiter be pleased to state-

(a) whether any survey has been conducted by the State Government in respect of water logging land of the State; if so, the district wise and village wise details thereof and

(b) whether any steps have been taken by the Central Ground Water Board in Haryana in this regard, if so, the initiative by the Government in this regard?

कृशि मंत्री (सरदार एच एस चटठा):

(क) हां, श्रीमान जी, इस संबंध मे विस्तृत सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

(ख) हां श्रीमान जी, इस संबंध मे सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

(अ) हां श्रीमान जी, कृशि विभाग की भू–जल कोश भााखा द्वारा नियमित रुप से प्रति वर्श माह जून (वर्शा ऋतु पूर्व) एवं माह अक्तूबर (वर्शा ऋतु के बाद) राज्य मे चुने हुए 2105 ग्रिड बिंदुओ (कुंए, पिज्योमैट्रिक टयूब आदि) से जलस्तर मापा जाता है। अक्तूबर 2007 मे लिये गये अंतिम आंकडो के अनुसार 0–1.5 मीटर जलस्तर के तहत 111030 हैक्टेयर जिसमे 163 गावं आते है और 1.5–3.0 मीटर जलस्तर के तहत 333144 हैक्टेयर मे 427 गांव आते है।

(ब) श्रीमान जी, केन्द्रीय भू–जल बोर्ड चण्डीगढ द्वारा राज्य के जिला गुउगांव, झज्जर एंव हिसार की हांसी तहसील मे सेमग्रस्त क्षेत्रो मे अध्यक्ष महोदय,यन किया गयाहै तथा उनकी विस्तृत रिपोर्ट सिफारि ाो के साथ जारी की गई है।

राज्य सरकार द्वारा वर्श 1997–98 मे नीदरलैंड सरकार की तकनीकी व वित्तीय सहायता से लवणीय एंव सेमग्रस्त भूमि को सुधारने के लिए एक परियोजना लागू की गई है तथा सोनीपत एवं कैथल जिलो में 2406 हैक्टेयर भूमि का सुधार किया जा चुका है। कृशि विभाग ने वर्श 2003–04 से भारत सरकार तथा राज्य सरकार की 70:30 हिस्सपूंजी के आधार पर लवणीय एवं सेमग्रस्त भूमि के सुधार के लिए एक योजना कियन्वित की जा रही है तथा अभी तक इस योजना के अन्तर्गत भिवानी, झज्जर, सिरसा व सोनीपत जिलो के 1742 हैक्टेयर क्षेत्र का सुधार किया जा चुका है।

Allotment of Residentail Plots to Scheduled Caste Families

***833 Sh. Shamsher Singh Surjewala:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether Haryana Government had announced the grant of residential plots measuring 100 yards to each of the landless S.C families residing in rurual areas;

(b) if so, the time by which the beneficiaries are likely to be given the residential plots;

(c) whether there is any proposal under consideration of the Government to arrange finance for the construction of houses on such plots; and

(d) whether the Government intends to develop the land where the plots will be given?

मुख्यमंत्री (श्री भुपेन्द्र सिह हुडडा): श्रीमान् जी,

(क) पात्र अनुसूचित जाति के परिवारो को 100 वर्ग गज के रिहाय ाी प्लाट निः ाुल्क दिए जाने का निर्णय लिया गया है।

(ख) किया प्रारम्भ की जा चुकी है। दिनांक 31.3.2008 तक आवेदन पत्र आमंत्रित करने तथा उपयुक्त भूमि की पहचान करने के लिए दि ाानिर्दे ा जारी किए जा चुके है। प्लाट आबंटन की समय सारणी पात्र लाभार्थियो की संख्या तथा उपयुक्त भूमि की उपलब्धता पर निर्भर करेगी।

(ग) नही श्रीमान जी, हालांकि, अलाटी अधिसूतिच बैंक या राज्य सरकार की अन्य स्कीमो के अधीन पात्रता के अनुसार वित्त व्यवस्था कर सकता है।

(घ) यथासमय गलियां, पेयजल, बिजली इत्यादि की मूलभूत सूविधांए प्रदान किया जाना प्रस्तावित है।

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

Godowns Hired on Rent

110. Shri Karan Singh Dalal: Will the Deputy Chief Ministerr be pleased to state-

(a) the yearwise number of godowns hired on rent by the Food & Supplies Department in the State during the year 2000-2001 till date.

(b) whether prior permission from the competent authority was obtained for hiring the godowns as referred to in (a) above; and

(c) if so, the details of such godowan with the names of officers who hired these godowns without prior permission/approval of the competent authority alongwith the action taken against them?

उप मुख्यमंत्री (श्री चन्द्र मोहन): श्रीमान् जी,

(क) खाद्य एवं पूर्ति विभाग द्वारा किराए पर लिये गये गोदामो का वर्शवार ब्यौरा निम्न प्रकार से है:—

वर्श	किराए पर लिये गये गोदामो की संख्या
2000–01	70
2001–02	113
2002–03	121
2003–04	114
2004–05	68
2005–06	43
2006–07	33
2007–08	28

(ख) गोदाम को किराये पर लेने व संबंधित पार्टी के साथ इकरारनामा करने के लिये जिला खाद्य एवं पूर्ती नियंत्रक स्वयं सक्षम प्राधिकारी है। जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक पी आर मन्यूअल भाग–3 के नियम 6(ए) अनुसार गोदामो के चयन तथा उनको किराए पर लेने के लिए भी सक्षम है।

यद्यपि किराए की अदायगी निदे ाक खाद्य एवं पूर्ति, हरियाणा के पूर्व स्वीकृति से वित्त विभाग द्वारा स्वीकृत/ नियत की गई दरो के आधार पर प्रदान की जाती है। पंजाव वित्ती

नियमावली वाल्यूम–1 के नियम 19.6 क्रम संख्या 8 अनुसार जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक 1000/– रुपये तक तथा निदे ाक, खाद्य एवं पूर्ति, हरियाणा 1000/– रुपये से अधिक के किराए की आदयगी करने के लिए सक्षम है। इसलिए जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक द्वारा किराए पर गोदाम लेने के लिए पूर्व अनुमति की आव यकता नही है। परंतु गोदामो की किराए की अदायगी सक्षम अधिकारी यानि निदे ाक, खाद्य एवं पूर्ति, हरियाण की पूर्व अनुमति लेने के उपरांत की जाती है। यहां यह भी उल्लेख किया जाता है कि मण्डी से भारतीय खाद्य निगम को स्टाक का सीधा प्रेशण किया जाता है, जो स्टाक प्रेशणा के बाद भोश रह जाता है, को खाद्य एवं पूर्ति विभाग द्वारा जन संस्थाओ के साथ साथ नीजि संस्थाओ से किराए पर लिये गये गोदाम/पलिन्थो पर भण्डारण किया जाता है। जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक अपने अपने जिले मे निरीक्षक अमले के साथ तालमेल करके मण्डी के समीप स्थानीय आव यकताओ को ध्यान मे रखते हुए गोदाम किराए पर लेते है। इसके उपरांज जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक संबंधित पार्टी के साथ निर्धारित पी आर 53/96 मे इकरारनामा करते है।

(ग) जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक द्वारा गोदाम किराए पर लेने के लिए पूर्व अनुमति लेने की कोई आव यकता नही है, इसलिए किसी के विरुद्ध कार्यवाही करने का प्र न ही नही उठता।

अनुपस्थिती की अनुमति

(i)

Mr Speaker: Hon'ble Member, I have received Leave of Absence dated 11th March, 2008 from Shri Birender Singh, Finance Minister which reads as under:-

Speaker Sir,

"Due to unavoidable circumstances it would not be possible for me to attend Session on 12th March, 2008. I may please be granted leave of absence from the House."

Question is-

That permission for leave of absence to Shri Birender Singh, Finance Minister to remain absent from the sitting of the House on 12th March, 2008 be granted.

The motion was carried.

(ii)

Mr Speaker: Hon'ble Member, I have received Leave of Absence dated 11th March, 2008 from Shri Subhash Choudhary, M.l.A which reads as under:-

Respected Speaker Sir,

" I am sorry to say that i may not attend the Haryana Vidhan Sabha Session on 12-3-2008 due to personal appearance in Civil Court, Jagadhari on 12-3-2008. Therefore, I request you to grant me leave for 12-3-2008.

Thanks."

Question is

That permission for leave of absence to Shri Subhash Choudhary M.L.A to remain absent from the sitting of the House on 12th March, 2008 be granted.

The motion was carried.

अनुपस्थिती संबंधी सूचना

Mr Speaker: Hon'ble Members, I am to inform the House that I have received a letter from Sh. Paramvir Singh, Parliamentary Secretary dated 11th March, 2008, vide which he has expressed his inability to attend the sittings of the House due to his ill-health. He has also stated that he will attend the Session of Haryana Vidhan Sabha as soon as he recovers from his illness.

सदन के निर्णय को रद्द करना

Dr. Sushil Indora: Mr. Speaker Sir, before starting the discussion on the Governor's Address, I want to say something. अध्यक्ष महोदय, पिछले 2 दिनो से हमारे जो इंडियन ने ानल लोकदल के सम्मानित सदस्यगण है उनको सदन से निकाला जाता है। हमारे एक माननीय सदस्य श्री रामफल चिडाना को सदन की बाकी अवधि के लिए निकाला गया है यह ठीक नही है।

श्री अध्यक्षः इन्दौरा जी, यह बात तो श्री कर्ण सिह दलाल जी के सुझाव पर जो मीटिंग हुई है उसमे डिस्क ान हो चुकी है।

डा0 सु ील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, एक अनाव यक प्रस्ताव हमारे खिलाफ लाया गया है। हमारे उपर लांछन लगाया गया है कि हम हाउस की कार्यवाही को डिस्टर्ब करते है जबकि हकीकत यह है कि सरकार की तरफ से ऐसे प्रोवोके ान्ज किये जाते है। सरकार एक सोची समझी साजि ा के तहत ऐसा करती है कि यहां का माहौल बिगडे और हम हरियाणा प्रदे ा के लोगों की सच्ची बात को हरियाणा विधान सभा मे न रख सके। (ाोर एवं व्यवधान)

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, ये बहुत वरिश्ठ सदस्य है और यह कहना कि सदन किसी वि ोश दल के खिलाफ साजि ा कर रहा है, यह अनुचित होगा। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सु ील इन्दौराः अध्यक्ष महोदय, यह हमारा हक है कि हम अपनी बात को सदन मे कह सके। हमारे साथी को सदन मे वापिस बुलाया जाये ओर सरकार इस पर खेद प्रकट करें (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः ऐसा है आपने जो प्रस्ताव की बात की है the resolution was adopted by the house unanimously. The

Members of different parties were sitting in the House. It was adopted unanimously, रही बात unanimously resolution को वापिस लेने की तो ऐसा कोई प्रोविजन नही है। दूसरी बात आपने श्री रामफल चिडाना को पूरे हाउस के लिए निकालने की बात कही है तो उसके बारे मे संसदीय कार्य मंत्री जी जवाब देंगे।

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, दो दिन पहले दस सदन के अंदर एक ऐसा वाक्या हुआ जिस पर मुंझे लगता है कि हर सदस्य को, श्री औम प्रका ा चौटाला जी को भी, एन सी पी के सदस्य को भी, बी एस पी के सदस्य को भी, बी जे पी के सदस्यो को भी, कांग्रेस के सदस्यो को भी और निर्दलिय सदस्यो को भी खेद है। वह दिन इस सदन के लिए भी एक खेद का दिन था। अध्यक्ष महोदय, श्री औम प्रका ा चौटाला जी से हमारे वैचारिक मतभेद है। हमारे वैचारिक मतभेद बी जे पी के साथियो से भी है, बी एस पी के साथियो से भी है, एन सी पी के साथियो से भी हो सकते है। हमारे नीतिगत मतभेद भी हो सकते है। स्पीकर सर, सत्ता पक्ष का विपक्ष की सारी बात से और विपक्ष का सत्ता पक्ष की सारी बात से सहमत होना जरुरी नही है, यही प्रजातंत्र की खुबसूरती भी है। इस खुबसुरती में sometimes we also agree and sometimes we disagree, Sir. इसलिए विपक्ष को अपनी बात कहने का अधिकार है और सत्ता पक्ष को अपनी बात कहने का अधिकार है। मुख्तालिफ दलो को अपनी बात कहने का अधिकार है परंतु यह अधिकार किसी भी सदस्य को नही है कि वह दूसरे सदस्यो पर हाथ उठाए

या उनके साथी गाली गलौच की भाशा का इस्तेमाल करें अध्यक्ष महोदय, इसी विशय पर माननीय सदस्य इन्दौरा साहब ने एक बात उठाई है। वे अपनी पार्टी के डिप्टी लीडर भी है। और अगर वे अपनी पार्टी मे उनकी बात को आगे ले जाते है तो मै इस सदन के सामने इतना जरुर कहना चाहूंगा कि जो हुआ it is highly comndemable Sir. यह बहुत ही निन्दनीय है उसको देखते हुए बगैर आरोप–प्रत्यारोप के माननीय विपक्ष के साथी खेद प्रकट करें और इस सार`इंसिडैंट को कण्डैम करे तो मुझे लगता है कि let by gone be by gone Sir. और हम लोग एक नई प्रणाली की, एक नई मर्यादा की, एक नई परम्परा की भुरुआत करें अध्यक्ष महोदय, मै आपसे अनुरोध करुंगा कि अगर वे खेद प्रकट करे तो हम एक नई भुरुआत करें अगर ये खेद प्रकट करते है तो हाउस की कार्यवाही मे भाग लेने के लिए उनको वापिस बुला लिया जाए।

श्री कर्ण सिह दलालः अध्यक्ष महोदय, सारा सदन इस बात के लिए आपकी तारीफ कर रहा है। पिछले दिन जो कुछ हुआ है उन सब बातो को दरकिनार करके आपने फाखदिली दिखाई। जब सभी माननीय सदस्यो ने आपसे अनुरोध किया तो आपने आज सवेरे अपने चैम्बर मे सभी दलो के माननीय विद्यायको को बुलाया। माननीय मंत्री जी भी वहां पर थे। आदरणीय इंदौरा साहब की मौजुदगी मे वहां पर जो बात हुई वहां पर भी आपने फाखदिली दिखाई और यहां तक भी कहा कि जैसे ये लोग चाहते हम वैसे ही सदन को चलाने को तैयार है। मीटिंग के अंदर

मुख्तलिफ तोर पर जो बात हुई थी इन्दौरा साहब वहां पर खुद मौजूदा थे। जो बात यहां पर आई है यह बैठक मे नही हुई थी। इस बैठक मे तीन बाते तय हुई थी। पहली बात यह थी कि माननीय स्पीकर साहब के प्रति कोई भी सदस्य अप ाब्द नही कहेगा और किसी तरह की टीका टिप्पणी नही करेगा। नम्बर दो, क्वै चन आवर का समय बहुत ही महत्वपूर्ण होता है जिससे प्रदे ा के लोग यह जानना चाहते है कि सरकार उनके लिए क्या करने जा रही है। माननीय किसी विधायक को अगर किसी विभाग की कारगुजारी से कोई तकलीफ है तो वह भी प्र नकाल के अंदर ही उस विभाग से कोई जानकारी प्राप्त कर सकता है। इसके साथ ही यह तय हुआ था कि प्र नकाल के दौरान किसी भी माननीय सदस्य किसी तरह का व्यवधान पैदा नही करेगा। अध्यक्ष महोदय, तीसरी बा यह हुई थी कि जो माननीय सदस्य हाउस से निकाल दिए गए है उस बारे अब कोई भी बात दोहराई नही जाएगी क्योंकि अगर फिर से उस बात को दोहराते है तो उससे फिर से एक उत्तेजक माहौल बन सकता है। अध्यक्ष महोदय, क्योंकि माननीय सदस्य इन्दौरा साहब सुबह की बैठक मे मौजुद थे इसलिए मै आपकी मार्फत इन्दौरा साहब से निवेदन करना चाहूंगा कि माननीय अध्यक्ष महोदय,ने जो भी व्यवस्था दी हे वे अपनी तरफ से लागू करवाएं और श्री रणदीप सिह सुरजेवाला तथा हम इस बात को अपनी तरफ से लागू करवाएंगे तथा यह आ वासन देंगे कि कोई भी सदस्य इस प्रकार की कोई बात नही करेगा जिससे माहोल खराब हो। इस बात का फैसला मीटिंग के अंदर ही

हो चुका है। इस बारे मे ंमाननीय अध्यक्ष महोदय अपना फैसला देंगे।

श्री औम प्रका ा चौटालाः स्पीकर सर, सदन के अंदर जिस प्रकार का वातावरण हुआ उसकी तो सीाी लोग निंदा करते है लेकिन प्र न यह है कि यह क्यों हुआ? उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वाली बात यहां पर हो रही है। हमारे सदस्य को अपमानित किया गया। बीच मे जो विधायक थे, वे इस समय हाउस मे मौजुद नही है, उनकी हर समय ऐसी सोच रहती है और वे गाली गलौच पर आ जाते है। सदन मे उपस्थित सम्मानित सदस्य यहां पर गालियां खाने के लिए नही आये है। जो कसूरवार हे वह माफी मांगे राम गुप्ता फिर उसके बाद अगली कार्यवाही भाुरु की जाए।

श्री अध्यक्षः ऐसी बात मेरे हिसाब से नही हुई है।

श्री रणदीप सिह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, चौधरी औम प्रका ा चौटाला बहुत लम्बे अर्से से इस सदन के सदस्य है, तजुर्बेकार है, मै इनसे यह अनुरोध करुंगा कि जो मौजुदा सदन के अंदर गतिरोध पैदा हुआ है उसको छोडकर अगर हम आगे बढेंगे तो ही प्रजातांत्रिक मूल्यो का हम सभी निर्वहन कर पाएंगे। हम सब अपने अपने इलाको से चुनकर आए है। हरियाणा के 2 करोड 30 लाख लोगों की जिम्मेवारी हम सब पर है इसलिए हमें कई बार छोटी छोटी बातो को छोडकर आगे बढना चाहिए। आरोप

और प्रत्यारोप हमे ाा लगाए जाएंगे और हमे ाा लगाए जा सकते है। परंतु जैसा आपने खडे होते हुए ही कहा था कि सदन मे जो हुआ है उसका सबको खेद है। इसको कहकर मुझे लगता है कि हम इस बात को आगे ले जा सकते है। ऐसा करके हम सदन की कार्यवाही को सुचारु रुप से चला सकते है। मै इनसे उम्र मे और तजुर्बे मे छोटा हूं और मै इनसे आदर के साथ यह अनुरोध करुंगा कि अगर आज भी आरोप–प्रत्यारोप के अंदर पउे रहेंगे तो इस सदन की सुचारु तरीके से कार्यवाही चलाने मे दिक्कत आएगी। माननीय अध्यक्ष महोदय, एक माननीय सदस्य के साथ एक सदस्य की दुर्घटना हुई। उस दुर्घटना की हम सब निंदा करते है और अगर आप सब सहमत है तो हम आपसे सादर यह अनुरोध करेंगे कि उस सदस्य को सदन मे वापिस बुला लिया जाए। वे सदन मे आकर अगर कहें कि यह घटना नही होनी चाहिए थी और उनको भी इस घटना पर खेद है। तक हम आगे चलेंगे। अगर हम इसी रतह से इल्जाम और काउ।अर इल्जाम लगाते रहेंगे तो सदन आगे नही चल पायेगा। इसलिए मेरा निवेदन है कि सदन की कार्यवाही सुचारु रुप से आगे चलनी चाहिए।

Mr Speaker: Is it the sense of the House that Shri Ram Phal Chirana, M.L.A may be called back in the House?

Voices: Yes.

Power Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to move-

That that decision of the House taken on 10th March 2008 in respect of Shri Ram Phal Chirana, M.L.A suspending him for the remainder of the present Session under Rule 104 read with Rule 121 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, be rescinded.

Mr Speaker: Motion moved-

That that decision of the House taken on 10th March 2008 in respect of Shri Ram Phal Chirana, M.L.A suspending him for the remainder of the present Session under Rule 104 read with Rule 121 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, be rescinded.

Mr Speaker: Question is-

That that decision of the House taken on 10th March 2008 in respect of Shri Ram Phal Chirana, M.L.A suspending him for the remainder of the present Session under Rule 104 read with Rule 121 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, be rescinded.

The motion was carried.

Mr Speaker: Now, I allow Mr Ram Phal Chirana, M.L.A to participate in the proceedings of the House.

श्री कर्ण सिह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै एक बार फिर आपकी फिराखदिली की दाद देता हूं और आपका अनुरोध करता हूं। मै सभी माननीय सदस्यो से तथा सीनियर मैम्बर्जै से अनुरोध करता हूं कि हम इन बातो मे न पडकर के क्येांकि यह बजट सै ान है ओर इस बजट सै ान मे विपक्ष को जो भी कहना है

वह बिना किसी टीका टिप्पणी के कहे। विपक्ष सरकार को इस बात के लिए विव ा कर दे कि वाकई कही पर कोई अनदेखी हुई है और गलत कार्य हो रहे है। ऐसी हेल्दी डिस्क ान करके सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यो की तरफ ध्यान आकर्शित करें

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता हूं कि सदन बीती बातें विसार दे और आगे की सुध लें। आगे सदन सुचारु रुप से चलेगा ऐसी हम कामना करते है।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr Speaker: yesterday, Somvir Ji was on his legs. Please, continue your speech on Governor Address.

श्री सोमवीर सिंह (लोहारु): स्पीकर सर, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बोलने का समय दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू। गवर्नर एड्रैस मे सरकार की नीतियो और कार्यक्रमो के बारे मे दिखाया गया है। इस एड्रैस से साफ झलकता है कि यह सरकार किसानो की वि ोश तोर पर मदद करने का इरादा रखती है और इन्ही बातो को ध्यान मे रखते हुए सरकार ने किसानो के बिजली के 1600 करोड रुपये माफ किए है। अध्यक्ष महोदय, यह जो जमींदारो की जमीन एक्वायर की जाती है उसका फलोर रेट हरियाणा मे दिल्ली के बाद सबसे जयादा दिया जाता है। अध्यक्ष महोदय, सन् 2007 मे वर्शा ज्यादा होने के कारण और ओलावृश्टी के कारण जो नुक्सान हुआ था उसका 208 करोड रुपये का मुआवजा सरकार ने दिया

है। इसी तरह से सरसौ और चने की फसल को राश्ट्रीय कृशि बीमा योजना के अन्तर्गत भाामिल किया गया है। इससे किसानो को बडी राहत मिली है। इसी तरह से मार्किटिंग बोर्ड के द्वारा गन्नौर मे 500 एकड जमीन पर वि व स्तर की टर्मिनल मार्किट बनाई जा रही है जिससे किसानो को बहुत फायदा होगा। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा दिवस पर सरकार ने जमींदारो के कोओप्रटिव बैंको के लोन का जो इन्ट्रस्ट माफ किया है इससे जमींदारो को बहुत फायदा होगा। सरकार ने 830 करोड रुपये के कर्जो के इन्ट्रस्ट माफ किया है, उससे आम आदमी को इन्ट्रस्ट के बोझ मे दबा हुआ था, इससे उसको बहुत राहत मिली है। इसी तरह से प ा वि वविद्यालय की स्थापना हिसार मे की जा रही है जिससे किसानो को बहुत फायदा होगा। इसी तरह से समान पानी के बंटवारे का एक साहसिक कदम इस हरियाणा सरकार द्वारा उठाया गया है यह बहुत ही सराहनीय कदम है। इस हांसी बुटाना लिंक कैनाल को बनाने का करीब करीब 90 फीसदी काम हो चुका है। **(इस समय सभापतियो की सूची मे से एक सदस्य श्री आनन्द सिंह डांगी चेयर पर पदासीन हुए।)** सभापति महोदय, इससे पहले तो कुछ जिलो को पानी का फायदा हो रहा था लेकिन आने वाले समय के अंदर हम उम्मीद करते है कि दक्षिणी हरियाणा को इसका काफी फायदा मिलेगा। इसी तरह से यह सरकार पीने के पानी पर काफी जोर दे रही है। खासतौर पर अनुसूचित जाति के लोगों के लिए सरकार ने बहुत अहम कदम उठाए है। उनके लिए 200 लीटर की पानी की टंकी मुफ्त मे देने और पानी का

कनैक ान देने का काम किया है। इसके साथ ही हमारी सरकार ने हरियाण में 'इंदिरा गांधी पेय जल स्कीम' की भुरुआत की है। सभापति महोदय, हमारे यहां पर सबसे बडी प्रोब्लम जो है वह बिजली की है। बिजली की इस समस्या को हल करने के लिए हरियाणा सरकार ने कई कदम उठाए है। सबसे पहले यमुनानगर थर्मल प्लांट के अंदर 300–300 मैगावाट की दो यूनिट्स लगायी है। इसी तरह से हिसारे के खेदड गांव के अंदर थर्मल प्लांट का उद्घाटन करने के लिए प्रधानमंत्री खुद आए थे। वहां पर 1200 मैगावाट का थर्मल प्लांट लगाया जा रहा है। यह प्लांट वर्श 2010 ते पूरा हो जाएगा। इसी प्रकार झाडली गांव के अंदर श्रीमती सोनिया गांधी जी ने 1500 मैगावाट का थर्मल प्लांट लगाने की भुरुआत की है। यह प्लांट वर्श 2010 मे चालू किया जाना है। इसी तरह से राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के अंन्तर्गत कई गावों मे ग्रामीणी कनैक्टिविटी मे सुधार की स्कीम लागू की गयी है। इस योजनामे 242 करोड रुपए की लागत आएगी। इस योजना से आम आदमी को फायदा होगा। इसी तरह से भाहरो कं अदंर नगरपालिकाओ की मदद करने के लिए उनको वित्ती सहायता दी जा रही है। गुडगावं मे भी एक नये नगर निगम की स्थापना की जा रही है। इसी तरह 8 नगरपालिकाओ की भी स्थापना की जा रही है। इन 8 नगरपालिकाओ मे मेरे लोहारु भाहर को भी भामिल किया गया है जिसके लिए मै सरकार का बार बार धन्यवाद करता हूं। इसी तरह से अनुसूचित जाति के लोगों की मदद करने के लिए जिन भाहरी क्षेत्रो के वार्डो मे उनकी

आबादी 50 परसैंट से अधिक है वहां 144 वार्डो मे सरकार आने वाले दो साल के अंदर 144 करोड रुपये खर्च करेगी। इसी तरह से भाहरो के अंदर भी हाउस टैक्स माफ किया गया है। इसी तरह से देहात के अंदर चूल्हा टैक्स भी माफ किया गया है। यह चुल्हा टैक्स अनुसूचति जाति के लोगों का तो अनाउंसमैंट के वक्त ही माफ कर दिया गया था और जो बाकी लोग है उनका भी चूल्हा टैक्स 31 मार्च तक हमे ाा के लिए माफ कर दिया जाएगा यदि वे अपना टैकस 31 मार्च से पहले पहले पे कर देंगे। इसी तरह से चेयरमैन सर, हुडडा ने भाहरो के अंदर एक 'आि ायाना' नाम की योजना भाुरु की है। पंचकूला मे 2072 फ्लैटस इसी योजना के तहत बनाए जा रहे है। इसके अलावा फरीदाबाद, रोहतक, बहादुरगढ, कैथल, सिरसा, अम्बाला, और गुडगांव मे भी ऐसे ही बीस हजार फलैटस बनाए जाएंगे। इसी तरह से हाउसिंग बोर्ड के द्वारा भी कमजोर वर्गो के लिए 50 हजार मकान बनाए जा रहे है इन मकानो मे औरतो के 33 प्रति ात आरक्षण दिया जाएगा। इसी तरह से गांव के अंदर हुउडा की तरह सैक्टर बनाने के लिए हरियाणा ग्रामीण विकास प्राधीकरण का गठन किया गया है जिससे गांव के अंदर भी अब तरक्की हो सकेगी। इसी तरह से राश्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना जिसको पहले महेन्द्रगढ और सिरसा मे भाुरु किया गया था उसको अब अम्बाला और मेवात जिलो मे भी लागू किया जा रहा है। आने वाले वित्ती वर्श 2008–09 के अंदर इस योजना को बाकी जिलो के अंदर भी लागू किया जाएगा। इसी तरह से चीफ मिनिस्टर साहब ने गावों के

अअंदर एक और योजना लागू की है। यह मुख्यमंत्री दलित गावें उत्थान और मलिन बस्ती विकास योजना है। इस योजना के तहत अनुसूचित जाति की 50 प्रति ात से अंधिक की जनसंख्या वाले गावों मे 50 लाख रुपये प्रति गांव खर्च करके मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवायी जाएंगी। इससे इन गावों के अंदर भी तरक्की हो सकेगी। इसी तरह से राश्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना जिसको पहले महेन्द्रगढ और सिरसा मे भाुरु किया गया था उसको अब अम्बाला और मेवात जिलो मे भी लागू किया जा रहा है। आने वाले वित्ती वर्श 2008–09 के अंदर इस योजना को बाकी जिलो के अंदर भी लागू किया जाएगा। इसी तरह से चीफ मिनिस्टर साहब ने गावों के अदंर एक और योजना लागू की है। यह मुख्यमंत्री दलित गांव उत्थान एवं मलिन बस्ती विकास येाजना है। इस योजना के तहत अनुसूचित जाति की 50 प्रति ात से अधिक की जनसंख्या वाले गावों मे 50 लाख रुपये प्रति गांव खर्च करके मूलभूत सुविधाएं उपलब करवायी जाएंगी। इससे इन गावों के लोगों को फायदा होगा। इसी तरह से मुख्यमंत्री जी ने करनाल के अंदर एक रैली की थी जिसमे उन्होने अनुसूचित जाति के लोगों को काफी प्रोत्साहन देने की बात कही थी। जिन अनुसूचित जाति के लोगों के पास रिहाय ा के लिए एग्रीकल्चर जमीन नही है उनको 100–100 गज के प्लाट्स दिए जाएंगे। चेयरमैन सर, यह एक बहुत बडा काम है इसका लेागो केा बहुत देर से इंतजार था क्योंकि लोगों के पास जगह की कमी थी। मै इसके लिए सरकार का बार बार धन्यवाद करता ह।। इसी तरह से गावों मे सफाई

कर्मचारी लगाने की बात है। इसके लिए भी एक योजना चलायी जा रही है। इस योजना के तहत गावों मे 11000 सफाई कर्मी नियुक्त किए जा रहे है। इनको 3510 रुपये प्रति हैड के हिसाब से दिया जाएगा। चेयरमैन सर, इससे अनुसूचित जाति के लेागो को बहुत फायदा होगा, उनको बहुत राहत मिलेगी। इतनी भारी संख्या मे किसी भी स्टेट के अंदर इम्पलायमैंट नही दी गयी है हरियाणा पहला ऐसा स्टेट है जिसने यह काम किया है। इसी तरह से सरकार ने ि ाक्षा के क्षेत्र में बहुत काम किए है। सरकार ने वर्श 2008 को ि ाक्षा वर्श धोशित किया है। जिन बच्चो ने अपनी पढाई बीचम मे छोड दी थी उनके लिए आगामी सत्र से सरकार द्वारा बुक्स ओर एक्सरसाईज बुक्स फ्री दी जाएगी। इसी तरह से अनुसूचित जाति के लोगों के बच्चो की मदद के लिए एक अलग से मासिक छात्रवुति की योजना बनाई गयी है। इसी तरह के टैक्नीकल ऐजुके ान पर बहुत ध्यान दिया जा रहा है ताकि आने वाले समय मे बच्चो को रोजगार मिल सके। इसी तरह से गैस्ट टीचर्ज की नियुक्ति कर सरकार ने बहुत ही अच्छा काम किया है। अब हम किसी भी गांव मे स्कूल मे जाते है तो हमें टीचर्ज की कमी महसूस नही होती है। कुछेक बाते ऐसी है जो मै अपनी कांस्टीच्युएंसी के बारे मे कहना चाहूंगा। चेयरमैन सर, एक बात मै आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि इस बार सर्दी बहुत ज्यादा पडी है। सर्दी ने इस बार पिछले 50 वर्शो का रिकाड्र तोड दिया है। इस सर्दी से मेरे एरिया मे सरसों और जो की फसल का बहुत नुक्सान हुआ है। सरकार ने बिजली के बकाया बिल माफ

किए है और 830 करोड रुपया बैंको के ब्याज छोडा है। इसके अलावा भी और बहुत सी राहते सरकार ने प्रदान की है। केन्द्र सरकार ने भी 60000 करोड रुपया जमीदरो का छोडा है। सर, मै आपके माध्यम से यह कहना चाहूंगा कि सरसों ओर जौ व थोडे बहुत गेहूं की फसल का जो मेरे एरिया मे नुक्सान हुआ है उसकी गिरदावरी करवाकर उसका मुआवजा किसानो को दिलवाया जाए। इसी तरह से ने ानल हॉर्टीकल्चर मि ान ने बहुत बडी रा ि ा स्टेट गवर्नमैंट को जमींदारो के लिए दी है। बागवानी के उपर वि ोश ध्यान दिया जाता है। इसके साथ ही मै आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि पौधे तो लगवा दिये लेकिन उनके रख रखाव की तरफ ध्यान नही दिया गया ं आप पिछले तीन साल का रिकार्ड देख सकते है। 20 परसैंट पौधे भी नही बचे है। पौधे लगा तो दिये जाते है लेकिन उनकी मेंटीनैंस की तरफ कोई ध्यान नही दिया जाता है। इसी प्रकार से मै सरकार के ध्यान मे एक बात भी लाना चाहता हूं कि ने ानल फूड सिक्योरिटी मि ान के तहत 500 रुपये प्रति कट्टे के उपर सबसिडी दी जाती है। गेहूं के प्रति कटटे के उपर 200 रुपये दिये जा रहे है। भिवानी सब डीवीजन के अंदर इसके तहत 4'.5 करोड रुपये के बिल सबमिट हुए है ओर भिवानी के लोहारु सब डिवीजन मे अब तक मात्र 4 लाख रुपये की रा ि ा के बिल सबमिट हुए है। भिवानी सब डिवीजन के अंदर 4.5 करोड के बिल और लोहारु के अंदर मात्र चार लाख रुपये के बिल सबमिट हुए हैं इसका क्या कारण है? जबकि लोहारु क्षेत्रफल भी बडा है। इसका कारण यह है कि

अधिकारियो की कमी है। भिवानी में 35 ए डी और लगे हुए है जबकि लोहारु मे मात्र 3 ए डी और है। क्या तीन आदमी इतना काम संभाल लेंगे? इस बात पर सरकार को गौर करना चाहिए। मेरे एरिया के किसानो को इस बात का बहुंत नुक्सान हुआ है। उनको जो सबसिडी मिल सकती थी, उससे वे वंचित रह गए है। इसके लिए यह भी करना चाहिए जो लेाग अब बिल सबमिट करना चाहते है तो उनको टाईम देना चाहिए ताकि वे भी अपने हिस्से की सबसिडी ले सके। ए डी और को आफिस किराए पर लेने के लिए 50 रुपये की रा ि ा दी जाती है आप अंदाजा लगा सकते है कि क्या 50 रुपये की राशि मे कोई आफिस किराए पर दे देगा। मेरा सरकार से अनुरोध है कि इस रा ि ा को बढाया जाए ताकि देहात के अंदर ए डी और बैठ सके और वहां के किसान इस बात का फायदा उठा सके। इसके अलावा एक और अहम समस्या भी आपके नोटिस मे लाना चाहूंगा कि पेस्टीसाईडस ओर चोती के बीच बहुत सी जगहो पर डुप्लीकेट दिये जाते है ओर बिल वे देते नही है। इस बारे मे हर तीसरे महीने चैकिंग होनी चाहिए। चैकिंग के लिए जो किसान क्लब बना हुआ है उस किसान क्लब के मैंबर को साथ लाना चाहिए। दक्षिणी हरियाणा मे पानी मे फलोराइड की मात्रा बहुत ही ज्यादा है। एच एल आर डी सी और सो ाल कंजरवे ान डिपार्टमैंट को इस ओर ध्यान देना चाहिए। मै इरीगे ान मंत्री जी के नोटिस मे लाना चहता हूं कि कुछेक ुपल जो कि आउट आफ नार्म्स है बहुत सी जगहो पर कंसोलिडै ान के अदंर रास्ते कटे हुए है। लेकिन इरीगे ान डिपार्टमै।ट के

नियम मे है कि एक किलोमीटर के नजदीक एक साईउ और एक किलोमीटर दूसरी साईड मे दो किलोमीटर के भी हम कोई पुल नही बनायेंगे। अगर कन्सोलिडे ान के अंदर वह रास्ता नजदीक कर दिया गया है तो किसन का क्या कसूर है। उस पुल के उपर जयादा पैसा खर्च करो यह हम नही कहते लेकिन उस किसन का ट्रक्टर तो उसके खेत मे आ जा सके, उसकी उंट गाडी तो आ जा सके। अगर ऐसे भी आप पुल बनाएंगे तो ऐसे पुल पर जयादा से जयादा दो लाख रुपये खर्च हो जाएंगे। मेरे कान्सटीच्यूएंसी मे ऐसे तकरीबन 15 पुल बनाने की डिमाण्ड बार बार उठाई गई है तो निचले स्तर पर तो मंजूर हो जाती है लेकिन यहां पर आकर वह रिजैक्ट हो जाती है कि यह तो आउट आफ नामर्ज है। उस जमींदार का क्या कसूर है जिसके खेत के बीचो बीच से नहर निकल जाती है और उसके खेत मे जाने का रास्ता नही मिलता। आप कहते है ये नार्म्स मे नही आते।

श्री सभापतिः नार्म्स ये होने चाहिए कि जाह कन्सोलिडै ान का रास्ता छुटा है पुल उसी रास्त पर बनाया जाना चाहिए।

श्री सोमवीर सिंहः सभापति महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से रिक्वैस्ट करता हूं कि जिस किसान का 20 एकड का खेत है और उसके खेत के बीच से नहर निकाली गई है और वहां पर कंसोलीडे ान का पाथ नही है तो इसमे किसान का क्या कसूर है? नहर निकालते समय यह देखना चाहिए कि उस किसान

का खेत एक तरफ रहे ओर अगर ऐसा संभव नही हो पाया तो उसको अपने खेत में जाने के लिए एक तरफ रास्ता तो अव य ही दिया जाना चाहिए।

सिंचाई मंत्री (कैपटन अजय सिह यादव): चेयरमैन साहब, माननीय सदस्य की यह बात बिल्कुल वाजिब है। जो नहरेा पर पुल बनाने की डिस्टैं ाहै वह अब सरकार ने कम भी किया है। पहले यह डेढ किलोमीटर का था जिसे अब घटाकर एक किलोमीटर कर दिया है। लेकिन हमने यह भी कोि ा ा की है कि जहां गांव से गांव कनैक्ट करते हो तो उनको भी हमने टेक अप किया है। लेकिन जहां जहां नहरो पर पुलो को बनाने की ज्यादा जरुरत पडती है वहां पर सरकार द्वारा आउट आफ नार्म्ज मे भी इजाजत दे दी जाती है। अगर माननीय सदस्य के हल्के मे ऐसा कोई एरिया है जहां पर नहर पर रास्ता देने की बहुत निहायत जरुरत है तो इस पर सरकार अव य विचार करेगी।

श्री सोमवीर सिह: मेर कास्टीच्यूंएसी मे ऐसे 15 केसिज है जो नीचे के आफिसिज से रिकमैण्ड होकर आये हुए है। सरकार उन पर विचार करे और कुछ तो किसानो को सुविधा दे। जिसके खेत के बीच से नहर निकाली है और जहां कोई कंसोलीडे ान का पाथ नही है वहां पर यह सुविधा मिलनी चाहिए। मै मंत्री जी के नोटिस मे लाना चाहता हूं कि जो लोहारु फीउर बनाया गया था यह उस समय खासतौर पर लोहारु और बाढडा कान्सटीच्यूएंसी के आखिरी टेल एण्ड तक पानी पहुंचाने के लिए बनाया गया था

ओर यह बहुत समय पहले बनाया गया था। उस समय पानी की जो मात्रा दी गई थी उसके बाद उस लोहारु फीडर से कम से कम 7–8 जगह नये माईनर और नये लिंक बनाये गए है जैसे कि कमोद, बोंद, भागवी, मिसरी, समसपुर माण्डी, मानकवास आदि माईनर बनाये गये है। इस तरह से इनका नुक्सान तो आखिरी एरिया मे पडने वाले लोहारु और बाढडा एरियाज का ही होता है। जो पानी उस समय लोहारु फीडर और बाढडा एरिया के लिए मंजूर किया गया था तो इन नए माईनर्ज के निकलने से जो पानी की कमी होगी तो उन लोगों की होगी जिनका एरिया टेल एंड पर पउता है। वहां पर कईं लिंक माईनर निकाले गए है। मेरी मंत्री जी से इस बारे मे बात भी हुई थी उन्होने मुझे आ वासन भी दिया है कि बौंद लिंक को लोहारु फीडर के साथ न जोडा जाए।

कैप्टन अजय ंसिंह यादवः सभापति महोदय, यह माननीय सदस्य की सही बात है कि जितने भी कैरियर चैन्ल्ज है उसमे जो भी जगह जगह मांग आती है विभाग ने यह निर्णय लिया है कि जहां तक हो सके उसमे से मिनिमम कैरियर चैनलज माईनर्ज निकाले जायें। वि ोश तौर पर लोहारु और बाढडा के इलाको में जहां पीने का पानी नही पहुंच पाता है और जहां पानी की चोरी भी होती है। क्योंकि लोग बीच मे सीधे पमप लगा लेते है। माननीय सदस्य ने इस बारे मे मुझ से दूरभाश पर भी यह बात की थी। तब विभाग ने इस बारे मे मीटिंग ली थी हमने फैसला

किया है कि इस प्रकार के सब माईनर कैरियर चैनल्ज न निकाले जायें।

श्री सभापतिः जब हांसी बुटाना लिंक नहर बन जाएगी तो पूरा पानी आ जायेगा और यह समस्या हल हो जाएगी। पानी की अवेलेब्लिटी बढ जायेगी।

श्री सोमवीर सिंहः माननीय मंत्री जी से मैने इस बारे में टेलीफोन पर भी बात की थी कि लोहारु फीडर के उपर परमानैंट मोरियो मे से इतना पानी नही जाता जितना इंजर लगाकर पानी चोरी करके जाता है, कई जगह 8–8 इंच मोटे पाईप परमानैंट लगा रखे है और वह चलते भी है। अब आप ही अंदाजा लगा सकते है कि जहां आठ इंची पाईप नाजायज लग रहे हो ओर सैंकडो इंजन नाजायज लगा रखे हो तो आगे पानी कैसे जा सकता है? मै दावे के साथ कहता हूं कि 7 और 8 तारीख को लोहरवाडा और मोरवाला गांव मे ऐसी चोरी के केस पकडे गये थे। जब उन पर विभाग ने ऐक ान लियातो लोगों ने रास्ता जाम कर दिया और उनको छोड दिया गया। मे आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या रास्ता जाम करके पानी की चोरी कर सकते है क्यांकि इससे लोगों का नुक्सान हो रहा है? अगर ऐसा है तो हम भी रास्ता जाम करवाना भ्ुारु करवा देते है। आप एडमिनिस्ट्र ान की तरफ से सख्ती बरतें। उन लोगों के उपर भी केस बनाए गए थे। इस बात का आप अपने अधिकारियो से पता करवा ले और डी सी से भी पता करवा लें।रास्ता जाम होने की

वजह से केस भी वापिस हुए थे। उन लोगों ने पानी की चोरी करने के लिए पूरी छूट दे रखी थी। जिस दिन से नहर बनी है लोहारु मे टेल तक पानी नही पहुंचा।

कैप्टन अजय सिह यादवः सभापति महोदय, इन्होने मुझे परसो सूचना दी थी तो मैने उसी समय डी सी भिवानी और डी सी झज्जर से बात की और उनसे कहा कि जहां जहां इस प्रकार बडे बडे पाईप लगा रखे है जिसकी वजह से आगे के एरियाज मे पीने का पानी नही पहुंच पाता, वहां आप सख्ती से कार्यवाही करें मै माननीय साथी को कहना चाहूंगा कि जो इस प्रकार के इलीगल पाईप लगाते है उनकी कतई मदद न करें। हमारी पूरी कोि ा ा है कि इस प्रकार की पानी की चोरयिो न हो। इनके कहने पर ही मैने उसी समय डी सी भिवानी और डी सी झज्जर से बात की थी।

श्री सोमवीर सिहः तहसील मे इस तरह की मैक्सिमम चोरियां हो रही है। वहां आपके अधिकारी जाते है और तावान लगा देते है लेकिन तावान न कोई पे करता हे और न कोई तावान से डरता है इसलिए मै कहना चाहूंगा कि आप इसके लिए पुलिस की मदद लें और एकस्ट्रा कर्मचारियो की मदद लें।

श्री सभापतिः सोमवीर जी, मंत्री जी ने पूरा आ वासन दे दिया है इसलिए आप अगला प्वायंट लें।

श्री सोमवीर सिहः सभापति महोदय, पम्प हाउस नं0 1 से लेकर 8 तक के लिए महकमे ने बिजली की इंडीपैंडैंट लाईन 1970 मे ली थी। वहां पर डिपार्टमैंट ने अलग से अतिरिक्त पैसा जमा भी करवाया था। हर महीने करीब डेढ करोड रुपये का बिल इरीगे ान डिपार्टमैट पे कर रहा है। लेकिन जो बिजली की लाईने बिछी हुई है उन लाईनो से पी डब्ल्यू डी ने, पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट ने और आई टी आई बेरला ने भी अलग से कनैक ान लिए हुए है। इन कनैक ानो के वजह से पम्प हाउसिज पर पूरी वोल्टेज नही पहुंच पाती। बार बार ट्रिपिंग होती है। पीछे से कुछ पम्प चले और आगे लोड नही उठता तो उसका कोई फायदा नहीं हमने बार बार विधान सभा मे यह बात उठाई है कि बिजली नही मिल रही है हमे बिजली पूरी देने के आ वासन मिल रहे है और कहा जाता है कि ये कनैक ान हटवा दिए जाएंगे लेकिन आज तक ये कनैक ान नही हटे है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि इसके लिए कोई टाईम नि चत कर दें कि इतने समय के बाद ये कनैक ान हटा देंगे।

कैप्टन अजय सिह यादवः सभापति महोदय, इस इ यू के बारे मे इनका प्र न नं0 678 भी लगा है। यह बात सही है कि पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट को पीने का पानी भी देना होता है, कुछ कनैक ान पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट ने उन फीडसज़ पर ले रखे है। मैने पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर से कहा था कि वे बिजलीके अधिकारिया को कहें कि या तो उनको अलग से फीडर दे और

अगर दिक्कत है तो कम से कम वहां की कैपेसिटी को बढाएं। जहां तक आई टी आई बेरला के कनैक ान लेने के बारे में बात है तो उसके बारे मे आदे ा दिए गए है कि उसका कनैक ान डिस्कनैक्ट कर दे लेकिन जो प्रावईवेट जमींदारो को कनैक ान देने की बात है तो हमने कोई प्राइवेट जमींदारो को कनैक ान नही दे रखे है और अगर कोई ऐसी बात आपके नोटिस मे आती है तो आप बताएं उन कनैक ानो को हम हटवा देंगे। जहां तक पीने के पानी की समस्या है तो उस समसया को भी दूर करने के लिए हम कदम उठाएंगे।

श्री सभापतिः मंत्री जी, इन्होने प्राईवेट कनैक ान की बात नही की बल्कि चोरी रोकने की बात कही है।

कैप्टन अजय सिह यादवः सभापति महोदय, इन्होने प्राईवेट कनैक ान की बात की है। जहां तक पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट की बात है तो अगर वे टयूबवैल्ज के कनैक ान एकदम हटवाएंगे तो दिक्कत आएगी। हमने पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर से कहा था कि इस मामले मे कार्यवाही करे ओर अलग से इंडीपैंडैंट फीडर लगवाएं ताकि हमारे पम्प हाउसिज पर इस तरह की दिक्कत न आ सके। हम कोि ा ा करेंगे कि वोल्टेज को बएाएं ताकि बार बार ट्रिपिंग भी न हो।

श्री सोमवीर सिंहः सभापति महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से कहना चाहूंगा कि पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंअ ने

या पी डब्ल्यू डी ने जो कनैक ान वहां पर ले रखे है उनके लिए एक टाईम नि चत करे कि कितने टाईम बाद ये कनैक ान हटा लेंगे।

श्री सभापतिः सोमवीर जी, यह प्र न काल नही है। आप अपनी बात रखे।

श्री सोमवीर सिहः सभापति महोदय, मै प्र न नही कर रहा हूं, ये अपने आप जवाब दे रहे है। मै तो अपनी बात बोलूंगा ही। सभापति महोदय, बेरला मे पम्प हाउस नें0 6 और 7 को बिजली के कनैक ान दिए जा रहे है। पम्प नं0 6 और 7 को अलग अलग जगह से कनैक ान दिए जा रहे है। एक जगह से बिजली चली जाती है तो दूसरा पम्प पानी नही उठा पाता इसलिए मेरी प्रार्थना है कि पम्प 6 और 7 दोनो को एक जगह से कनैक ान दिया जाए ताकि बिजली आए तो पानी दोनो जगह से चल सके। जब एक जगह पानी चल पडता है ओर दूसरी जगह पम्प पानी नही उठा पाता। सभापति महोदय, बाढडा और लोहारु जैसे रेतीले इलाको के लिए 1970 मे लिफ्ट इरीगे ान सिस्टम बनाया गया था। सभापति महोदय, आपको भी अच्दी तरह से मालूम है कि जितने पानी की जरुरत आज करनाल, सोनीपत, और रोहतक जिलो के अंदर एक एकड जमीन की सिंचाई करने मे पडती है लोहारु बाढडा के अंदर एक एकड जमीन की सिंचाई करने के लिए उससे अधिक पानी की जरुरत पडती है। इसलिए मै चाहूंगा कि जो वाटर अलाउंस लोहारु और बाढडा के लिए पहले

थे वह अब दोबारा से भाुरु किया जाये। सभापति महोदय, लोहारु और बाढडा के लिए 3.05 क्यूसिक पानी प्रति एक हजार एकड के लिए अलाट किया गया था और हमारा टोटल 1380 क्यूसिक पानी बनता है जिसको पिछली सरकार ने कम करके 2.40 क्यूसिक प्रति एक हजार एकड के हिसाब से हमारी जनता के साथ बहुत नाइंसाफी की । पिछली सरकार की नाइंसाफी की वजह से लाहारु और बाढडा का पानी कम होकर 850 क्यूसिक रह गया। मेरी मंत्री जी से प्रार्थना है कि लोहारु और बाढउा के लिए 3.05 क्यूसिक पानी प्रति एक हजार एकड के हिसाब से अलाउ किया जाये ताकि वहां के लोगों को पूरा पानी मिल सके। सभापति महोदय, मै एक प्रार्थना और करना चाहता हूं जैसा कि मै चोरी की बात कर रहा था कि अगर आप पानी को जितने ज्यादा दिन तक चलायंगे उतना ज्यादा नुक्सान लोहारु हलके को होगा क्योंकि 16 की बजाय 20 दिन 400 400 क्यूसिक या 200–200 क्यूसिक पानी नहर मे चलेगा तो लोहारु तक पानी नही पहुंचेगा, पहले ही पानी चोरी होता रहेगा। इसलिए हम चाहते है कि मंत्री जी 8–8 दिन ही इकटठा पानी लोहारु हल्के के लिए चलाये ताकि वहां तक पानी पहुंच सके। अगर इनके अधिकारी कहते है कि इकटठा पानी पम्पस नही उठा सकते है तो यह उनमे इम्प्रूवमैंट करे या एकस्ट्रा पम्प लगाये। सभापति महोदय, दादरी हल्के के अंदर 37 वाटर वर्क्स नये बनाये गये है और बाढडा के अंदर भी नये वाटर वर्क्स बनाये गये है। उन वाटर वर्क्स के लिए अलग से पानी अलाट नही किया गया है। जब तक वे वाटर वर्क्स नही भरते किसानो को पानी नही मिलता।

किसान तो सोचते है कि उसमे भी चोरी कर लें। जब अधिकारियो से बात करते है तो वे कहते है कि फलां जगह का वाटर वर्क्स भर रहे है। कभी कह देते है फलां जगह का वाटर वर्क्स भर रहे है और हकीकत मे कही का भी वाटर वर्क्स नही भरते और न ही किसानो को पानी देते है। मेरी मंत्री जी से प्रार्थना है कि जो 7–8 दिन नि चत कर रखे है उनमे भिवानी या दादरी के वाटर वर्क्स भरते है तो भरे और नही भरते है तो न भरे लेकिन लोहारु के लिए जितना पानी अलाउड है वह पानी लोहारु को अव य मिले। सभापति महोदय, इसी तरह से बीन्द्रावण पम्प हाउस है वहां पर 1998–99 के बीच काफी पानी मिलता था जिसस `8–9 मोटरे उठाती थी और लोहारु डिस्ट्रब्यूटरी के उपर दमगोरा गांव तक पानी चलता था। लेकिन मंत्री जी इस बात के लिए इं योर करे कि जैसे वहां पहले पानी मिलता था उसी तरह से पानी मिले। सभापमि महोदय, जैसा कि मैने जिक किया कि कमोद, समंसपुर और लोहरवाडा आदि गावों की तरफ भी मंत्री जी ध्यान दें। कई गावों मे सेम की समस्या है उनकी तरफ भी मंत्री जी ध्यान दें। कई गावों मे मोरी नही लगी हुई वहां के किसान पानी की चोरी करके धान की सिचाई करते है उस तरफ भी मंत्री जी ध्यान दें। चरखी दादरी और मानकावास आदि गावों की तरफ भी मंत्री जी ध्यान दें। सभापति महोदय, जुई नहर के अंदर 8 दिन इकटठा पानी मिलता है मै चाहता हूं कि उसी तरह से लोहारु के अंदर भी इकटठा पानी दिया जाये और पहले जो 1380 क्यूसिक पानी हमे अलाट था वह दोबारा से मिलना चाहिए। इसक साथ साथ मे मंत्री

जी से प्रार्थना करुंगा कि लोहारु और बाढउा के अंदर अधिकतर खाले कच्ची है उन्हे पक्का किया जाये ताकि ज्यादा से जयादा एरिया की सिंचाई हो सके। सभापति महोदय, अब मै रोडवेज के बारे में जिक्र करना चाहूंगा कि मेरे हल्के के जिन गावों मे पहले बसें चलती थी अब वहां नही चल रही। नांगल बाजु से बुढडी और सिवाणा से बुथ ौली, विधवाण, मण्डौली खुर्दा और बहल आदि गावों मे इस समय बसे नही चल रही। मंडौली खुर्द है, बजल है ये काफी लम्बे रुट है इनके उपर कोई बस नही चलती। पहले तो वहां पर एक पुल की प्राब्लम बनाई जाती थी लेकिन वह पुल भी अब नहरी डिपार्टमैंट ने चौडा कर दिया है। मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगा कि वहां पर बस सेवा प्रदान की जाये। रोड्स के बारे मे ंभी मै आपके माध्यम से खासतौर से मंत्री महोदय जी से कहना चाहूंगा कि जो तो ाम, बहन और भाुद्धिवास रोड है अगर आाप उस रेाड से जाते है तो 40 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से जीन को नही चलाया जा सकता। इसलिए उस सडक पर वि ोश तोर से गौर करनी चाहिए। बाकी मेरी कांस्टीच्युएं ाी के साथ बडी रेल लाईन गुजर रही है वहां पर पहाडो से बजरी, पत्थर, कंकर लेकर डम्पर जाते है जिनकी वजह से ज्यादातर रोडस का बहुत बुरा हाल है तो मै चाहूंगा कि गिगनाउ से लेकर सहर, पहाडी और मानफरा से बहन तक इस रोड का खासतौर से ध्यान दिया जाये और जैसे कुछ एक गावों के अंदर जो सडके बनी हुई है वे बहुत ही नीचे में है और वहां पर पानी भर जाता है। इस बात को मैने कई बार संबंधित

अधिकारियो के नोटिस मे भी लाया और आज फिर मै आपके माध्यम स`माननीय मंत्री जी जी से प्रार्थना करता हूं कि खासतौर से बडदू जोगी जो गांव है वहां रोडस की इतनी बुरी हालत है और वहां पर हर वक्त कीचड भरा रहता है जिससे उस पर पैदल चलना भी म ि कल होता है। ऐसे कुछ एक ओर गावों के बारे मे भी मैने लिखकर दिया हुआ है जहां पर रोडस पर पानी खडा रहता है। गुडेडी गांव है ओर भी कई गांव हे जैसे कु ालपुरा है जहां की रोड पर पानी भरता है उनके उपर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। सभापति महोदय, खासतौर से मै सिवानी जो कि एक सब डिवीजन है, के बारे मे जिक करना चाहता हूं कि वहां पर पी एच सी है। उस सब डीवीजन के अंदर घुरेरा, लीलस, बडवा और झुप्प गांव आते है लेकिन वहां पर पी एच सी एक है तो मै आपके माध्यम से हैल्थ मिनिस्टर से प्रार्थना करता हूं कि वहां पर 50 बिस्तर का एक हास्पीटल बनाया जाये ताकि लोगों को सुविधा हो सके। यह बडी सोचनीय बात है कि उस सब डीवीजन मे एक ही पी एच सी है और वहां पर भी कोई डाक्टर नही है। 2–3 बातें और मे आपके माध्यम से कहना चाहता हूं। मै खासतौर से सिवानी–बडवा का जिक करना चाहता हूं वहां पर एक हास्पीटल बिल्डिंग एक सेठ द्वारा बनाई गई है वहां पर हास्पीटल चल रहा है। लेकिन उस बिल्डिंग की बहुत बुरी हालत है। (**इस समय अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए**) इस बारे में हम अगर महकमे वालो स`बात करते है तो वे कहते है कि रिपेयर तो हम नही करवा सकते क्योंकि इसका कब्जा हमारे पास नही है। मै आपके माध्यम

से मंत्री महोदय से प्रार्थना करना चाहूंगा कि इस बारे में भी कुछ कारगर कदम उठाये जाए। उस बिल्डिंग को अपने कब्जे मे लेकर उसकी रिपेयर की जाये क्योंकि इतनी अच्छी और बडी बिल्डिंग आपको मुफ्त मे मिल रही है उसका आपको फायदा उठाना चाहिए और इसकी समचित व्यवस्था की ओर ध्यान देना चाहिए।

श्री औम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, यह तीसरा दिन है लेकिन राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर विपक्ष के लोगों को आज तक बोलने का अवसर ही प्रदान नही किया गया है। यह तो आपको तय करना चाहिए कि हमें बोलने का अवसर दिया जाये।

श्री अध्यक्ष: चौघरी साहब, अभी तक राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर 85 मिनट का समय अपोजी ान के लिए दिया गया है जिसमे निर्दलिय श्री अर्जुन सिंह 9 मिनट बोले ओर श्री सुखबीर सिह फरमाणा 9 मिनट बोले। भारतीय जनता पार्टी के श्री नरे ा मलिक 20 मिनट बोलने और आप स्वयं 43 मिनट बोले यानि 43 मिनट तक आप आन लैग रहे। ठीक है, अगर आप अब बोलना चाहते है तो बोलिए I allow you.

श्री औम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, यह टाइम की भार्त भी इंडियन ने ानल लोकदल के सदस्यो पर ही लागू होती है क्योंकि इससे पहले तो बोलने वाले बहुत लम्बे समय तक बोलते रहे है। और आप भी बडे बुलंदबाग दावे करते है कि पहली

मर्तबा इतने लम्बे समय तक सै ान चला है। इतने दिन का सै ान है मुख्यमंत्री जी को 17 मार्च को जवाब देना है उससे पहले तो समय ही समय है इसमे आप कंजूसी किस बात की कर रहे है। सभी को बोलने के लिए पुरा समय मिलना चाहिए।

श्री अध्यक्षः ठीक है, आप बोलिए, आपको समय दिया जाता है किसी प्रकार की कंजूसी नही है।

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, भाुक है कि आपने मुझे अवसर प्रदान किया। गवर्नर के अभिभाशण पर चर्चाए चल रही है। गवर्नर के अभिभाशण को पढने से ऐसा जाहिर हो रहा है कि यह बिंल्कुल नीरस अभिभाशण था, कोई किसी प्रकार की कही न कोई रिलीफ दिया गया है और न कोई आगे के लिए व्यवस्था है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः ये सब बातें आप पहले भी कह चुके है फिर इनको दोहराने की क्या जरुरत है?

श्री औम प्रका ा चौटालाः मैने क्या कहा, क्या नह कहा यह मेरा काम है। वह तो आपने कह दिया था कि रिकार्ड न किया जाये।

श्री अध्यक्षः वह आपका रिकार्ड में है।

श्री औम प्रका ा चौटालाः रिकार्ड मे है या नही वह तो रिकार्उ देखने के बाद ही पता चलेगा। मेरा कहने का भाव यह था

कि गवर्नर के अभिभाशण मे एक बात पर बडा जोर दिया गया है जो वि ोश रुप से मै समझता हूं कि विधान सभा के दायरे क्षेत्र मे थी ही नही लेकिन केन्द्र की कर्जा माफी घोशणा को बहुत प्रचारित किया गया। अभी तक यह स्पश्ट नही हो पाया कि इसका लाभ किन किन लोगों को मिला? इसमें कई किस्म की भार्ते लगाई गई है। छोटे बडे किसानो का हवाला भी उसमे दिया गया है, जो डिफाल्टर है उनका क्या होगा, इन सब बातो की क्लैरीफिके ान नही हुई है। दूसरी बात यह है कि अर्थ ाास्त्रियो की तरफ से भी ब्यान आये है कि इसका लाभ मिलेगा या नही मिलेगा मै उस बहस मे नही जाना चाहूंगा लेकिन उसमे मुतजात किस्म के ब्यान आये है। गवर्नर के अभिभाशण के पेज 5 पर पैरा 9 मे जिक्र आया है कि सहकारी बैंको के 451 करोड रुपये के लोन के ब्याज माफ हुए है जबकि मुख्यमंत्री जी का ब्यान छपा है कि 830 करोड रुप9ये के ब्याज माफ हुए है। मुख्यमंत्री जी का दूसरा ब्यान छपा है कि 800 करोड रुपये के ब्याज माफ हुए है।

श्री अध्यखः इस पर माननीय वित्त मंत्री महोदय ने क्लैरिफिके ान दे दी थी कि माफी की योजना में 830 करोड रुपये आये हे।

श्री औम प्रका ा चौटालाः आपको इसमे क्या आपत्ति है? इसका जवाब तो मुख्यमंत्री जी देंगे। जब वे जवाब देंगे तो इस बार को क्लीयर कर देंगे लेकिन जो चर्चा आई है तो उसका जिक्र तो मै करुंगा। उसका जिक्र करना मेरा अधिकार है। यह

बात समझ नही आ रही है कि इनमे से कौन सीबात ठीक है और कौन सी बात गलत है? मुख्यमंत्री जी के भी दो मुख्तलिक ब्यान आये है। एक ब्यान मे उन्होने कहा कि 830 करोड रुपये के कर्ज माफ हुए है और दूसरे मे कहा कि 800 करोड रुपये के कर्ज माफ हुए है। इसके साथ साथ मुख्यमंत्री जी का ब्यान आया कि केन्द्र के फैसले से 10–11 लाख किसानो को लाभ मिलेगा जबकि सरकारी आंकडे के मुताबिक 3 लाख 7 हजार किसान लाभांवित होंगे। (ाोर एवं व्यवधान)

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्उर है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री औम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, यह सिलसिला फिर से भाुरु हो गया तो कैसे काम चलेगा? यह तो तय किया जाये कि किस बात का प्वायंट आफ आर्डर है?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: आप सुनेगें तो ही पता चलेगा कि किस बात का प्वायंट आफ आर्डर है वैसे केसे पता चलेगा आपको?

श्री औम प्रकाश चौटाला: अध्यक्ष महोदय, हर सदस्य को अपनी बात कहने का अधिकार है और सरकार को उसका रिप्लाई देना चहिए। अगर कोई गलत ब्यान करता है तो उसमे लिखा जाए।

श्री रणबीर सिह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, अगर हाउस को बरगलाया जायेगा, कोई सदन को गुमराह करने की कोि ा ा करेगा तो हमारा यह अधिकार है कि हम सही तथ्य सदन के सामने रखें, सच को सदन के सामने लाये उसमे चाहे चौटाला जी हो या कोई और माननीय सदस्य हो। सदन मे कोई सम्मानित सदस्य गैर जिम्मेदाराना बात करेगा तो सरकार को तो तथ्य रखने ही पडेंगे। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 सु ाील इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय, यह गलत बात है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, सही बात तो यह है कि यह बात उस दिन भी आई थी और चौटाला जी ने आज फिर भाुरु कर दी है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने यह स्पश्ट कहा था कि 830 करोड रुपये की माफी दी गई है। उसमे से जो रा ि ा गवर्नर के अभिभाशण के अंदर दी गई है यह वह रा ि ा है जो लाभ तब तक ले चुके है और वित्त मंत्री जी ने खडे होकर यह बात कही थी। मुख्यमंत्री जी को कोट करके बार बार इस हाउस को गुमराह करने की कोि ा ा की जाती है। इन्होने कहा हिक 11 लाख लोगों को लाभ होगा और कभी कहते है कि 3 लाख 20 हजार लोन पात्र है। अध्यक्ष महोदय, एक ऐतिहासिक फैसला भारत की सरकार ने श्रीमती सोनिया गांधी के नेतृत्व मे लिया। 4 करोड किसन है जिनको पूरे दे ा के अंदर 60 हजार करोड रुपये की ऋण माफी का लाभ होने वाला है। ऐसा न आज

तक हिन्दुस्तान के इतिहास मे हुआ और न कोई सरकार कर पाई। इस प्रकार का ऐतिहासिक निर्णय अपने आप मे एक बहुत साहसिक कदम था। उन 4 करोड मे हरियाण के कितने लेागो को कर्जो का लााि होगा वह सरकार की केवल अनुमानित फिगर थी कि तकरीबन 4 से 5 हजार करोड भाायद हरियाणा प्रदे ा का भी होगा। स्पीकर सर, अभी यह फिगर हम कैलकुलेट कर रहे है। सच बात तो यह है कि कई दल ऐसे है जिनसे यह बात न निगले बनती है न उगले बनती है। इसके लिए वे न तो सरकार की तारीफ कर पा रहे है और न वे उसकी आलोचना कर पा रहे है। वे इसको किसी सर्कूटियस तरीके से घुमा कर प्र न चिन्ह पैदा करने का प्रयास कर रहे है। अध्यक्ष महोदय, none less than the Prime Minister of the country has said on the floor of the Parliament that by 30th June, 2008 साठ के साठ करोड रुपये के ऋण माफी का लाभ हिन्दुस्तान के किसान को मिलने वाला है। 30 जून, 2008 तक इन्तजार कीजिए जो तथ्य और आंकडे है वे सबके सामने है। अध्यक्ष महोदय, मै इनसे कहना चाहता हूं कि कम से कम खडे होकर इसकी तारीफ तो करें 1600 करोड रुपये की जो बिजली बिलो की ऋण माफी की थी उसमे से 1 हजार करोड रुपये का लाभ बिजली उपभोक्ताओ को पहुंच चुका है। अध्यक्ष महोदय, लोक दल के साथियो की यह मानसिकता बन गई है कि खुद तो कुछ करना नही और जब कोई दूसरा कुछ करेगा तो उसके अंदर मीन मेख निकालने का प्रयास करेंगे। आज चौटाला साहब भी यही कर रहे है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मै इनसे यह

कहना चाहता हूं कि जोर से बोल कर ये इस बात को झुठला नही सकते है।

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै एक बात को थोडा स्पश्ट करना चाहूंगा प्वायंट आफ आर्डर की आड लेकर इनको भाशण झाडने की जरुरत नही है। मेरा एक अधिकार है और मै उसी अधिकार से अपनी बात कह रहा हूं। अगर मै कोई गलत ब्यानी करता हूं या सरकार को कोई सुझाव देता हूं तो उसका जवाब रिप्लाई मे लीडर आफ दी हाउस देंगे और उसमे सारी बात क्लीयर हो जाएगी। अगर एक एक बात को लेकर बीच मे इस प्रकार की डिस्टरबैंस की जाएगी तो फिर समय बर्बाद होगा। (विघ्न) फिर आपकी सोच भी ऐसी है कि फिर उसके मिनट दर्ज करते चले जाएंगे। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, आप कांटीन्यू करें (विघ्न) चौटाला साहब, आप भी भाशण न दें और कानटीनयू करें

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यह क्या है इससे मुझे कोई सरोकार नही है लेकिन जो आंकडे है वे लोगों के सामने आ रहे है। जिस प्रकार की चिंताए व्यक्त की जा रही है उन चिंताओ के दृश्टीगत ही मै भी अपनी चिंता प्रकट करता हूं कि अभी यह क्लीयर नही है कि कितना कर्ज माफ हुआ है। उसमे छोटे और बडे किसान का भी हवाला दिया गया है। अभी पार्लियामैंट्री अफेयर मिनिस्टर ने कहा कि यह सबसे पहला अवसर

है कि इस प्रकार का लाभ किसानो को मिला है। अध्यक्ष महोदय, वर्श 1990 मे स्वर्गीय चौधरी देवी लाल जी ने दस हजार रुपये तक के कर्ज जो हर किसान के उपर चढे हुए थे वे माफ किये थे। उसमे किसी भी छोटै या बडे किसान की कोई बात नही थी। उस दस हजार रुपये तक के कर्ज माफ होने मे वित्ती संस्थान थे। सहकारी बैंको के भी कर्जे थे और दूसरे बैंको के भी कर्जे थे। वे दस हजार रुपयेक तक माफ हुए थे। यह बात मै नही कह रहा है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि आपने थोडा सा रवैया बलदा है, यह बहुत अच्छा है। यह परम्परा बहुत अच्छी है और मै इसकी सराहना करता हू।

श्री अध्यखः चौटाला साहब यह ऐटीच्यूड की बात है। अगर आप खुद बदल गये हो तो आपको सब बदला हुआ नजर आ रहा है। (विघ्न)

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाह रहा था कि 13 मार्च, 1992 को श्री पी वी नरसिम्हा राव जी कांग्रेस पार्टी के प्रधान मंत्री थे और केन्द्र मे उनकी सरकार थी। उस वक्त इस सदन मे एक सम्मानित सदस्य जो आज यहा उपस्थित नही है और आपकी कलम के नीचे आए हुए है। आप उनके बारे में क्या निर्णय लेते है यह तो आपका फैसला है। श्री धर्मपाल मलिक जी ने उस वक्त एक सवाल पूछा था कि कितने कर्जे माफ हुए है तो उसके जवाब में वित्त राज्य मंत्री श्री दलबीर सिंह जी का ब्यानआया कि इस में केन्द्र सरकार पर कुल 7714

करोड रुपये का सीधा भार पडेगा और 4400 करोड रुपये का अतिरिक्त भार प्रदे ा सरकारो पर है। कुल मिला कर 16514 करोड रुपये के कर्जा उस वक्त माफ हुए थे और उसमे कोई if-but या किंतु परंतु नही था केवल एक सोच थी कि गरीब किसान को राहत मिल सके इस बात को दुश्टीगत रखकर यह निर्णय लिया गया था।

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, ये तो चौधरी सम्पत सिंह जी का ब्यान था।

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै ब्यान की बात नही कर रहा हूं मै रिकार्ड की बात कर रहा हूं और पार्लियामैंट मे जो जिक आया है मै उसका जिक करता हूं। उस वक्त के रुपये की और इस वक्त के रुपये की अगर वैल्यू आंकी जाएउ तो वह जो पैसा था वह 16514 करोड रुपये बनता है जिनके कर्जे माफ हुए थे वे एक लाख 32 हजार करोड रुपये बनते है। (विघ्न) आज की तारीख मे वह एक लाख 32 हजार करोड बनता है। कांग्रेस की सरकार ने नही किया था गुप्ता जी। कांग्रेस की सरकार बाद मे 1991 मे बनी थी और उस वक्त के वित्त राज्य मंत्री दलबीर सिह ने एक प्र न के उतर मे जवाब दिया था। यह जो कर्जा था वह उप–प्रधानमंत्री चौधरी देवी लाल जी ने माफ किया था। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिह सुरजेवालाः स्पीकर सर, हमारे पास आंकडे है और वे यह स्पश्ट द ार्ाते है कि जब चौधरी देवी लाल जी की सरकार के समय में कर्जा माफ करने की स्कीम आई थी तो उस समय केवल 32 करोड रुपये ही माफ किए गए थे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मुझे बहुत ही हैरानी होती है कि जिम्मेवारी के पद पर बैठा हुआ व्यक्ति ऐसी बात कर रहा है। अध्यक्ष महोदय, मै लोक सभा में दिए ब्यान आपके सामने पढकर सुना रहा हूं। मंत्री जी सरकारी आंकडो की अनदेखी करके भी गलत ब्यानी करना मुनासिब नही है, मै यह सरकारी आंकडे बता रहा हू। यह उस वक्त के रिकार्ड की चीज है और मै यह वित्त मंत्री जी का जवाब बता रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, इसका क्या लाभ होगा और किसको होगा यह तो समय ही बताएगा। चौधरी देवी लाल जी ने उस वक्त काई राजनीतिक लाभ उठाने की चेश्टा नही की थी। उनकी ईमानदारी से यह मं ाा थी कि इस प्रदे ा का कृशक सम्पन्न, समृद्ध और खु ाहाल हो। इसके लिए उन्होने अपनी तरफ से प्रयास किए थे। अध्यक्ष महोदय,आज किसानो की हालत सबसे ज्यादा दयनीय हैं उनके कर्जे माफ हो यह बहुत अच्दी बात है अगर टोटल कर्जे माफ होंगे तो आगे के लिए किसानो की सोच कैसे ठीक हो इसके लिए सरकार की तरफ से गठित स्वामी नाथन आयोग की सिफारि ाो को लागू किया जाए तो सभी को लाभ मिलेगा, पूरे दे ा को लाभ

पहुंचेगा। आज केन्द्र की सरकार के पास पैसे की कोई कमी नही है। अगर कोई बात है तो केवल सोच का अंतर है। उस सोच के अन्तर्गत अगर किसानो को लाभ दिया जाए और आगे के लिए किसानो के लिए ऐसी व्यवस्था स्थापित की जाए कि उनको भविश्य में कर्जा न लेना पडे। आज अभी कुछ मैम्बर्ज ने भी जिक किया है कि इस साल न तो किसानो को बिजली मिली है न ही पानी मिला है। अध्यक्ष महोदय, आप सुनकर हैरान होंगे कि जब से भाखडा नहर बनी है तब से लेकर भाखडा का क्लोजर चौथे महीने मे याह 10वें महीने मे होता था और फुसर्त का समय देखकर उसकी मरम्मत की जाती थी। लेकिन इस साल 24 फरवरी से लेकर 2 मार्च तक क्लोजर हुआ है। उसकी वजह से किसानो की फसल पूर्ण रुप से बर्बाद हो गई है। वह ऐसा पीरियड है, जिसमे किसानो की फसल पूरी तरह से पकती है। अध्यक्ष महोदय, आप खुाद किसान है, आपको इन सारे हालात का ज्ञान है। पता नही किस सोच के चलते हुए इस समय क्लोजर कर दिया गया। अध्यक्ष महोदय, किसान को इस बार ठंड की वजह से बहुत ज्यादा नुक्सान हो गया है। जैसा कि सोमवीर सिंह जी ने बताया है कि सरसों और जौं की फसल का नुक्सान हुआ है बलिक कनक की फसल का भी नुक्सान हुआ है। अध्यक्ष महोदय, यह जो ठण्ड पडी थी यह सुखी ठण्ड थी और इसकी वजह से कनक मे पूरी तरह से फूटारा नही आ पाया था। अब जो एकलखत गर्मी आ गई है इसकी वजह से वह वही पर सूख जाएगी। इसकी वजह से कनक की फसल का बुरी तरह से नुक्सान हो जाएगा। अध्यक्ष महोदय,

इस सरकार को चाहिए कि जहां पर ये जो इतनी फिराखदिली दिखा रहे हे, उसका राजनीतिक लाभ उठाने की कोि ा ा कर रहे है, इस बारे में हमारा माना है कि ये उसका राजनीतिक लाभ उठाएं लेकिन उसका किसानो केा लाभ तो मिलना चाहिए। यह जो ठण्ड की वजह से किसानो की फसल बर्बाद हो रही है उसके लिए भी सरकार निर्धारित मुआवजा किसानो को दे ताकि प्रदे ा का किसान सम्पन्न, समृद्ध और खु ाहाल हो सके। अगर हमारा किसान सम्पन्न, समृद्ध और खु ाहाल होगा तो वह हौंसले से ज्यादा पैदावार बढाएगा। इसकी वजह से हमारी सरकार की जो सोच विदे ाो से गेहूं खरीदने की है उसकी जरुरत नही पडेगी। अगर सरकार की तरफ से पूरी व्यवस्था स्थापित की जाए तो इस दे ा के गोदाम पहले भी किसानो ने ठसाठस भरने की कोि ा ा की थी, इस बार पुनः गोदाम भर सकते है। अध्यक्ष महोदय, एन डी ए की सरकार के वक्त मे ऐसी स्थिती आ गई थी कि कही सरकारी गोदामो से गेहूं समुन्द्र मे न फेंकना पडे। अध्यक्ष महोदय, इसलिए फूड फार वर्क के तहत गांव गांव मे गेहूं भेजा गया था ताकि उसका सही उपयोग हो सके। अध्यक्ष महोदय, आज हमारे हालात यह हो गए है कि हम यह बात तो करते है कि हमने किसानो को बउे भारी भाव दिए है लेकिन यह भूल जाते है कि किसानो की लागत के दाम किस रे ाो से बढ रहे है। खाद केम दाम, बिजली के दाम, डीजल के दाम और पैट्रोल के दाम किस रे ाो से बढ रहे है। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार के बनने के बाद पैट्रोल और डीजल के दाम 6 बर्तबा बढे है यानि कि किसानो की

लागत का मूल्य बढा है। अध्यक्ष महोदय, स्वामी नाथन आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक किसानो की जो लागत है उस पर 50 प्रति ात ओर पैसा देकर किसानो को लाभ दिया जाए। इस किस्म की सोच सरकार की होनी चाहिए, लेकिन यह सोच नही है। सरकार की सोच तो केवल राजनैतिक लाभ उठाने की है। अगर ये राजनैतिक लाभ उठाना चाहते है तो उठाए लेकिन यह पिक्चर भी आने वाले समय मे पूरी हो जाएगी। इनके साथ ही वही होगा जो दूसरी सरकारो के साथ पहले होता रहा है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही यहा ंपर सिंचाई की बात आई और यह जिक्र किया गया था कि नहरो मे पानी की दिक्कत आ रही है और प्रस्तावक ने यहां तक भी जिक्र किया था कि एस वाई एल नहर पर बहुत काम हुआ है। अध्यक्ष महोदय, एस वाई एल नहर तो हमारी जीवन रेखा है। राज्यपाल महोदय के अभिभाशण मे इसका बहुत मामूली जिक आया है कि सरकार यह नहर बनाएगी जबकि एस वाई एल नहर के प्रति किसी भी अदालत मे कोई फैसला विचाराधीन नही है। इसलिए सरकार की जिम्मेवारी है कि वह इस नहर को जल्दी से जल्दी बनाए। आज हरियाणा मे और केन्द्र के स्तर पर कांग्रेस की सरकार है। सर्वोच्च न्यायालय का फैसला है कि इस नहर को केन्द्र की सरकार बनाए। इस प्रदे ा मे कांग्रेस की अध्यक्षा तीन मर्तबा आयी और तीनो मर्तबा न मुख्यमंत्री की ओर न और न किसी ओर की तरफ से एस वाई एल नहर का जिक्र किया गया। इसके अलावा जब मुख्यमंत्रियो की एक कान्फ्रैंस चण्डीगढ के हुई

थी तो वह एक बहुत अहम मौका था लेकन उस वक्त भी इस अहम मुद्दे पर किसी ने इस नहर का जिक्र नही किया।

Mr Speaker: Chaudhary Sahib, presidential reference is pending before the Supreme Court. जो फैक्चुअल पोजी ान है आप उस पर बोलें।

श्री औम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, आप मुझे अपनी बात तो कहने दीजिए एस वाई एल नहर से संबंधित कोई भी फैसला अदालत के विचाराधीन नही है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: स्पीकर सर, फैक्चुअली दो बाते है, जो चौधरी औम प्रका ा चौटाला साहब गलत कह रहे है। एस वाई एल नहर के निर्माण को लेकर कांग्रेस पार्टी की उस समय की सरकार ने जो मुकदमा दायर किया था और उस मुकदमे का हमारे हम के जो फैसला हुआ था। उसके बाद पंजाब की विधान सभा जिसमे इनके मित्र भी भाामिल थे और जिसमे कांग्रेस की उस समय की सरकार भी भाामिल थी, ने मिलकर एक ऐसा कानून पारित किया था जिसका उनको अधिकार नही था।

श्री अध्यक्ष: मंत्री जी, आप यह बताएं कि क्या हरियाणा सरकार ने इसको चेलैंज किया था?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: स्पीकर सर, उस समय की हरियाणा सरकार जिसके मुखिया औम प्रका ा चौटाला जी थे, ने यह जहमत नही कि कि वह हरियाणा के अधिकारो की सुरक्षा करे

और उस गैर कानूनी कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती दे। परंतु उसके बावजुद हमारी सरकार आने के बाद हमने भारत सरकार को कहा। हालांकि भारत सरकार दो प्रांतो के विवाद मे तटस्थ रहती है लेकिन श्रीमती सोनिया गांधी जी ने इंटरवीन किया और इंटरवीन करके पंजाब विधान सभा द्वारा पारित कानून की वैधता को प्रैजीडैंि ायल रैफरैंस के तहत भेज दिया और अब अध्यक्ष महोदय, संवैधानिक खण्डपीठ का निर्णय इस बारे मे जल्दी आने वाला है। कैप्टन अजय सिह यादव लगातर इस मामले की पैरवी करते रहते है इसलिए मै कहना चाहूंगा कि वह फैसला हमारे हक मे ही आएगा। अध्यक्ष महोदय, आदरणीय औम प्रका ा चौटाला जी ने एक और तथ्यो के विपरीज गलत बात कही है। इन्होने कहा है कि खेतीबाडी के दाम बहुत बढ गये है।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, आप इन बातो की रिप्लाई बाद में दे देना। अब तो ये कह रहे है कि it is not a subjudice matter. You are saying it is a subjudice matter. Presidentail reference is still pending before the Bench of the Supreme Court. This is the factual position.

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिह यादव): स्पीकर सर, औम प्रका ा चौटाला जी ने जो यह कहा है कि एस वाई एल नहर को लेकर कोई मामला अदालत मे पैंडिंग नही है मै इनको बताना चाहूंगा कि इनकी यह बात तथ्यो पर आधारित नही है। सबसे बडी बात यह है कि इस मामले मे प्रैजीडैंि ायल रैफरैंस हमारी यू पी ए की सरकार ने पैंजीडैंट से आग्रह करके करवाया है

और आज इस बारे मे एक कांस्टीच्यू ानल बैंच कांस्टीच्यूट हो चुकी है। इसकी आगामी हीयरिंग की डेट 12 अप्रैल, 2008 है। अध्यक्ष महोदय, मै यह बात आनॅ रिकार्ड कह सकता हूं कि हम भी उस समय विपक्ष मे बैठते थे, उस समय औम प्रका ा चौटाला जी मुख्यमंत्री थे। उस समय हमने औम प्रका ा चौटाला जी से अनुरोध किया था कि आपको भी इस मामले मे पार्टी बनानी चाहिए और जो हरियाणा का अहित हो रहा है उसके बारे में आपको कुछ न कुछ जरुर चेलैंज करना चाहिए लेकिन इन्होने कुछ भी नही किया। जब से चौधरी भुपेन्द्र सिंह हुडडा जी की सरकार आयी है तब से हमने इस मामले मे बैस्ट लॉयर इम्पलाय कर रखे है। कांस्टीच्यू ान बैंच मे इस मामले की हीयरिंग की पैरवी नही की जबकि मोजुदा सरकार इस मामले की पैरवी कर रही है। अध्यक्ष महोदय, यही नही, बी एम एल हांसी बुटाना लिंक नहर को लेकर भी बाधाएं डालने की कोि ा ा की गयी इस नहर को लेकर भी पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट मे 16 लोगो के द्वारा पैटी ान डलवायी गयी जिसको कोर्ट ने डिसमिस कर दिया था और यह कहा कि इस तरह की पैटी ान आम किसान नही डाल सकता। यह पैटी ान कुछ ऐसी ताकतो ने डलवायी है जो यह नही चाहती है कि हरियाणा के किसानो को पानी मिले। अध्यक्ष महोदय, कुछ लोगों ने जानबूझकर यह पैटी ान डलवायी थी। हाई कोर्ट ने इस बारे मे स्ट्रीक्चर भी पास किए है। अध्यक्ष महोदय, यह बात हरियाणा के सब लोग जानते है कि कोन लोग नही चाहते है कि हरियाणा मे पानी का इक्विल डिस्ट्रब्यू ान हो।

श्री औम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मै पहले जरा और स्पश्ट कर दूं कि एस वाई एल कैनाल की कंस्ट्रक ान का कोई मुद्दा सुप्रीम कोर्ट के विचाराधीन नही है। सिर्फ केन्द्रीय सरकार द्वारा The Punjab Termination of Agreement Act, 2004 का राश्ट्रपति जी की मार्फत सुप्रीम कोर्ट से पराम र्ा लेने के लिए reference सुप्रीम कोर्ट मे भेजा था। सुप्रीम कोर्ट से सरकार ने मांगा है कि आप बताइए कि इस पर क्या विचार है? कैप्टन साहब, आपने तो इस पर दो बार रुकावट डाली है और इस बात के बारे में तारीख लेने की चेश्टा की कि पंजाब मे डेरा सच्चा सौदा का विवाद है इसलिए इस मामले को आगे लम्बा लटकाया जाए। आपके जो अटार्नी जनरल केन्द्र सरकार के है उन्होने यह दर्खास्त दी है कि चूंकि पंजाब मे और हरियाणा मे डेरा सच्चरा सौदा विवाद है। इसलिए अगली तारीख दी जाए। मै तो यह मानता हूं कि डेरा सच्चा सौदा विवाद का इस पानी के मामले से कोई संबंध ही नही है।

कैप्टन अजय सिह यादव: अध्यक्ष महोदय, जो कुछ भी चौटाला साहब कह रहे है। यह तथ्यो पर आधारित नही है। डेरा सच्चा सौदा वाली इस प्रकार की कोई बात रिकार्ड पर हो तो ये कहे। इनको यहां ये भी पढना चाहिए। One must not either enter an Assembly Hall or he must speak there with all the rightousness, for onw who does not speak or one who speaks falsely does involve himself in the equal sin. ये यहां पर लिखा हुआ है इसको ये पढ ले और उसके बाद ही कोई बात कहें।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, आप जवाब दे रहे है you are giving certain other facts and the Hon'ble Member is giving another facts. अगर कुछ रौंग है तो breach of privilege का मो ान आने दो। हाउस को गुमराह करने का प्रस्ताव लाया जाए। किसी को अधिकार नही है। No member has the authority on the floor of the House. कि कोई गलत ब्यानबाजी करें कोई भी गलत ब्यानबाजी करता है तो उसके खिलाफ प्रस्ताव लाया जाए।

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै आपकी इस बात से सहमत हूं और मै ऑन आथॅ यह बात कह रहा हूं। केन्द्र के अटार्नी जनरल श्री बनर्जी ने यह लिखित मे दिया है। उसे मंगवाकर देख लिया जाए। अगर मै गलत कह रहा हूं तो मेरे खिलाफ प्रिविलेज मो ानद ायर किया जाए लेकिन अगर कोई मंत्री गलत ब्यानबाजी करता हे तो उसके खिलाफ भी प्रिविलेज मो ान लाया जाना चाहिए।

श्री अध्यक्षः यह तो मै कह ही रहा हूं।

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इन्होने तो उसको डिले करने की चेश्टा की है। एस वाई एल कैनाल की कंस्ट्रक ान का मुद्दा सुप्रीम कोर्ट के विचाराधीन नही है। इसके साथ ही साथ मंत्री जी ने जिक किया कि यहां यमुना अकार्ड का मामला आया था उस वक्त हम अपोजी ान मे थे और हमने इस मुद्दे पर इस्तीफे दिये थे। फैसला हुआ था कि किसाउ, रेणुका ओर लखवार डैम जब बनेंगे तो उसके ऐवज मे हरियाणा को

उसके हिस्से का पानी मिलेगा। सरकार ने इस बारे मे कोई प्रयास नही किए है। यह किसका जिम्मा है। मुझे तो हैरानी इस बात की है कि जिस मुख्यमंत्री को बदनाम करने की बात सोची गई थी उस कैबिनेट मे ये खुद सिंचाई मुंत्री थे, ए स चौधरी भी मंत्री थे, गुप्ता जी भी मंत्री थे और बहुत से लोग थे। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः यमुना वाटर अकॉर्ड के बारे मे इस समय हाउस की कमेटी बनी हुई है। It was discussed in the previous House. जिसमे हरियाणा प्रदे ा के लोगों का पानी के बंटवारे के बारे में इंट्रस्ट अफैक्ट हुआ है, वाटर का जो भोयर था वह अफैक्ट हुआ है keeping in view the sense of the House. उस समय एक कमेटी बनी थी उस समय इनदौरा साहब भी हाउस मे बैठे थे। इस बारे मे कमेटी बनी थी Now, the matter is under consideration of the Committee. लेकिन उसकी तीनो मीटिंग्ज मे आपकी पार्टी का मैम्बर नही आया।

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हमने तो उस मुद्दे पर विधान सभा की सदस्यता से इस्तीफे तक दिये हुए है तो उस मीटिंग के हम कैसे आ सकते है? हम तो उस समझौते को मानने के लिए तैयार ही नही थे।

श्री अध्यक्षः आप चाहे और लिख कर दे तो श्रीमती रेखा राणा की जगह उसमे आपकी पार्टी के किसी और मैम्बर को उस कमेटी का मैम्बर बना दें।

श्री औम प्रका ा चौटालाः हम तो इस फैसले का भ्ाुरु से ही विरोध करते आए है। जब से इस कमेटी को बनाने की बात चली थी तो यह किसी पुराने मुख्यमंत्री को बदनाम करने की चेश्टा की गई थी। वैसे मै इन मामले मे जाना नही चाहता क्योंकि यह आपकी पार्टी का मामला है। उनकी कैबिनेट मे तो कैप्टन साहब भी थे ओर मांगे राम गुप्ता जी और ए सी चौधरी व अन्य कई लोग थे तो उसमे अकेला भजन लाल कैसे दोशी हुआ?

श्री अध्यक्षः किसी ने कोई गलत काम किया है तो उसे बदनाम होना चाहिए या नही होना चाहिए। हरियाणा प्रदे ा के लोगों का न्याय था वह काट दिया अब आप बताये कि बदनाम होना चाहिए या नहीं

श्री औम प्रका ा चौटालाः होना चाहिए लेकिन जो प्रस्तावक थे उनको भी तो त्याग–पत्र देना चाहिए जो इस बात के लिए उकसाते थे, मांगे राम गुप्ता और ए सी चौधरी को भी इस्तीफा देना चाहिए था, उनको भी त्याग पत्र देना चाहिए था अकेले भजन लाल को दोशी कैसे ठहराया जा सकता है?

ि ाक्षा मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, पंजाब की विधान सभा ने यूनानीमैसली एस वाई एल नहर के बारे मे रेजोल्यू ान पास किया था उस वक्त हरियाणा प्रदे ा के मुख्यमंत्री चौधरी औम प्रका ा चौटाला थे। हम विपक्ष मे बैठते थे। हमने उनको यह प्रस्ताव लाने के लिए कहा कि हम भी इसी

प्रकार का प्रस्ताव यूनानीमैसली लायें। हरियाणा के 90 के 90 एम एल ए इस हाउस मे बैठे है चाहे कोई एम एल ए किसी भी पार्टी का हो हम सभी अपना त्याग पत्र देकर सैंट्रल गवर्नमैंट को पे ा करें कि हरियाणा के साथ अन्याय हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इतना अन्याय हम बिल्कुल स्वीकार नही करेंगे। हम इस्तीफा देकर जा रहे है। उस समय चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी तैयार नही हुए? हमने तो 90 के 90 एम एल ए के लिए कहा था उस समय इन्होने उस बात को स्वीकार क्यों नही किया?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, जब हनहोने इस्तीफा दिया था उस समय असैम्बली का केवल एक महीना बाकी रहा था।

श्री औम प्रका ा चौटालाः मांगे राम गुप्ता जी तो हमारे को उंगली लगाकर बीच मे सरक गये।

श्री मांगे राम गुप्ताः आपको तो जनता ने हरा दिया आपने इस्तीफा नह दिया जनता ने आपको ठुकरा दिया।

श्री औम प्रका ा चौटालाः मांगे राम गुप्ता जी यह तो रिकार्ड की बात है जब यमुना एकार्ड हुआ उस वक्त की बात है।

श्री रणदीप सिह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी से यह पूछा जाए कि यमुना अकार्ड कब हुआ था और इन्होने इस्तीफा कब दिया था और विधान सभा का कार्यकाल उस समय कितना बचा हुआ था?

श्री औम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, जिस कमेटी का आप जिक्र कर रहे है वह केवल मात्र लीपापोती है।

श्री अध्यक्ष: यह कमेटी तो हाउस की सैंस से सर्वसम्मति से बनाई गई है अगर हाउस ही इस बात के लिए लीपापोती करना चाहता है then you are also part of the House. आप उस कमेटी की मीटिंग में कभी नही आये।

श्री औम प्रका ा चौटाला: **********

श्री अध्यक्ष: ये भाब्द हाउस की कार्यवाही से निकाल दियें जायें। It is wrong to suggest there things. (Interruptions) Nothing is to be recorded whatever has been said by Shri Om Parkash Chautala without giving my permission. (Interruptions) Mr Chautala, you may please address to the Chair.

श्री औम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, यहां तक कि सदन के किसी सदस्य ने यह कहा था क्योंकि निि चत रुप से यह बात रिकार्ड मे भी रही होगी कि अगर इस पानी का बंटवारा हो गया तो महायुद्ध हो जाएगा। दो महायुद्ध तो मैने सुने है मगर यह तीसरा महायुद्ध किस बात को लेकर हो जायेगा?

संसदीय सचिव (कुमारी भाारदा राठौर): माननीय स्पीकर सर, हाउस के माननीय सदस्य के बडे सुपुत्र श्री अजय चौटाला का ब्यान आया था कि अगर इस पानी का समान बंटवारा हो जाएगा तो प्रदे ा मे गृह युद्ध हो जायेगा।

श्री औम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, वह कभी इस सदन का सदस्य नही रहा।

कुमारी भाारदा राठौर: माननीय स्पीकर सर, मैने यह कहा है कि इस हाउस के माननीय सदस्य के बडे पुत्र ने ऐसा कहा है।

श्री औम प्रका ा चौटाला: आपने यह कहा है कि सदन के सदस्य ने कहा।

श्री रणदीप सिह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, भाारदा राठौर जी ने यह बात कही है कि इस सदन के सम्मानित सदस्य श्री औम प्रका ा चौटाला जी के बेटे ने यह ब्यान दिया था। आप इनसे यह पूछ लें कि माननीय चौटाला जी हांसी बुटाना नहर के बनने के हक में है या नही?

श्री औम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय,मै on the floor of the House. इस बात का पक्षधर हूं कि हरियाणा प्रदे ा के किसानो के खेत की सिंचाई के लिए जयादा से ज्यादा जितनी नहरे बने, हम उसके लिए तैयार है इसके लिए अगर हमें उस नहर की खुदाई के लिए खुद जाकर कस्सी चलानी पडी तो हम उसके लिए भी तैयार है।

श्री अध्यक्ष: आपसे माननीय मंत्री जी ने एक स्पैसिफिक क्वै चन पूछा है। आप उसका उत्तर बतायें।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: मैने यह पूछा है कि आप इस नहर के बनने के पक्षधर है या नहीं

श्री औम प्रका ा चौटाला: हम इस बात के लिए तैयार है लेकिन सरकार यह स्पश्ट करें कि हांसी बुटाना लिंक नहर के लिए पानी कहां से आयेगा क्योंकि एस वाई एल नहर के सवाल पर सरकार की तरफ से कोई तवज्जोह नही दी जा रही है। किसाउ, रेणुका, और लखवार डैम पर सरकार तवज्जोह का दावा कर रही है। मुझै सरकार यह बताएकि उस नहर मे पानी कहां से आएगा? सरकार जो नहर बना रही है उसको पंक्चर करने की क्या कोई व्यवस्था है? जब जब रियासतो का कही भी डिस्पयूट होता है तो उस पर सी डब्ल्यू सी फैसला करती है या फिर यह फैसला अदालत के लिए विचाराधीन है। सर्वोच्च न्यायालय मे भी विचाराधीन है।

श्री अध्यक्ष: मंत्री जी, बताएं कि क्या पोजी ान है?

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिह यादव): अध्यक्ष महोदय, मै इनको क्लैरीफाई करना चाहूंगा। इन्होने कहा कि क्या दो स्टेटस का मामला है या नही Central Water Commission has already cleared the project from inter-State remification, Design, cost-aspect, irrigation planning and hydrological aspect. The Minister of Agriculture, Ground Water Board and the Minister of Environment and Forest has also cleared the project. हाल ही मे कल 11 मार्च को सी डब्ल्यू सी की मीटिंग में

हमने ये फैक्ट्स दिये थे। पंजाब का यह कहना था कि एक तो फलड्स आएंगे तो हमने कहा कि जो भी स्ट्रक्चर पंजाब के लोग कहेंगे, हम उसी स्ट्रक्चर को बनाएंगे। दूसरी उनको एप्रीहैं ान थी कि हमारे हिस्से का पानी इसमे चला जाएगा। जिस प्वायंट से हम पंक्चर कर रहे है उस प्वायंट पर 85 परसैंट भोयर हरियाणा का है, 5 परसैंट भोयर पंजाब का है और 10 परसैंट भोयर राजस्थान का है। हमने एफीडैविट मे यह दिया है कि जहां से पंक्चर करेंगे उसका कंट्रोल भी हम बी बी एम बी को देंगे और हमारी वह बात सी डब्ल्यू सी ने मान ली है। अजीमगढ से पंक्चर होगा, यह हमने बता दिया है। कल भी मैने एक बात कही थी। ये कहते है कि हम चाहते है कि ये नहर बने लेकिन बडे अफसोस की बात है कि हाई कोर्ट के अंदर इनके कई साथी जिन्होने पैटी ान डाली हुई है।

श्री अध्यक्षः यह जो 85 परसैंट वाटर भोयर है हरियाणा का है वह किसका भोयर है और हरियाणा के कौन से पार्ट का भोयर है ओर यह पानी कहां चल रहा हैं

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, आप सब जानते है कि यह पानी साउदर्न हरियाणा का है इससे एक डिस्ट्रिक्ट को नही बल्कि 16 डिस्ट्रिक्ट के लोगों को फायदा होगा। दूसरी बात जो इनहोन कही कि हम इसके पक्ष में है, यह बात स्पश्ट है कि इनके ही साथी रामपाल माजरा जी जो पहले इरीगे ान मिनिस्टर थे, उनके द्वारा और कैथल के एरिया के लोगों की तरफ से 16 पैटी ान हाई कोर्ट मे डलवाई गई और 16

की 16 पैटी ान हाई कोर्ट ने डिसमिस कर दी है। जब हाई कोर्ट ने डिसमीस् की थी तो यह कहा था कि ये इनोसैंट फार्मर्स का काम नही है and all these 16 petitions filed in the Hon'ble Punjab and Haryana High Court were dismissed. There is a judgement in C.W.P no. 19676 of 2005 and it is written therein that-

"Before parting, we, however, feel that it is important to unmask the petitioners, who have donned the cloak of public interest to raise such issues, which have only laid bare the fangs which do not belong to the innocent face of a farmer, but to someone else; and the petitioner, especially C.W.P No. 19676 of 2005 are a result of an ingenous mind with a purpose other than a public purpose. When viewed from the prism of the tests laid down by the Apex Court for a public interest litigation, we find the essential colours missing the spectrum."

अध्यक्ष महोदय, ये स्ट्रिक्चर्स है। ये जो काम है यह इनोसैंट फेस का नही है इनके पीछे कोई ऐसी ताकत लगी हुई है तो यह काम पूरा नही होने देना चाहती जिस वजह से कोर्ट ने यह बात अपनी जजमैंट में कही है। 5 एस एल पी सुप्रीम कोर्ट मे भी डाली है जो डिसमीस् हो गई है। 2 पैटी ान अभी चल रही है जो पंजाब और राजस्थान ने डाल रखी है। इस प्रकार हमारी जितनी भी बातें है वे सारी सी डब्ल्यू सी ने मान ली है।

श्री अध्यक्षः इन्होने कहा कि पानी कहां से लाएंगे, आपने कहा साउदर्न हरियाणा का पानी है तो आप बताएं कि यह

पानी साउदर्न हरियाणा का किस एग्रीमैंट के तहत है ओर कैसे चल रहा है?

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, आप सभी जानते है जिस समय एस वाई एल कैनाल का एग्रीमैंट हुआ था उस समय पंजाब सरकार को पैसा दिया गया था और उस वक्त कहा गया था कि एस वाई एल कैनाल और भाखडा का जो पानी आयेगा वह महेन्द्रग्रढ, झज्जर ओर गुडगांव आदि जिलो को दिया जायेगा। इसके लिए पाकिस्तान को भी करोडो रुपये दिये गये थे। पिछल सरकार ने एस वाई एल का पानी लेने की कोई कोि ा ा नही की। हमारी सरकार पानी का बराबर बंटवारा करना चाह रही है। केवल दक्षिणी हरियाणा की बात नही है बल्कि 16 जिलो को इस नहर से फायदा होगा जिसमे कैथल, झज्जर, जींद जिले भी भाामिल है। अध्यक्ष महोदय, सी डब्ल्यू सी ने हमारी कटैं ान को माना है और अपनी रिपोर्ट मे उन्होने हमारी बात को माना है। विपक्ष के साथियो का कहना है कि हमने कही से कोई परमि ान नही ली, बिल्कुल गलत बात है। हमने हर स्तर पर परमि ान ले रखी है। 29 अप्रैल की तारीख लगी हुई है उसमे हमें जरुर न्याय मिलेगा।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मै भी एक बात कहना चाहता हूं। अगर चौटाला जी बोलना भाुरु कर दैंगे तो वे कहेंगे कि मै बीच में इन्ट्रप्ट कर रहा हूं इसलिए उनके बोलने से पहले ही मै बोलना चाहूंगा कि मंत्री जी ने सारी बातें बताई

है। हमने दो प्र न स्पीकर सर, आपकी अनुमति से औम प्रका ा चौटाला जी और उनकी पार्टी से पूछे है। क्या इनके बेटे ने गोहाना के अंदर यह ब्यान नही दिया कि हांसी बुटाना लिंक नहर बनने से प्रदे ा मे गृह युद्ध हो जायेगा और दूसरा प्र न यह है कि क्या चौटाला जी हांसी बुटाना लिंक नहर के हक में है या नहीं? पानी लाना हमारी सरकार की जिम्मेवारी है, हम अपने आप ले आयेंगे। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा मे ऐसे ऐसे केस है कि एक पिता के दो पुत्र है, उन दोनो पुत्रो की जमीन तक पानी पहुचाने के लिए उनके पिता ने अलग अलग रहवाहे निकाल दिए। एक की जमीन के लिए एक रजवाहा निकाल दिया और दूसरे की जमीन के लिए दूसरा रजवाहा निकाल दिया। यह काम औम प्रका ा चौटाला जी जिस समय मुख्यमंत्री थे उस समय इन्होने किया था। उस समय पूरा दक्षिणी हरियाणा और जींद, रोहतक तथा झज्जर जिले पानी के लिए प्यासे मरते रहे और इन्होने एक एक व्यक्ति के लिए रजवाहे निकाले। अब हम उन रजवाहो से पानी लेकर बाकी के हरियाणा को दे देंगे।

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै तो केवल यही स्पश्टीकरण देना चाहता हूं कि हम इस बात के लिए कतई विरोधी नही है कि हरियाणा प्रदे ा के किसानो के खेतो की सिंचाई के लिए नहरे न बने। हम इसके पक्षधर है लेकिन सरकार दो बातें स्पश्ट करें एक तो इसके लिए पानी की व्यवस्था कहा से की जाएगी? (विघ्न) यह बताने से क्लीयर नही है क्योंकि आप

साथ साथ यह भी कह रहे है कि मामला अभी अदालत मे विचाराधीन है। अध्यक्ष महोदय, यदि भाखडा का ही पानी इस्तेमाल करना है तो उसके लिए नई नहर बनाने की आव यकता नही है क्योंकि हरियाणा प्रदे ा की नहरो का सिस्टम ऐसा है कि किसी भी नहर का पानी किसी भी हिससे मे ले जाया जा सकता है। हमने तो ड्रेनो मे भी पानी डालकर किसानो की सिंचाई कराने का काम यिका था। यह जो नहर बन रही है इसके लिए पिछले गवर्नर अभिभाशण मे 265 करोड रुपये खर्च होना था।

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सर, यह सवाल सदन मे बार बार उठने लगा है कि पानी कहां से आएगा, असल मे तो माननीय सदस्य चौधरी औम प्रका ा चौटाला ओर इनकी पार्टी ने कभी इस बारे मे दिलचस्पी ही नही ली। मुझे इसमे आपकी रुलिंग चाहिए। एस वाई एल मे हरियाणा प्रदे ा का हिस्सा 3.85 एम ए एफ जिसमे से हम 1.7 एम ए एफ नरवाना ब्रांच से ले रहे है। इसलिए यह जो कैनाल अब बनाई जा रही है उसमे जो रिमेएण्डर वाटर जितना भी होगा वह इसमे से भी आ जायेगा। पिछले 30–40 साल से यह होने लग रहा था कि चौधरी औम प्रका ा चौटाला और इनके दूसरे साथी यह सारा पानी सिरसा, फतेहाबाद और हिसार के लिए ले जा रहे थे और वहां पर इस पानी का बहुत ज्यादा दुरुपयोग करने लग रहे थे।

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला जी सिंचाई मंत्री रहे है और उन्हे इसय

बारे में मुझ से ज्यादा ज्ञान है। इनकी इस बात से मै पूरी तरह से सहमत हूं कि हम भाखडा मे से पूरा पानी नही ले पाये। कई मर्तबा हमारी सरकार के वकत ऐसे अवसर आये कि हमने पंजाब की गवर्नमैंट को मैंटीनैंस के लिए पूरे पैसे दिये और हमें उस वक्त उसमे से पूरा पानी मिलता रहा है। लेकिन यह अच्छी बात है मै एक बार फिर उस बात को दोहराता हूं कि पानी मिले और लेागो को ज्यादा से ज्यादा सिंचाई की सुविधा प्राप्त हो। लेकिन हम तो केवल यही जानना चाहते है कि सरकार यह बताये कि यह पानी आयेंगां कहो से? अगर इसी पानी को डिस्ट्रब्यूट करना है तो पानी को तकसीम करना है तो उसके लिए नई नहर बनाने की जरुरत नही थी और फिर जो अन्य नहर बनाई जा रही है उसके लिए 265 करोड का प्रोजैक्ट था। लेकिन राज्यपाल महोदय के पिछले अभिीााशण मे वह 350 करोड रुपए तक पहुंच गया है और जब तक यह बनकर मुकम्मल होगी हो सकता है कि यह 500–600 करोड तक पहुंच जाये। अगर इसमे पंक्चर की इजाजत नही होगी तो फिर यह 600 करोड रुपए वेस्ट हो जाएंगे। इसकी रिकवरी कहां से होगी ये दो बाते सरकार को कम से कम स्पश्ट करनी ही चाहिए? मै सरकार की इस बात से पूरी तरह से सहमत हूं कि पानी आयेगा तो हमें उसका फायदा होगा लेकिन अगर नही आयेगा तो जो आ ांका मै व्यक्त करने जा रहा हूं उसके बारे मे मै सरकार से जानना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, आप इस सवाल में हाईपोथैटीकली क्यों जाते है।

श्री औम प्रका ा चौटालाः नही, अध्यक्ष महोदय, यह हाईपोथैटीकली नही है, इसमे हरियाणा प्रदे ा के मेहनतक ा लोगों का पैसा लग रहा है।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, मंत्री जी ने on the floor of the House यह आ वासन दिया है कि इसके लिए भाखडा को पंक्चर किया जायेगा।

श्री औम प्रका ा चौटालाः स्पीकर सर, उनके कहने से तो नही माना जा सकता क्योंकि फैसला इनके विचाराधीन नही है, फैसला तो अदालत के विचाराधीन है और कल को अदालत क्या फैसला करती है इसका तो किसी को भी कोई ज्ञान नही है। अदालत जब फैसला करेगी उसके बाद ही आप इसको पंक्चर कर सकते है।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, आप इसको पंक्चर करने मे सहमति रखते है।

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै पूरी तरह से इस बात से सहमत हूं क्योंकि हरियाणा प्रदे ा के हितो के लिए हम बडी से बडी कुर्बानी देने के लिए तैयार है और हमने इसके लिए लडाईयां भी लडी है। देखिए, किसान के खेत की सिंचाई के लिए जितनी ज्यादा से ज्यादा व्यवस्था हो सके हम

इसके पक्षधर है, चाहे वह रेणुका डैम हो, चाहे लाखमार डैम हो, चाहे कोई नई नहर बनाई जाये और चाहे नई डिस्ट्रब्यूटरियां लगाई जाये, हमे इस बात से बहुत खु ाी होगी कि किसान को लाभ मिला क्योंकि किसाान के खेत की पैदावार मे पानी देने के लिए केवल मात्र दो ही तो साधन है एक पानी है और दूसरा बिजली का है। अब बिजली के मामले को लेकर तो समूचे प्रदे ा मे कोहराम मचा हुआ है और इस बात से सभी माननीय सदस्य पूरी तरह से अवगत है। आज बिजली है ही नही और बिजली न होने की मार की वजह से किसान पूर्ण रुप से बर्बाद हो गया है। बिजली के मामले मे सरकार की तरफ से घोटाले तो जरुर किये गये लेकिन बिजली पैदा करने के साधन जुटाने का काम नही किया गया। मौजुदा सरकार ब्यान बडे बडे देती है कि अतीत की सरकारो की वजह से यह नुक्सान हो रहा है। अतीत की सरकारो के वक्त मे तो बिजली पैदा हुई। मौजूदा सरकार यह तो बताये कि उन्होने कौन सी ऐसी बिजली पैदा करके दी है। इन्होने गैस बेस्ड जो फरीदाबाद मे पावर प्लांट है 1032 मैगावाट का गैस आधारित थर्मल प्लांट जिसकी मुख्यमंत्री भुपेन्द्र सिंह हुडउा ने 25 अगस्त, 2005 को आधारि ाला रखी। अध्यक्ष महोदय, 31 महीने हो गये आधारि ाला रखे लेकिन अब तक उस पर एक ईंट भी नही रखी गई है।

श्री अध्यक्षः यह तो अब गैस की उपलब्धता पर निर्भर करता है।

श्री औम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, यह बात तो आधारि ाला रखने से पहले सोचनी चाहिए थी।

श्री अध्यक्ष: चौटाला जी, यह गैस का एग्रीमैंट झज्जर मे एक पब्लिक मीटिंग मे हुआ था मै भी उस मीटिंग मे भाामिल था। गेल के साथ यह समझौता हुआ था कि उस समय गेल ने कहा था कि हम गैस उपलब्ध्या करवायेंगे लेकिन उसमे उसको गैस नही मिल पाई।

श्री औम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, आपको तो पता है लेकिन हमे इस बात का ज्ञान नही है। आधारि ाला रखी 25 अगस्त, 2005 को लेकिन उस पर आज तक कोई काम नही हुआ है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, जो फैक्च्यूवल पोजी ान है वह मै बताना चाहता हूं। भाायद चौटाला जी को यह मालूम नही है कि हिन्दुस्तान मे जा गैस है वह प्रांत की मलकियत नही है, राज्य सरकारो की मलकीयत नही है। it is treated as a national assets. और उसकी एक्सपलोरे ान के राईटस हमारे पास सरकार की कम्पनियो के पास भी है और कुछ प्राइवेट कम्पनियो को ऑक ान करके ऑयल ब्लाक्सय जो दिये गये है उनको भी गैस मिलती है। दूसरी बात है गैस की उपलब्धत और साथ साथ गैस के रेट का निर्धारण। हम सरकार से हरियाणा के लिए जो गैस मांग रहे है ताकि सस्ती बिजली दे सके।, वह

सरकार के द्वारा निर्धारित रेअ पर गैस मांग रहे है उसके लिए भारत सरकार के बहुत सारे इ यू है सर। Emp[owered Group of Ministers, External Affairs Minister श्री प्रणब मुखर्जी की अध्यक्षता मे बना हुआ है जो सभी कंपनियो से प्राइवेट सैक्टर और सरकारी कम्पलियो से बात करके एक रेट को नोटीफाई करेंगे। उसके बाद गैस उपलब्ध होनी भाुरु होगी। अध्यक्ष महोदय, एक प्लांट ही नही हमने तो गैस बेस्ड प्लांअ के और भी कई अनुबन्ध किये हैं जब गैस उपलब्ध हो जायेगी तो वे सारे प्लांटस भी हूम चालु करेंगे। अध्यक्ष महोदय, एक बात मै और तथ्यो के आधार पर क्लैरीफाई करना चाहता हूं कि हरियाणा के गठन के बाद जो केवल 1587.4 मैगावाट के कोयले पर आधारित थर्मल प्लांट हरियाणा मे लगे हुए है उनमे से अधिकतर कांग्रेस के कार्यकाल मे लगे है। इस सरकार ने पहली बार 5 हजार मैगावाट बिजली पैदा करने के लिए 24 हजार करोड रुपये का निवे ा करने का निर्णय किया है। अध्यक्ष महोदय, जिस सरकार का प्लांड बजट केवल 5 हजार करोड से कम हो और आज वह सरकार 24 हजार करोड का निवे ा केवल बिजली उत्पादन के अन्दर कर रही है। यह सारी बिजली 2009 के आखिरी 2010 के भाुरु तक मिलनी भाुरु हो जायेगी।

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, सरकार की सकीयता का अंदाजा इसी बात से लग रहा है कि हमारी सरका के समय मे यमुनानगर मे दीन बन्धु सर छोटूराम के नाम पर एक

थर्मल पावर प्लांट की आधारि ाला रखी गई थी। उसके बाद मुख्यमंत्री जी ने एक नई आधारि ाला तो जरुर रखी लेकिन उसके उपर 3 सालो के दौरान एक यूनिट बिजली की भी पैदावार नही हुई है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, यह बात तथ्यो से परे है। वहां पर मार्च, 2005 मे जब हम गये तो स्पाट मैदान पडा था। पत्थर तो इनके पिताजी ने भी रखा था लेकिन कुछ भी काम नही हुआ। 12 साल तक वह इसी प्रकार पडा रहा। आखिर मे आकर चौधरी भुपेन्द्र सिंह हुडडा जी ने उसे भाुरु किया। आज वह प्लाट इस समय बिजली प्रोडक ान कर रहा है। उसकी पहली यूनिट 300 मैगावाट की चली हुई है और अब तक 850 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन कर चुका है और चौटाला जी कह रहे है कि एक यूनिट भी बिजली पैदा नही हुई है। यह बात तथ्यो से परे है।

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इसको क्वै चन आवर न बनायें। मै आपसे अनुरोध करुंगा कि मुझे अपनी बात कहने दें।

श्री अध्यक्षः जो फैक्चयुअल पोजी ान है वह तो पता चलनी ही चाहिए ताकि हरियाणा प्रदे ा के लोग भी इस बात को जान सके। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री औम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, ठीक है आप फैक्च्यूअल पोजी ान सुने तो सही, मै फैक्च्युअल पोजी ान आपको बताने जा रहा हूं। हमारी सरकार के वक्त उसकी आधारि ाला रखी गई थीं (विध्न)

श्री अध्यक्ष: इन्दौरा साहब, आप ये देंखे कि इस वक्त आपके लीउर बोल रहे है। इसलिए आप उनको सुनें। (विध्न)

श्री औम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, आप यह बात दूसरे लोगों को भी बोलें।

श्री अध्यक्ष: दूसरे तो बंद ही है। No running commentary please.

श्री औम प्रका ा चौटाला: स्पीकर सर, मै यह कह रहा था कि जिस कम्पनी को यह काम दिया गया था उस कम्पनी ने हमारी सरकार के वक्त एक दरख्वास्त दी थी कि उसे अपनी एक सहयोगी कम्पनी को बदलने की इजाजत दी जाये। वायदे के मुताबिक उस वक्त हमारी सरकार का एक निर्णय था कि जो फैसला पहले लिया गया है उसको बदला नही जाएगा। हमने उनकी दरख्वास्त रिजेक्ट कर दिया था क्योंकि उसकी वजह से सरकार को नुक्सान होना था। अध्यक्ष महोदय, मौजूदा सरकार के वक्त 13 जून, 2005 को नई सरकार बनने के बाद उस कम्पनी ने सरकार को एक दरख्वास्त भेजी की हमे अपनी नई कंपनी जो डांग फोंग इलैक्ट्रिक कार्पोरे ान है, उसकी बजाय हमे नई कंपनी

को साईन करने की इजाजत दी जाए क्योंकि वह हमें म ीने सप्लाई करेगी। उस सरकार ने 13 जून, 2005 को उनकी उस दरख्वास्त को नामंजूर कर दिया। उसके बाद पता नही क्या हुआ कि 15 तारीख 2005 करे ही उस कंपनी से एक नई दरख्वास्त लेकर उसको मान लिया गया और उसकी वजह से सरकार को कम से कम 400 करोड रुपये का नुक्सान हुआ। जो पैनल्टी सरकार को मिलनी चाहिए थी सरकार को उसका नुक्सान हुआ। उसके बाद बडी जल्दबाजी मे अप्रैल 2007 से पहले कम्प्रोमाईज किया जाना चाहिए था लेकिन उसके लिए सरकार ने उनको फिर अनुमति प्रदान की कि एक नवम्बर, 2007 तक उसको मुकम्मल कर दें। एक नवम्बर को बडी जल्दबाजी में मुख्यमंत्री जी ने उसको फायदा पहुंचाने के हिसाब से उसको कोयले से फायर करने की बजाए तेल से करवाने का काम किया। अध्यक्ष महोदय, चार महीने के बाद अब तक भी उस यूनिट से जो 300 मैगावाट बिजली का उत्पादन होना चाहिए था वह अब तक नही हो पा रहा है।

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, आपके मुताबिक कितना उत्पादन हो रहा है?

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, अभी तक यह 300 मैगावाट से कम हो रहा है। (विघ्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, इन्होने पहले यह कहा था कि एक युनिट बिजली का उत्पादन भी वहां से

नही हो रहा है। (विघ्न) सर, इस बारे मे आप रिकार्ड निकाल कर देख सकते है कि इनकी कौन सी बात सच है?

श्री औम प्रका ा चौटाला: वह कमि र्यल के हिसाब से नही है। अध्यक्ष महोदय, मै यह कह रहा था कि इसकी वजह से उस कम्पनी पर जुर्माना लगना चाहिए था। उस जुर्माने से छूट देने का काम भी इस सरकार ने यिका जिसकी वजह से स्टेट को कम से कम 200 करोड रुपये का नुक्सान हुआ है। अध्यक्ष महोदय, बिजली की कमी के दृश्टीगत इन्होने कैबिनेट मीटिंग मे एक निर्णय लिया। उस कैबिनेट मीटिंग मे भाायद चटठा साहब भी उस वक्त मंत्री थे, उस वक्त एक फैसला हुआ था कि क्योंकि हरियाणा प्रदे ा मे बिजली की कमी है, उस बिजली की कमी को पूरा करने के लिए कैबिनेट मीटिंग बुलाई गई थी उस मीटिंग मे एक ऐसी कम्पनी जो किसी कांग्रेसी सांसद के भाई की कंपनी है उससे बिजली का एग्रीमैंट किया गया और 13450 करोड रुपये का यह सौदा किया गया। स्पीकर सर, होना तो यह चाहिए था कि उसको जल्दी से जल्दी पूरा किया जाता लेकिन उस कंपनी का उत्पादन 2009 मे होना है। कैबिनेट मीटिंग की अप्रूवल के बाद चूंकि बिजली की कमी है इसलिए उसको जल्दी से जल्दी लेने के लिए एग्रीमैंट करके उनको पैसा दिया गया। वह कंपनी उत्र प्रदे ा सरकार को एक रुपये 90 पैसे मे प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली देने की पे ाक ा करती है। (विघ्न) वही दूसरी तरफ हमारी सरकार ने उससे एग्रीमैंट किया था कि वह पौने तीन रुपये प्रति

यूनिट के हिसाब से बिजली देंगे। स्पीकर सर, इसकी वजह से कितना बडा घोटाला हुआ है, इस घोटाले के लिए कौन दोशी है यह तो समय आने पर अपने आप तय होगा लेकिन यहां पर बिजली की तरफ तो कोई तवज्जो ही नही है। स्पीकर सर, आज ि ालान्यास तो रखे जा रहे है, यह बहुत अच्छी बात है। झाडली मे जिस रोज आधारि ाला रखी उसके बाद तो बिजली की कही झड गई और लोगों को कही दिखाई नही दे रही है। लोग त्राहि त्राहि कर रहे है कि बिजली कहा ंचली गई है। ये लोग कहते है कि 4.5 हजार मैगावाट बिजली पैदा करेंगे, यह बहुत अच्छी बात है। बिजली आज हर आदमी की नसैस्टी है, उद्योग की धुरी है। किसान को बिजली चाहिए, व्यापारी को बिजली चाहिए लेकिन बिजली कहां है, सरकार बिजली का उत्पादन करके बताए तो अच्छी बात होगी। अभी ये कह रहे है कि प्रोडक ान बढ गया है लेकिन वह बिजली है कहा। हरियाणा प्रदे ा मे तो बिजली है नहीं। यह बिजली कहां जा रही है यह अभी भी समझ मे नही आ रहा है। लेाग हमसे पूछते है कि हमारी सरकार के वक्त में बिजली कहां से आती थी यह बात तो लोगों को इनसे पूछनी चाहिए। स्पीकर सर, हमारी सरकार के वक्त मे हम हरियाणा प्रदे ा को बिजली देते थे। क्योंकि कांग्रेस की सरकार दिल्ली से चलती है इसलिए दिल्ली के लोगों को राजी करने के लिए बिजली दिल्ली भेजी जा रही है जबकि हरियाणा प्रदे ा मे बिजली न होने के कारण त्राहि त्राहि मची हुई है। (विध्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, ये फिर उसी प्रकार का माहौल पैदा कर रहे है। क्या चौटाला साहब के पास बोलने के लिए मसाला खत्म हो गया है? (ाोर एवं व्यवधान) अब इनके पास बोलने के लिए कुछ नही रहा है। अब ये यहां से जाएंगे। (ाोर एवं व्यवधान) इन्होने यहां से जाने का मन बना लिया है। अब ये सदन से भागने की भूमिका तैयार कर रहे है। (ोार एवं व्यवधान)

श्री औम प्रका ा चौटाला: **********

Mr Speaker: Nothing to be recorded. चौटाला साहब, मंत्री जी बोल रहे है आप उनको बोलने दे। (ाोर एवं वयवधान) Nothing to be recorded.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, 40 हजार करोड रुपये का निवे ा चौधरी भुपेन्द्र सिंह हुडउा जी कें सरकार के वक्त में हरियाणा मे आया है। नए उद्योग धन्धे हरियाण मे आए है। एक लाख करोड रुपये के निवे ा उद्योगा धंधो का मामला इस समय हरियाणा मे पाईप लाईन में है। (ाोर एवं व्यवधान) इस सरकार के आने के बाद 28 प्रति ात बिजली की खपत हरियाण में बढी है। Sir, on record I want to say on oath, let Sh. Om Parkash Chautala bring a breach of privilege against me. कि एक युनिट बिजली भी प्रांत किसी को नही दी गई है। उलटा चौधरी भुपेन्द्र सिंह हुडडा दूसरे प्रोन्तो से बिजली हरियाणा

में लेकर आए है। If I am wrong, I challenge him to bring a breach of privilege against me. (ाोर एवं व्यवधान)

श्री औम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, पिछले अधिवे ान मे क्वै चन आवर मे स्वयं मुख्यमंत्री जी ने इस बात को माना है कि हरियाणा प्रदे ा की बिजली उतरांचल में, हिमाचल में और महाराश्ट्र मे जा रही है। (ाोर एवं व्यवधान) मै यह रिकाड्र की बात बता रहा हू। (ाोर एंव व्यवधान)

श्री रणदीप सिह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, यह सरासर झूठ है। औम प्रका ा चौटाला जी ने यह आदत बना ली है ये हर बात को तोड मरोड कर पे ा करेंगं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री औम प्रका ा चौटाला: आप यह हाउस की प्रोसिडिंग मे देख लें।

श्री अध्यक्ष: कौन सी प्रोसिडिंग में है?

श्री औम प्रका ा चौटाला: आप यह पिछले बजट सै ान की प्रोसिडिंग मू देख लें।

श्री अध्यक्ष: आप उसकी डेट बताएं।

श्री औम प्रका ा चौटाला: मै आपको डेट देखकर बता दूंगा।

श्री अध्यक्षः चलो ठीक है, ये डेट देखकर बता देंगे।

श्री रणदीप सिह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, इनको कम से कम सदन मे आकर सत्य बोलना चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान) इनके वक्त मे उद्योग घनधे हरियाणा से पलायन करके चले गए थे। (विघ्न)

श्री औम प्रकाश चौटालाः अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने कहा है कि हमारी सरकार के वक्त मे उद्योग धन्धे पलायन कर गए थे। अध्यक्ष महोदय, इस समय इंडस्ट्रीज मिनिस्टर सदन मे नही है लेकिन जब मुख्यमंत्री जी आज आएं तो वे व्हाईट पेपर जारी करें कि हमारे समय मे हरियाणा मे कोन कौन से उद्योग पलायन कर गए थे। (ाोर एवं व्यवधान)

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिह यादव): चौटाला जी, आपके समय मे लिबर्टी पलायन कर गई थी। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री औम प्रका ा चौटालाः कोई इंडस्ट्री पलायन नही की है। (ाोर एवं व्यवधान)

भाहरी विकास मंत्री (श्री ए सी चौधरी): चौटाला जी, मै आपको बताता हूं। अध्यक्ष महोदय, मै अदब से नाम लेकर बताता हूं। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद हरियाणा मे सबसे बडा औद्योगिक सैन्टर रहा है। चौटाला साहब का राज आने के बाद आम बच्चे के जुबान पर यह आ गया था कि चौटाला साहब आए और फरीदाबाद को फकीराबाद बना दिया। उस वक्त

फरीदाबाद मे न्यू इन्डस्ट्रीयल टाउन के नाम पर 200 के करीब उद्योग थे। लेकिन इनके वक्त में वहां चार या पांच उद्योग रह गए थे, बाकी सारे के सारे उद्योग वहां से इनके राज के वक्त मे पलायन करके राजस्थान और नोएडा मे चले गए थे। अध्यक्ष महोदय, मै खुद इन्डस्ट्री मिनिस्टर रहा हूं इसलिए यह बात पूरे दावे के साथ कह रहा हूं। मैं इनको याद दिलाना चाहता हूं कि इनके राज मे हमारा पूरा का पूरा भाहर उजड गया था। अध्यक्ष महोदय, आज ये बिजली के मामले मे भी पूरे का पूरा श्रेय लेना चाहते है। अध्यक्ष महोदय, मै बिजली मंत्री भी रह रहा हूं इन्होने अपने समय मे बिजली की खपत इस तरह से की जिस तरह से गाडियो मे स्पीडो मीटर लगे होतेा है और उनमे स्पीड 0 से 180 दिखाई होती है। इन्होने लगे लगाए प्लांटस को जहां 100, 80–90 मे आना चाहिए वहां उनको ये 140 और 160 पर ले गए। जो भी प्लांट एक बार बिगडा वह महीनो नही खडा हो सका। आज ये उद्योगो का नाम लेते है लेकिन जब उद्योग रहे ही नही तो नाम क्या लैंगे? अगर ऐसी बात नही है तो ये भी चुनौती दे दें और मै भी चुनौती दे देता हूं।

कैप्टन अजय सिह यादवः स्पीकर सर, इनकी वजह से ही करनाल मे लिबर्टी वाला भाग गया था। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री नरे ा कुमारः स्पीकर सर, इन्होने बहादुरगढ मे बिसकुट की पारले फैक्ट्री के सामने नीवं खुदवाकर दीवार बनवा दी थी जिसके बाद वह भागकर राजस्थान चला गया था। उससे

इनके लउके और इनके एम एल ए उगाही मांगते थे। इससे दस करोड रुपये मांगे थे। इन्होने लिबर्टी फैक्ट्री भी करनाल मे बंद करवा दी थी। रेहडी वालो से इनके एम एल ए के गुण्डे थैले लेकर दस दस रुपये मांगते थे। इन्होने धारुहेडा मे भी एक फैक्ट्री बंद करवा दी थी।

श्री अध्यक्षः ये जो भी बोल रहे है वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री औम प्रका ा चौटालाः स्पीकर सर, ********** (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बलवन्त ंसिंह सढौराः स्पीकर सर, ********** (ाोर एवं व्यवधान)

(इस समय इंडियन ने ानल लोकदल के कई सदस्य हाउस की वैल के नजदीक आ गए और जोर जोर से बोलने लगे।)

श्री नरे ा कुमार प्रधानः स्पीकर सर, ये गांव गांव मे जाकर कहते थे कि मुझे एक बार सत्ता की सीढी चढा दो तो मै तुम्हारी चार पीढी का जुगाढ करवा दूंगा लेकिन इनकी बात कोई सुनने को तैयार नही था। ये तो अपने विधायको को जहाज के अंदर पीटते है जबकि आज ये इतराते है।

श्री रणदीप सिह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, जो पाप इन्होने किए है वह पाप तो अब खुलेंगे ही। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr Speaker: Please take your seat. (ाोर एंव व्यवधान) आप सभी बैठें, आप सबको बुलवाएंगे। चौटाला साहब, आज आपको बुलाया गया है। (Interruptions) Please take your seat. पण्डित जी, आप पर इल्जाम लगाया है कि आप कितने पढे लिखे है आप बताएं कि आप कितने पढे लिखे है।

श्री नरे ा कुमार प्रधानः स्पीकर सर, दसवीं फेल।

श्री अध्यक्षः अब चिडाना साहब, आप बताएं कि आप कितने पढे है और आपका लीडर कितना पढा है? आप इल्जाम लगा रहे है तो आप बताए। (ाोर एवं व्यवधान) ये सदन का सम्मानित साथी है (ाोर एंव व्यवधान) Nothing to be recorded.

श्री बलवंत सिंह सढौराः स्पीकर सर, ********** (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप सभी बैठें। दलाल साहब, औम प्रका ा चौटाला जी एक घंटा चार मिनट बोले है। चौटाला साहब, अब आप वाईंड अप करें (ाोर एवं व्यवधान)

प्रो0 छतर पाल सिहः स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। स्पीकर सर, खेदड गांव जो कि मेरी कांस्टीच्यूएंसी में पउता है वहां पर डाक्टर मनमोहन सिंह जी को लेकर हमारे

मुख्यमंत्री जी आए थे और उन्होने वहां पर 1200 मैगावाट के थर्मल पावर प्लांट की आधारि ाला रखी थी। अभी औम प्रका ा चौटाला जी बिजली के उपर बहुत लम्बा भाशण कर रहे थे खुद वाहवाही लूटने के लिए और सरकार पर ब्लेम करने के लिए। यह तथ्यो पर आधारित है कि साढे पांच साल मे इन्होने हरियाणा के अंदर राज किया है जब कांग्रेस की सरकार 1991 से लेकर 1996 के बीच में थी जिसमे मै भी वजीर था और उस कांस्टीच्यूएंसी को रिर्पैजैंट करता था तो उस समय 1065 मैगावाट का थर्मल प्लाट खेदड मे लगना नि चत हुआ था, उसकी जमीन भी ऐक्वायर कर दी गयी थी और किसानो को उसका पैसा भी दे दिया गया था। स्पीकर सर 1996 तक ये फार्मेलिटीज पूरी हो चुकी थी लेकिन उसके बाद साढे पांच साल तक ये श्रीमान जी मुख्यमंत्री रहकर चले गए लेकिन इनहोने उस पावर प्लांट के उपर एक ईंट भी रखने का कभी काम नही किया। स्पीकर सर, क्या उस कांस्टीच्यूएंसी का कसूर यह था कि वहां से माननीय चौधरी देवी लाल जी ने चुनाव लउकर ि ाकस्त ले ली थी। हरियाणा प्रदे ा के इंट्रस्ट को वाच करना मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी बनती है। यही तो ईक है कि इन बातो को सोचकर हरियाणा प्रदे ा के विकास पर रोक लगा दी जाए। इस किस्म की नीयत से इन्होने भाशण देते हुए कहा कि हमने 10 हजार रुपये तक कर्ज माफ कर दिए। आपको याद होगा कि इन्होने सरकार ही इस आधार पर बनाई कि सभी लोगो का हम कर्जा माफ करेंगे। कांग्रेस की सरकार ने कभी कोई वायदा नही किया। चौधरी भुपेन्द्र सिह हुडडा ने बिजली के

बिलो की पैनेल्टी और ब्याज माफ किए। हमारी सरकार ने 1600 करोड रुपये के बिजली के बकाया बिल माफ किए और बिजली यदि पैदा की है तो कांग्रेस सरकार ने की है।

श्री औम प्रका ा चौटाला: इस सदन के हर सदस्य को बोलने का अवसर आप देंगे ही। अभी उद्योग धंधो के पलायन का जिक्र भाायद सदन मे चल रहा था।

श्री अध्यक्ष: आप ये ' ाायद' वर्ड बहुत लगाते है। यह आपका तकिया कलाम लगता है।

श्री औम प्रका ा चौटाला: अभी कहा जा रहा था कि हमारी सरकार के वक्त मे बहुत ज्याद उद्योग धंधे पलायन कर गये थे लेकिन हमारी सरकार के वक्त मे किसी उद्योग धंधे ने पलायन नही किया बल्कि पिछले दिनो मुख्यमंत्री जी तो इंडस्ट्रीयल ग्रुप लेकर विदे ा गए थे। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: आपने 11 बजकर 14 मिनट पर बोलना भाुरु किया था।

श्री औम प्रका ा चौटाला: मेरा टाईम तो आप खराब करते है।

श्री अध्यक्ष: मै आपको ऐउवाईज करता हूं कि प्लीज, आप अपने दायरे में रहे। it is my duty to put the record straight. Mr Chautala, please carry on your speech and conclude it.

श्री औम प्रका ा चौटाला :आप हरेक को चाहे जिसको बीच मे बोलने के लिए खडा कर देते हो।

श्री अध्यक्षः आप भी प्वायंट आफ आर्डर पर बोलने के लिए खडे हो सकते है।

श्री औम प्रका ा चौटालाः इससे जयादा गलत बात क्या होगी कि मुख्यमंत्री के साथ जो उद्योग का डैलीगे ान गया था उसमे एक उद्योगपति के साथ एम और यू साइन किया गया जिसकी वजह से उनका उद्योग उतरांचल और हिमाचल के लिए था, न कि हरियाणा के लिए था।

श्री रणदीप सिह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। जब चौटाला जी मुख्यमंत्री थे तो ये अपने साथ प्राक्लेड औफैंउसर्ज को अपने साथ विदे ाी दौरे पर ले जाया करते थे।

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, आप कंक्लूड करें आपको बोलते हुए 1 घंटा 8 मिनट का समय हो गया है। आपको पांच मिनट का समय और दिया जाता है।

श्री औम प्रका ा चौटालाः मेरा अधिकार है और मै पूरा समय लूंगा।

श्री अध्यक्षः आपका अधिकार है। सरटेनली आपका अधिकार है लेकिन दूसरे सम्मानित सदस्यो के अधिकार छिनने का

आपका अधिकार नही है। (Interruptions) I am performing my duty.

श्री औम प्राक ा चौटालाः यह अधिकार किसी को नही है कि वह प्वायंट आफ आर्डर के नाम पर भाशण झाडे।

Mr Speaker: Mr Chautala, please carry on your speech. Please, no interruptions from any side.

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आज यहां उद्योगो की बात हो रही है। इस सरकार के बनने के बाद मजदूरो पर लाठी चार्ज किया गया। किसी भी डैमोक्रटिक सिस्टम मे किसान धरने भी देते है, प्रद र्ान भी करते है।

श्री रणदीप सिह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, चौधरी औम प्रका ा चौटाला के हाथ तेा दर्जानो किसानो के खुन से सने हुए है। छाज तो बोले, छलनी भी बोले। हमारे जिले में कंडेला की धरती है जो कि गुप्ता जी की कांस्टीच्यूएंसी के गांव मे पडती है। आज भी कंडेला की धरती इनके द्वारा किए गए अत्याचारो की कहानी कहती है। आज भी हजारो हजारो गोलियां कण्डेला गांव की दीवारो पर लगी हुई है जो इनके अत्याचार की कहानी कह रही है। एक अहंकारी ऐसा मुख्यमंत्री जिसने घोडो की टापो के नीचे लोगों को रौंद दिया हो क्या वह आज बात करेंगे?

श्री औम प्रका ा चौटालाः **********

Mr Speaker: Don't cast asperations on the chair. इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए।

श्री औम प्रका ा चौटाला: **********

श्री अध्यक्ष: आप उल जलूल बात करते है इसलिए आपकी बात रिकार्ड नही हो रही है। (विध्न)

श्री औम प्रका ा चौटाला: **********

श्री अध्यक्ष: चौधरी साहब, ये तो आपकी सारी बातें पहले ही जा चुकी है अब आप बैठ जाइयें। (विघ्न)

श्री औम प्रका ा चौटाला: **********

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, मै माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि एस ई जेड के नाम पर किसानो की एक इंच भी नाजायज भूमि को एक्वायर नही किया गया। जब ये हाउस को बरगलाने की कोि ा ा करेंगे तो स्पीकर सर, मुझे यह बात कहनी पडेगी। यह इनका अधिकार क्षेत्र नही है। अध्यक्ष महोदय, मै सरकार की तरफ से चुनौती देता हू कि आप इस बारे मे हाउस की एक कमेटी बना दीजिए। किसानो की एक भी इंच भूमि का अधिग्रहण एस ई जेड के लिए नही हुआ। (ोार एवं व्यवधान)

Mr Speaker: Chaudhary sahib, please address the chair. Nothing to be recorded. (Interruptions)

श्री औम प्रका ा चौटालाः **********

श्री अध्यक्षः इनकी बात रिकार्ड न की जाए। ये तो अनर्गल बाते करने के आदि हो गया है। (ाोर एवं व्यवधान) सदन मे किसी पार्टी की कोई राजनीति नही चलेगी। राजनीति चलेगी तो चौक पे, बाजारो में और ग्राउंड मे यहा पर राजनीति नही चलेगी। No, No यहां केवल फैक्ट्स की बात होगी। Nothing to be recorded. (Interruptions).

श्री नरे ा कुमार प्रधानः अध्यक्ष महोदय, आज जो लोग कानून व्यवस्था की बात करते ळे उन लोगो ने कण्डेला मे 9 किसानो की हत्या करवा दी थी इसलिए इनके खून से हाथ रंगे हुए है। स्पीकर सर, दुलीना मे 4 हरिजन भाईयो को इन्होने जिंदा जला दिया था। महम मे इन लोगों ने अपनी एक साथी अमीर सिंह की हत्या करवा दी और उसकी ला ा को खेतो में फेंक दिया था जबकि आज ये सौहार्दपूर्ण की बात करते है, न्याय की बात करते है। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr Speaker: Mr Chautala, I allow you to speak. You may carry on your speech. no body will interrupt you. (Interruptions).

वाक आउट

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आप मुझे बोलने का मौका नही दे रहे है, मुझे बार बार इन्ट्रप्ट किया जा रहा है और मुझे मेरी बात को स्पश्ट करने का मौका नही दिया

जा रहा है इसलिए एज ए प्रोटैस्ट हम सदन से वाक आउट करते है।

(इस समय इंडियन ने ानल लोकदल के सदन मे सभी उपस्थित सदस्य एज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट कर गए।)

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, आपने औम प्रका ा चौटाला को पूरा मौका दिया और आपने तो उनको जाते जाते भी कह दिया कि आप बोले लेकिन सच्ची बात को यह है कि आप चाहे उन्हे एक धण्टे का समय दीजिए, डेढ धण्टे का समय दीजिए लेकिन उनके पास मसाला 5 मिनट का होता है। 5 मिनट के बाद उनका मसाला खत्म हो जाता है और उसके बाद वे कोि ा ा करते है कि किस तरह से चेयर को अस्प ार्न कास्ट करे और किस तरह से दूसरे सम्मानित सदस्यो की तरफ अस्पर्शन कास्ट करें यहां तक कि इन्होने अपने ही साथी डा0 सीता राम तक के लिए कह दिया कि ये क्या बोलेगा। वह जो मानसिकता है जिसमे विधायको के हाथ तोडे जाते थे, खुद पार्टी के विधायको को जहाज मे ले जारक पीटा जाता था, खुद के विधायको को तेजाखेडा फार्म पर ले जाकर बेइज्जत करके कमरो मे बंद करके पीटा जाता था, इनकी ऐसी मानसिकता गई नही है। अध्यक्ष महोदय, मैने कल भी कहा था कि रस्सी जल गई, हरियाणा के लोगों ने जला दी लेकिन बल नही टूटा और वह बल भी हरियाण के लोगों को एक बार फिर निकालना पडेगा। अध्यक्ष महोदय, ये खुद के ही मैम्बर को कहते

है कि ये क्या बोलेगा। सीताराम जी भी चुनकर आए है और इतने ही सम्मानित सदस्य है जितने की औम प्रका ा चौटाला जी। कप्ताल साहब भी उतने ही सीनियर मैम्बर है जितना औम प्रका ा चौटाला जी है और उतना ही राजनीतिक तजुर्बा रखते है। कप्तान साहब 5 बार जीतकर आए है लेकिन ये तो मुख्यमंत्री होते हुए चुनाव हार गए थे। कैप्टन साहब कभी चुनाव नही हारे और लगातार 5 बार जीत कर आए है। औम प्रका ा चौटाला जी कैप्टन साहब की तरफ हाथ करके कहते है कि तू कोन है मुझे रोकने वाला। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे अनुरोध है कि लोकदल के साथियो के लिए कम से कम पार्लियामैंट्री प्रैक्टिस समझाने के लिए अलग से क्लास लगाई जाए क्योंकि ये बाकी सदस्यो के साथ संसदीय व्यवहार करना नही सीख पाए।

सिंचाई मंत्री (कैप्टन अजय सिह यादव): अध्यक्ष महोदय, मै तो इतना ही कहना चाहूंगा कि आप और मै कई सालो तक विपक्ष मै बैठे है। जब कभी औम प्रका ा चौटाला जी मुख्यमंत्री रहे है ये किसी मैम्बर को रिमेनिंग पीरियड के लिए हाउस से निकालते थे तो उसको कभी वापिस नही बुलाते थे। लेकिन अध्यक्ष महोदय, ये आपकी फिराखदिली है कि आपने पार्टी मीटिंग करके इनको बुलाया और इनको बोलने के लिए पूरा समय दिया गया, उसके बाद भी इनको आखिर तक बोलने के लिए कहा। मै इतने सालो तक विपक्ष मे बैठता रहा हूं लेकिन कभी बोलने के लिए मौका नही दिया जाता था लेकिन आप इनके मैम्बर्ज को पूरा समय

दे रहे है। आप इस बार बहुत लम्बा सै ान चला रहे है जबकि इनके समय मे कभी 8–10 सीटिंग से ज्यादा सै ान नही चला। आप चाहे तो रिकार्ड दिखवा लें, आप इतनी फिराखदिली दिखा रहे है फिर भी ये सुधर नही सकते। जैसे कुत्ते की दुम हमे ाा टेढी रहती है उसी प्रकार ये सुधरने वाले नही है और ये ऐसे ही रहेगे।

सुखबीर सिह जौनपुरियाः अध्यक्ष महोदय, एस इ जैड का मुख्यमंत्री औम प्रकाश चौटाला ने भारी विरोध किया। 1700 एकड जमीन ऐसी थी जिस पर औम प्रका ा चौटाला नु मुख्यमंत्री होते हुए 17 बी पॉलिसी लगा दी थी ताकि जमीदंार अपील ही न कर सके। उन्होने उसका 5 या साढे पांच लाख रुपये प्रति एकड मुआवजा दिया था लेकिन हमारे मुख्यमंत्री जी ने वही मुआवजा 24 लाख 90 हजार रुपये प्रति एकड दिया है। ये कहते है कि इन्होने झज्जर मे रिलायंस को फी जमीन दी है लेकिन मै बताना चाहूंगा कि आज तक एक बिसवा भीजमीन कही ऐसी नही है जो गुडगावं या झज्जर के एरिया मे एक्वायर करके दी गई हो, ये जो तथ्य दे रहे है इसमे कहीं कोई सच्चाई नही है। झज्जर मे जहां इनके समय मे जमीन का रेट 4 या 5 लाख रुपये था वह आज 22 या 25 लाख रुपये प्रति एकड हो गया है इसलिए एस इ जैउ का तो मुद्दा ही नही था।

भाहरी विकास मंत्री(श्री ए सी चौधरी): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। चौटाला जी ने दो बार कहा कि उनके

समय मे कोई भी उद्योग पलायन करके नही गया। मै सदन के सामने रिकार्ड प्रस्तुत करना चाहूगा कि मैटल बाक्स, आफॅ इंडिया, फरीदाबाद मे बहुत बडी कंपनी थी जो कि बैस्ट पे मास्टर थी, इंडियन हार्ड वेयर इंडस्टरी, हीतनानी इंडस्टरी, भास्कर इंडस्ट्री, ईस्ट इंडिया कोटन कंपनी और आई ार कंपनी चौटाला जी के मुख्यमंत्री काल मे हरियाणा से पलायन कर गई थी। इसके अतिरिक्त लखानी और बाटा की एक्सटैं ान यूनिट्स दूसरी जगहो पर चली गई। इसके अतिरिक्त जेडोर टूल्ज के चार यूनिट्स और प्रसटोलाईट कंपनीज बंद होकर इनके कार्यकाल मे अपनी जमीन बेचकर हरियाणा से चली गई। इससे बडा और कौन सा सबूत इनको चाहिए। ये सभी कंपनीज चौटाला जी जैसे भले मानस के कारण हरियाणा छोडकर चली गई।

श्री कर्ण सिह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप मुझे उस समय बोलने के लिए समय दे जिस समय औम प्रका ा चौटाला जी सदन में उपस्थित हो क्योंकि जिस समय श्रीमान जी बोल रहे थे उस समय मैने आपना पूरा सब्र रखा है।

श्री अध्यक्षः इस बात की आप गारंटी देंगे कि वे आपकी बात सुनेंगे।

श्री कर्ण सिह दलालः सर चौटाला जी की गांरटी तो इनके बाप ने भी नही ली, मै कैसे ले सकता हूं।

श्री एस एस सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, आपके पीछे जो पिलर है पहले उस पर लिखा हुआ था और अब पट्टी पर लिचाा हुआ है। यदि चौटाला जी को सदन मे बुलाना है तो वह पट्टी सदन से हटवा देनी चाहिए क्योंकि उन्होने तो झूठ के अलावा और कुछ नही कहना। वे झूठ मे पूरे एक्सपर्ट है। उन्होने झूठ बोलने की लैबोरेटरी लगा रखी है। चौटाला जी समझते है कि लेागो को झूठ बोलनकर ही बेवकुफ बनाया जा सकता है। एक बार झूठ बोलकर उन्होने लोगों को बेवकूफ बना भी दिया था लेकिन अब ऐसा नही होगा।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री नरे ा यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपकी अनुमति से राज्यपाल महोदय द्वारा जो अभिभाशण दिया गया है उसका अनुमोदन करने के लिए खडा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण मे बहुत ही उपलब्धियो आर जन कल्याणी योजनाओ से परिपूर्ण है। इसमे प्रदे ा की नीतियो और विकास के साथ साथ सीाी वर्गो का ध्यान रखा गया है जिसके लिए मै चौधरी भुपेन्द्र सिह हुडडा के नेतृत्व वाली सरकार को बधाई देता हू। अध्यक्ष महोदय, हमारे प्रदे ा की नीति का मूल आधार कृशि और किसान है। **(इस समय सभापतियो की सूची मे से एक सदस्य आई जी भोर सिंह चेयर पर पदासीन हुए।)** केन्द्र की सरकार ने किसानो के 60 हजार करोड रुपये के कर्जे माफ करके अपोजी ान के मुहं पर एक तरह से ताला लगा दिया है। सभापति

महोदय, कर्ज माफी की प्र ांसा पूरे दे ा के किसान कर रहे है। सभापति महोदय इसके साथ साथ इसमे मुख्यमंत्री जी से मेरा एक सुझाव है कि प्रधान मंत्री रोजगार योजना के तहत बैकवर्ड हरिजन कलयाण निगम के तहत जो नौजवान लोन लेते है ओर यूनिट न लगाने के कारण कर्जदार हो जाते है तथा लोन वापिस नही कर पाते, वे लोग भी आज बहुत परे ाान है। मै चाहूंगा कि माननीय मंत्री जी उन नौजवानो की तरफ भाी ध्यान दें। भारत सरकार के फैसले से पहले ही हरियाणा सरकार ने बैंको के लोन का ब्याज माफ करके बहुत बडी राहत किसानो को पहले ही प्रदान कर दी थी। लेकिन इसके लिए भी मै सुझाव दूंगा कि इसके उपर भी मुख्यमंत्री जी ध्यान दे कि जो बेरोजगार नौजवान कर्जे में डुबे हुए है जिनकी युनिट उसमे नही आई और जो चिंतित है तो उनको भी हरियाणा सरकार इसमें कवर कर ले। सभापति महोदय, हमारा संगठन 'हरियाणा युवा किसान संधर्श समिति' एक गैर राजनीतिक प्लेटफार्म पिछले 20 सालो से दक्षिणी हरियाणा मे काम कर रहा है। सबसे पहले हमने एस ई जैड के मुद्दे पर आवाज भी उठाई थी और विधान सभा मे भी हमने यह मुद्दा उठाया था। हमने यह मांग रखी थी कि किसान को उसकी जमीन का मालिकाना हक दिया जाये। अगर किसान की खेती की जमीन जाती है तो उसका मालिकाना हक कम से कम किसान के पास रहे क्योंकि उसके पास यही एकमात्र दादालाई सम्पत्ति होती है जो पीढी दर पीछी उसका गुजारा चलाती है। अगर जमीन किसानो की चली जाती है तो उसके पास और उसके बच्चो के पास कोई भी दूसरा रोजगार

का साधन नही रहेगा क्योंकि उसके पूरे परिवार का गुजारा उसी खेती के उपर ही चलता है। हमारी यह मांग थी। माननीय मुख्यमंत्री जी और हरियाणा सरकार ने यह काम किया जिससे हिंदुस्तान मे यह पहली सरकार सबित हुई है जिसने किसानो द्वारा उठाई गई मांग पर जो हमने डिमाण्ड भी नही की थी, माननीय मुख्यमंत्री जी ने यह फैसला लिया कि अगर किसी किसान की एक एकड जमीन एस ई जैड मे एच एस आई डी सी मे या दूसरे उद्योगो के लिए ली जाएगी तो 33 साल तक 30 हजार रुपये प्रति एकड प्रति वर्श उसको मिलेंगे और इसमे 1000 रुपये प्रति वर्श बढोतरी होती रहेगी। पिछले दिनो नीमराना मे एक किसान सम्मेलन हुआ था उसमे हमने माननीय मुख्यमंत्री जी को भी वहां बुलाया था। इससे राजस्थान के लोग बउे अचम्भे में थे कि हरियाणा सरकार ने इतना बडा फैसला कर दिया है जबकि वहां पर किसानो को केवल 2 लाख रुपये ही मिले कोई रोजगार भी नही मिला और लगभग 40–50 हजार एकड जमीन वहां बहरोड, नीमराना और कोटपुतली आदि क्षेत्रो की ली गई। इसक अलावा 15 हजार एकड जमीन तो बिडला सीमेंट फैक्ट्री में चली गई जबकि उससे पूरे एरिया में धुआं और धूल का बहुत ही बुरा माहौल हो गया है लेकिन वहां भी किसान को कभी भी कुछ नही मिला। यह जो भाुरुआत हुई है हरियाणा से, हरियाणा की इस विधान सभा से, हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री जी की तरफ से तो इस बारे मे पूरे दे ा मे एस ई जैड के बारे मे चर्चा चल रही थी, बहस चल रही थी।

श्री फूल चन्द मुलानाः सीाापति महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्उर है। सभापतिम महोदय, सदस्य बहुत अच्छी बातें बोल रहे है पर ये यह चर्चा क्यों नही कर रहे है कि जो साथी उठकर चले गये उन्होने इस प्रदे ा की पंचायतो की और सोसायटीज की कितनी जमीन हथयाई थी किसी ट्रस्ट के नाम पर उसकी चर्चा ये क्यों नही करते कि हरियाणा प्रदे ा मे श्री औम प्रका ा चौटाला के राज मे हरिजनो का इतना दमन किया गया। आपको पता है हरसौला से हरिजनो के 200 परिवार बाहर निकाल दिये गए जिनहे इस सरकार ने बसाया हैं। दुलिना मे 8 हरिजनो को मार दिया गया और उस पर कोई कार्यवाही नही हुई। सभापति महोदय, इनको इस बात का भी जिक्र करना चाहिए कि उनके दिल मे हरिजनो के लिए कितना प्रेम है। उनके रराज मे नौकरी के लिए जाने वाले रिटन टैस्ट मे हरिजन टाप पर रहते थे लेकिन उनको इंटरव्यू मे 0 से 3 तक नम्बर दिये जाते थे, उसका जिक्र भी इनको करना चाहिए। उनको तो एक मुद्दा चाहिए था बाहर जाकर मेरे प्रैस बंधुओ को बोलने ाक कि हमें तो बोलने ही नही दिया जाता इसलिए वे उठकर चले गये है। उसकी भी इनको चर्चा करनी चाहिए।

श्री नरे ा यादवः अध्यक्ष महोदय, आदरणीय मुलाना जी ने जो सुझाव दिए है वे बहुत ही सही सुझाव है और यह बात बिल्कुल सही है। आज हम देखते है कि भाराब के ठेके के माध्यम से कई हजार नौजवानो को लॉटरी के जरिए रोजगार मिल गया है

वर्ना चौटाला जी की सरकार जब 2005 मे आई थी तो ठेको की बोली के समय कह दिया जाता था कि 300 करोड की इकटठी बोली छोडी जाएगी। सीधे एक ही ग्रुप को 4–5 जिले इकटठे करके दे दिये गये और बोलीदाता वहां पर बैठे देखते ही रह गये और उपर से अजय भाई साहब का इ ाारा हो गया कि भाई साहब का मैसेज आ गया है। ऐसे ही गुडगांव मे हुआ, बाहर के टैण्डर हुए, रेवाडी के अंदर भी बाहर का टेण्डर हुआ। यह जो हमारे यहां स्लेट पत्थर होता है उसका रेवाडी मे टैण्डर था और बहुत से नौजवान जिनके खेत वहां पर लगते ाि वहां पहुंच गये। हम भी वहां पहुंच गये। बोली हो गई लेकिन प्र ाासन की हिम्मत नही हुई क्योंकि कुछ ताकतवर लोग वहां पर पहुंच गये। अजय चौटाला जी खुद प्रैजैन्ट थे नहीं बोली हो गई, बोलीदाताओ ने फैसला किया कि जो लोकल लोग है उनको भी कुछ हिस्सा दे दिया जाए। बाद मे वह बोली कैंसिल हो गई और फिर दोबारा चुपचाप बोली लगवाई गई। सभापति महोदय, ये सारी चीजे मै डिटेल मे बाद में बताउंगा क्योंकि कुछ ने ानल इ यू भी है। सेज के मामले मे पि चम बंगाल मे न जाने कितने किसान मारे गये लेकिन वहां की सरकार कोई फैसला नही कर पाई। सेज पर कम्पनी इस बात पर अडी हुई है कि फैक्ट्री वही पर लगेगी। उतर प्रदे ा मे भी खुब आन्दोलन चले। राश्ट्रीय स्तर पर बहुत से नेताओ ने भी इसका विरोध किया, धरने पर भी बैठें। वी पी सिंह भी उतर प्रदे ा मे सेज के विरोध में धरने पर बैठे थे, राज बब्बर भी गये थे। खूब लडाईयां लडी लेकिन सरकार ने कोई फेसला

नही किया कि किसान की अगर जमीन ली जाएगी तो उस किसान के परिवार को बसाने के लिए क्या मिलेगा लेकिन हमारी सरकार ने एक अभूतपूर्व फैसला किया जिसका हमने स्वागत किया और मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद किया क्योंकि पूर्व की सरकार केवल लूट खसोट का कार्य करती थी, केवल अपने परिवार के लोगों के लिए जमीन अधिग्रहण करती थी। गुउगांव मे जो भी जमीन खाली मिली उसको नोटिस भिजवाकर वे अपने कब्जे मे ले लेते थे। आज जो भी उद्योग यहा लगे, जिन कम्पनियो को यहां बुलाया गया, अल्टीमेटली यह फैसला हुआ कि सभी कम्पनियां चाहे वह रिलायंस हो या दूसरी कंपनिया हो, उनको किसान से मार्केट रेअ पर सीधी जमीन खरीदनी पडेगी। अगर मुख्यमंत्री जी इस मसले मे ईमानदार नही होते, उनकी सोच ठीक नही होती तो वे कंपनियो की ओर ही खडे होते। लेकिन अंत मे यही फैसला हुआ कि जो भी कंपनी हो किसान के पास जाये और उनसे भाव तय करें अगर सरकार जमीन दिलवायेगी तो 33 साल तक 30 हजार रुपये प्रति एकड किसान को देने पडेंगे और अगर एच एस आई डी सी यूनिट लगायेगी तो उसको भी देने पडेंगे। यह बहुत ही महत्वपूर्ण फैसला सरकार ने किया है, मै मुख्यमंत्री जी को इसके लिए बधाई देता हू। 15 हजार रुपये सरकारी कार्य के लिए और जो सेज के लिए जमीन उपयोग होगी उसके लिए 30 हजार रुपये देने होंगे। इसमे हर साल बढोतरी भी होगी। 500 रुपये प्रति वर्श सरकारी कार्य के लिए और एक हजार रुपये प्रति वर्श सेज के लिए बढोतरी होगी। जहां तक कृशि का सवाल है 24 जून, 2002 का वह दिन मुझे

आज भी याद है। चौधरी औम प्रका ा चौटाला उस समय पंजाब में फंक ान कर रहे थे। बादल जी, चौधरी देवी लाल जी की मूर्ति को अनावरण कर रहे थे और अटल बिहारी वाजपेयी जी को भी वहां पहुंचना था। हमने इस मौके पर तय किया कि नारनौल के अंदर एस वाई एल कैनाल के मुददे पर प्रद र्ान करना है। पंजाब मे भी उस समय बादल की सरकार थी, हरियाणा मे औम प्रका ा चौटाला जी की सरकार थी और केन्द्र मे अटल बिहारी वाजपेयी प्रधान मंत्री थे सुप्रीम कोर्ट का भी फैसला आ चुका था कि तुरंत प्रभाव से एस वाई एल कैनाल का निर्माण करवाया जाये और यह कार्य सालो व महीनो मे नही बल्कि हफतो मे भ्ारु किया जाये। यह फैसला आने के बाद भी चौटाला जी को कोई चिंता नही हुई। इसके बाद हमने नारनौल मे प्रद र्ान किया और पंजाब की गाडियो को रोकना भ्ारु कर दिया क्योंकि बादल साहब ने कह दिया था कि हम एक बूंद पानी भी हरियाणा को नही देंगे। हम जब प्रद र्ान करते हुए ज्ञापन देने के लिए जाने लगे तो चौटाला साहब ने पंजाब से ही उस समय के एस एस पी और डी सी को आर्डर किया कि इनको रास्ते में ही रोक दो। एक तरफ तो कंडेला कोंड हो रहा है और दूसरी और ये खउे हो गये है तो पानी के उपर हमें कुछ बोलना पडेगा। बोलने के बजाय बादल का साथ देते हुए हमारे उपर लाठी चार्ज किये गये, 307 के मुकद्मे बनाये गये। हमारे किसानो को जेलो में डाल दिया गया। जेलो के अंदर भी हम अन ान पर बैठे रहे। किसी को मिलने तक नही दिया

गया। इस तरह के अत्याचार इनके भाासन काल मे किसानो के साथ, मजदूरो के साथ हुए।

श्री सभापतिः क्या आपके साथी भी हुआ?

श्री नरे ा यादवः हां सर, मै खुद जेल में था। खुद मेरे उपर 307 का मुकदमा था। सभापति महोदय, पिछली बार जब विधान सभा का सै ान चल रहा था और उस समय ओलावृश्टी हो गई थी तो उस समय माननीय मुख्यमंत्री जी खुद महेन्द्रगए जिले मे गए थे। पलवल और मेवाज 2–3 जगहो पर सै ान से जाकर उन्होने अपना हैलीकाप्टर उतारा। उस समय हमारे माननीय चौटाला साहब मण्डलाना गांव मे बैठे हुए थे और मुख्यमंत्री जी महेन्द्रगढ जिले मे उतर रहे थे। मुख्यमंत्री जी यहां से तय करके गए थे और वहां जाते ही उन्होने पांच हजार प्रति एकड की दर से किसानो केा मुआवजा देने की घोशणा की थी। जबकि औम प्रका ा चौटाला जी ने अपने भाासनकाल मे 2 रुपये, 5 रुपये और 11 रुपये का मुआवजा किसानो को दिया। सभापति महोदय, यहां तक कि सिरसा मे जहां इनका अपना हलका है, 25 पैसे का मुआवजा देकर किसानो के साथ भद्दा मजाक किया था। चेयरमैन साहब, जिस प्रकार से किसानो का ओलावृश्टी का मुआवजा दिया गया है उसी तर्ज पर पाले के कारण हुए नुक्सान का मुआवजा भी किसानो को दिया जाना चाहिए। पाले के कारण वहां पर किसानो का बहुत नुक्सान हुआ है। माननीय मुख्यमंत्री जी जब अटेली मण्डी आए थे तो उस समय भी हमने उनसे यह निवेदन किया था कि

पाले के कारण वास्तव मे किसानो का बहुत नुक्सान हुआ है इसलिए किसानो को हुए नुक्सान का कुछ न कुछ समाधान निकाल कर किसानो को कुछ राहत जरुर दें। जो किसान कर्जे मे डूबा हुआ था उसका कर्जा माफ करके उसको कुछ राहत दी गई है लेकिन पाले के कारण जो ुनकसान हुआ है उससे किसान भाई दबा हुआ है। फसल बीमा योजना से भी किसानो को ज्यादा फायदा नही हुआ है। कैप्टन साहब ने कहा था कि पिछली बार फसल बीमा योजना के तहत किसानो को कुछ ज्यादा राहत नही मिली थी। इसको किसी भी तरीके से कवर कर के किसानो को उसका फायदा पहुंचाया जाए जिससे किसान दोबारा खडा हो सके। चेयरमैन सर, यहां पर प ाुधन के बारे में भी मेरी मांग है कि काफी गांव ऐसे है जिनमे वेटरनरी डिस्पैंसरी की बिल्ड़िंग तो बनी हुई है लेकिन वहां वेटरनिटी चिकित्सक नही है। गावों मे प ा अस्पताल बनाए जाने जरुरी है। पिछले तीन साल से हम मांग कर रहे है और हमने 4–5 गावों की लिस्ट भी दी हुई है। इन गावों मे प ा चिकित्सालय खुलवाना और डाक्टर्ज पहुचाना जरुरी है इसलिए इस पर सरकार ध्यान दे। चेयरमैन सर, सिंचाई के बारे मे कैप्टन साहब हमको आ वासन दे रहे है कि हमें पानी मिलेगा। एच वी एल कैनाल के लिए बी एम एल मे पंचर होगा और पानी आएगी। कैप्टन साहब अभी हमारे यहां पर जाकर आए है। नहरो की सफाई पर भी उन्होने खूब पैसा लगाया है इसमे कोई भाक नही है। पिछले सै ान से इस सै ान के दौरान लगभग सभी डिस्ट्रब्यूट्रीज की सफाई का कार्य हुआ है। लेकिन

पानी वहां तक नही पहुंच पाया है। इस बारे में मुझे विभाग के बारे मे भी ि ाकायत है। जब हम चण्डीगढ मे अधिकारियो से पूछते है कि हमारे एरिया के लिए कितना पानी चल रहा है तो यहां के आफिस वाले कहते है कि हम आपके एरिया के लिए 650 क्यूसिक फिट पानी चला रहे है लेकिन जब यह पानी महेन्द्रगढ कैनाल मे पहुंचता है तो यह बहुत ही थोडा रह जाता है। लास्ट बार्डर पर नांगल चौधरी है और वहां तक पहुंचते पहुंचते वह पानी 400 क्यूसिक फुट भी नही रहता। वहां पर एक ऐसी स्थिती बन जाती है कि सिंचाई की बात तो दूर पीने के पानी के भी हमें लाले पड जाते है। जो लोग इंजर वगैरा चलाते है तो उन पर तावान लगाते है। वहां के लोगों के लिए एक ही मुद्दा रह जाता है कि पानी मिले या नही मिल कम से कम जुर्माना माफ कर दिया जाए।

श्री सभापतिः इस विशय पर प्र न काल मे बात हो चुकी है इसलिए अब आप further carry on करें

श्री नरे ा यादवः सभापति महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से एक निवेदन करना चाहूंगा कि हांसी बुटाना लिंक नहर, एस वाई एल नहर के मुद्दे तो कोर्ट मे चल रहे है। एस वाई एल पर जैसे पंजाब के हाउस मे एक सहमति बनी है वैसी ही सहमति यहां पर भी हाउस मे बननी चाहिए। अभी यह मामला कोर्ट के विचाराधी है लेकिन अगर यह मामला कोर्ट से निकल आता है तो हाउस मे इस बारे मे एक परिचर्चा करवा

लीजिए ताकि सब लेागो के विचार सामने आए और इसके लिए एक सहमति बन सके। हांसी बुटाना लिंक नहर के उपर भी हमने आज हाउस मे कार्यवाही देखी है। सभापति महोदय, रणदीप सिह सुरजेवाला जी ने औम प्रका ा चौटाला जी से पूछा था कि आप हांसी बुटाना लिंक नहर के पक्ष मे है कि नहीं सभापति महोदय, उन्होने सदन का सवा घंटा खराब कर दिया लेकिन चौधरी जी ने इस बात का जवाब नही दिया कि वे इसके पक्ष में है कि नही है। इसका मतलब है कि वे हांसी बुटाना लिक नहर को नही चाहते है। सभापति महोदय, हमने काफी लोगों को बताया कि हमारे हरियाणा के अंदर काफी लोग ऐसे बैठे है जो हरियाणा की तरक्की करना नही देखना चाहते है। सभापति महोदय, 1994–95 मे इसी हाउस की चार सदस्यो की कमेटी बनी थी उसमे औम प्रकाश चौटाला बेरी तथा तीन सदस्य और मैम्बर थे। उन्होने ही इस चोरी को पकउा था कि 1977 मे 18 लाख हैक्टेयर पानी केवल दो जिलो को जा रहा था। सभापति महोदय, मै हिसार कृशि वि वविद्यालय मे पढा हुआ हूं और वहां का वैज्ञानिक भी रहा हू। वहां पर अभी कृशी मंत्री जी एक मेले मे आए थे। वहां पर आज भी केवल एक ही मुद्दा है कि सेम की प्रोब्लम से निजात दिलाई जाए। हमारे सदन के साथी सीता राम जी भी यही बात कह रहे थे कि उनके यहां सेम की समस्या का समाधान किया जाए।

श्री सभापतिः यादव जी, उस समस्या का समाधान होने जा रहा है।

श्री नरे ा यादवः सभापति महोदय, वहां पर हजारो एकड जमीन पानी की बहुतायत की वजह से खराब हो गई है। वाटर लैवल बहुत ही उपर जा चुका है। लेकिन वे लोग यह मानने को तैयार नही है। उनकी सरकार के वक्त मे उनकी सोच इतनी बेकार रही कि वहां पर वाटर लैवल बहुत उपर आने की वजह से वहां पर दलदल बन गया है। जबकि दक्षिणी हरियाणा में महेन्द्रगढ, रिवाडी जिले के गोदबलावा, मलथल, गढानिया के 4–5 ब्लॉक ऐसे है जहां पर 1400 फूट पर पानी नही मिलता है। इसी तरह से राधे भयाम भार्मा जी के हल्के के दोस्तपुर गांव मे भी 1400 फूट तक पानी नही मिलता है। सभापति जी, जो इस प्रकार की सोच के लाग यहां बैठे हुए है जब वे सत्ता मे होते हे तो केवल एक जिले की ही बात करते है और जब विपक्ष मे होते है तो कहते है हम हरियाणा प्रदे ा का विकास करेंगे। जब सत्ता मे होते है तो चाहे वि वविद्यालय हो, चाहे युनिवर्सिटी हो, नहर का पानी हो या रोजगार की बात हो सब कुछ एक ही सजिले मे दे दिया जाता है। आज इस सरकार ने एक अच्छी कोि ा ा की है, एक अच्छी भाुरुआत की है। इस सरकार की नियत है कि हरियाणा मे पानी का समान बंटवारा हो। यह एक बहुत ही अहम फैसला है और यह फैसला लेना किसी भी मुख्यमंत्री के लिए बहुत ही मुि कल कार्य था। सभापति महोदय, मै चौधरी बंसी लाल जी की

पार्टी से लोकसभा का चुनाव लडा था। मै आपको एक बात बताना चाहूंगा कि 1994 मे भजन लाल जी की सरकार के वक्त मे एक मर्तबा नारनौल मे किसानो पर लाठियां चलवाई गई थी और वहां पर हमारे नौजवान साथी को पुलिस की गोली लगने से मौत भी हो गई थी तथा सैंकडो किसान घायल हो गए थे। उस वक्त भजन लाल जी ने किसानो पर मुकदमे बनवाए थे। उस वक्त सरकार ने पानी मांगने वालो पर ताना ाही की थी। उसके बाद चोधरी बंसी लाल जी की सरकार आई, हमने उनसे कहा था कि दक्षिणी हरियाणा मे पानी के इक्वल डिस्ट्रीब्यू ान का रौला चल रहा है इसलिए आप इसकी घोशणा हरियाणा मे कर दें। हमने उनसे कहा था कि अभी मुद्दा गर्म है, आप इस बारे मे घोशणा कर दें। चौधरी बंसी लाल जी कहने लगे कि भई नही, यह बहुत मु कल काम है, मेरे से दो बडे जिले नाराज हो जाएंगे। सभापति महोदय, इस सरकार मे मुख्यमंत्री जी ने जो समान पानी के बंटवारे के बारे में निर्णय लिया है उसके लिए मै मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हू। सभापति महोदय, हमारी हाउस मे कामो को लेकर काफी नोंक झोक होती रहती है लेकिन हमने समान पानी के बंटवारे और एस इ जैड के मामले को लेकर अटेली मे मुख्यमंत्री जी का सम्मान किया था और कहा था कि आपने यह बहुत ही स्ट्रांग कदम उठाया है। सभापति महोदय, चौधरी भुपेन्द्र सिंह हुडडा जी हरियाणा मे पहले ऐसे मुख्यमंत्री है जिन्होने बहुत ही स्ट्रांग स्टैप लेकर यह निर्णय लिया है। कैप्टन साहब, मै आपको एक सुझाव देना चाहूंगा कि कई स्टेटस मे बहुत ही दूर

दूर से पाईप लाईन बिछाकर पानी दिया जा रहा है। कैप्टन साहब ये जो हमारा महेन्द्रगढ जिला है, रिवाडी जिला है इनके पलथल और गढानिया मे भी पानी नही है इसलिए वहां पर आप पाईप लाईन बिछा कर पानी पहुंचाने का कश्ट करें नहर बेस्ड स्कीम के तहत जो आपने वाटर टैंक बनाए है और उन पर 200–200 लाख रुपये खर्च कर दिए है, लेकिन फिर भी पानी नही पहुंच रहा है। कैप्टन साहब मेरा सुझाव है कि जो मेन महेंन्द्रगढ कैनाल लहरोदा के पास है जहां पर हमे ाा पानी रहता है वहां से पाईप लाईन बिछाकर उन जगहो पर पानी दिया जाए। सर अभी गर्मियों का मौसम आने वाला है और वहां पर पानी की बहुत भारी किल्लत होने वाली है इसलिए इससे पहले कि वहां पर पानी की किल्लत आए आप उसका ईलाज कर दें। यह बात ठीक है कि वहां पर पीने का पानी टैंकरो से दिया जा रहा है इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं पिछली बार विधान सभा के सै ान मे ही तय हो गया था कि जिस गांव मे वाटर लैवल नीचे चल रहा है वहां पर जन स्वास्थय विभाग टैंकर से पानी **13:00 बजे** पिलाएगा। पूरे हरियाणा और खासतौर से अटेली और नारनौल के एरिया मे यह काम आज भी यथावत जारी है। लेकिन मेरा कहना यह है कि गावों मे मेन नहर से एक पाईप लाइन के द्वारा पीने का पानी पहुंचाया जाए या ऐसा कोई चैनल बनाया जाए, ऐसी कोई स्कीम बनायी जाए जिससे लोगों को पीने के पानी की दिक्कत न हो।

श्री सभापतिः नरे ा जी, अब आप वाईंड अप करें आपने बोलने के लिए 25 मिनट मांगे थे और अब आपके 25 मिनट हो चुके है।

श्री नरे ा यादवः चेयरमैन सर, जहां तक पावर की बात है यह बात ठीक है कि बिजली की किल्लत रही है हम भी जब गांव गांव मे जाते थे तो हमे पता चलता था कि बिजली की प्रोब्लम थी क्योंकि बिजली की खपत बढ गयी थी। लेकिन पिछले बीस पच्चीस दिनो से यह महसूस किया जा रहा है कि बिजली में काफी सुधार हुआ है खासतौर से स्टूडैंटस की पढाई के समय जो पहले बिजली की दिक्कत थी, वह पिछले महीने से सुधर गयी है। कैप्टन साहब के सामने ही मैने विधार्थियो की एक मीटिंग में उनसे पूछा था तो उन्होने स्वीकार किया कि अब पढने के टाईम मे बिजली मिल रही है। चेयरमैन सर, सरकार अब पावर प्लांट्स लगा रही है लेकिन माननीय मंत्री जी, मै आपसे यह पूछना चाहता हूं हालांकि यह क्वै चन आवॅर नही है कि आप जो पावर प्लांट झाडली मे या दूसरी जगहो मे बनाएंगे तो उनके लिए आपको पानी की जरुरत भी होगी। क्या आपने इसके लिए कोई पानी का अरेंजमैंट किया है? अभी तक तो दौ सौ या तीन सौ क्यूसिक ही पानी हमे मिल रहा है और असल में वहां तक 50 क्यूसिक पानी ही पहुंच रहा है तो रास्ते मे झाडली मे हमारा वह पानी रुक तो नही जाएगा? आपने कोई ऐसी व्यवस्था की होगी कि जब इन प्लांटस मे पानी की जरुरत पडेगी तो जो सुचारु रुप से पहले से

व्यवस्था चल रही है वह रुक न पाए। चेयरमैन सर, जहां तक मेरे हलके की छोटी छोटी मांगो की बात है।

श्री सभापतिः नरे ा जी, आप दो मिनट मे अपनी बात खत्म कीजिए। आपकी जो मांगे है उनको लिखकर दे देना।

श्री नरे ा यादवः चेयरमैन सर, आपने औम प्रका ा चौटाला जी को तो एक घंटे का समय बोलने के लिए दे दिया जबकि वे तो हाउस का समय खराब कर रहे थे। मै तो काम की बात बता रहा हूं, स्टेट के हित की बात बता रहा हूं फिर भी आप मुझे बोलने का टाईम नही दे रहे है। मै माननीय मंत्री महोदय से कहना चाहूंगा कि हमारे यहां की जो सडके है उनमे से मार्केटिंग बोर्ड की सडके आपके आ ीिवाद से अभी बननी भाुरु नही हुई है। प्रधानमंत्री रोजगार योजना के तहत चार सडको का काम तीस करोड रुपये की लागत से आलरेडी भाुरु करवा दिया गया है। मैने क्वै चन ऑवर मे भी कहा था कि जो हमारी सडको के टुकडे राजस्थान बोर्डर तक जुडे हुए है वह अभी तक पूरे नही हुए है। हमारी इस तरह की पांच सात सडके है जिनके बारे में मैने मंत्री महोदय को पहले भी लिखकर दिया है और अब जब चेयरमैर साहब आप कह रहे है तो मै फिर से इनके बारे मे ंलिखकर मंत्री जी को दे दूंगा। राजस्थान मे चुनाव आ रहे है हो सकता है कि ये भी राजस्थान में चुनावो मे अपना भाशण देने के लिए जाए। अगर मंत्री महोदय हमारी ये सडके बनवा देंगे तो हो सकता है कि दूसरा फायदा इनको भी मिल जाए क्योंकि हमारी दस पन्द्रह सउके

राजस्थान बोर्डर से जुड हुई है। मुख्यमंत्री जी अभी नीमराणा गए थे।

श्री सभापतिः यादव जी, आप इनके बारे मे मंत्री जी को लिखकर दे देना उनकी तरफ से कार्यवाही हो जाएगी।

श्री नरे ा यादवः जी हां, मै लिखकर दे दूंगा। चेयरमैन साहब, नीमराणा से खातीखेडी रोड है, नीमराणा से अटेली रोड है इनकी तरफ ध्यान दिया जाए। मै यह भी मांग करता हूं कि वहां के उस क्षेत्र को औद्योगिक क्षेत्र डिक्लेयर करवा दें क्योंकि एि ाया लैवल पर नीमराणा आज काफी डिवैल्प हो गया है। अगर ऐसा हो जाएगा तो हमारा भी कल्याण हो जाएगा। इसी तरह से पर्यटन विभाग की बात है। पर्यटन मंत्री जी इस समय बैठी नही है। हमारे यहां नारनौल अटेली रोड पर राजस्थान बोर्डर तक कोई भी पर्यटक स्थल नही है और न ही वहां पर कोई झील है। अब झील की बात करेंगे तो फिर पानी की बात आ जाएगी। मै चाहूंगा कि वहां पर जो एक प्राचीन जल महल है इसको सरकार पर्यटक स्थल बना सकती है।

श्री सभापतिः यादव जी, हारवैस्टिंग बगैरा बन जाएगा। आपने इस बारे मे पढा भी होगा।

श्री नरे ा यादवः चेयरमैन सर, पीने का पानी मिलेगा तभी तो उसको भी भरवाएंगे। इसके अलावा सरकार ने म्यूनिसिपल कमेटीज भी बहाल की है। चौटाला साहब ने तो कनीना

म्यूनिसिपल कमेटी की मांग करने वालो को जेल में डाल दिया था क्योंकि वे लोग इसका चुनाव न चाहकर अनअपोज जिताना चाहते थे। म्यूनिसिपल कमेटी तो बहान हो गई है लेकिन मै माननीय मंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगा कि अभी तक एक पैसा भी उनको नही मिला है। सभापति महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करुंगा कि उनके लिए भी कुछ रा ि ा दे ताकि विकास के काम हो सके।

श्री सभापतिः नेर ा जी , आप वाईंड आप करें पैसा आपको मिल जाएगा। कंसीडर हो रहा है।

श्री नरे ा यादवः सर, मै अपने एरिया मे वाटर लैवल जो नीचे जा रहा है उसके बारे में भी काहना चाहता हू। वाअर रिचार्जिंग हमारे एरिया की सबसे बउी प्रोब्लम है। पानी का लैवचल किस तरह से उपरन लाया जाए, इसके लिए जरुर सरकार को विचार करना चाहिए। इसके अतिरिक्त हमं एल ए डी टी के तहत भी पैसा नही मिला है।

श्री सभापतिः नेर ा जी, आपको एक मिनट का और समय दिया जाता है। उसके बाद आप बैठ जाएं क्योंकि फिर बहन प्रसन्नी देवी बोलेंगी।

श्री नरे ा यादवः ठीक है सर, सभापति महोदय, नरेगा स्कीम मे जोहड खोदने का कार्य चलता है। इसके बारे मै मेरा सुझाव था कि इसमे पैसा वेस्ट जा रहा है। हम एम एल एम एज

जो लिस्ट बनाकर देते है उसके मुताबिक काम होना चाहिए। उसकी व्यवस्था बनाई जाए। इस मामले मे संबंधित एम एल ए को साथ रखा जाए ताकि विकास के काम कराए जा सके। जिला महेन्द्रगढ मे हमारे यहां कोई युनिवर्सिटी नही है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा था कि आपके यहां युनिवर्सिटी बनाई जाएगी। अब कह दिया गया है कि रिवाडी गुडगांव मे बनाएंगे। हम चाहते है कि सैन्ट्रल यूनिवर्सिटी के लिए बाछौद मे 200 एकड जमीन भी है इसलिए इस तरफ ध्यान दिया जाए। इसके अलावा कनीना मे सरकारी कालेज डिक्लेयर किया जाए।

श्री सभापतिः अब आप बैठ जाए।

श्री नरे ा यादवः सभापति महोदय, मुझे सिर्फ एक मिनट का समय और दे दीजिए।

श्री सभापतिः एक एक मिनट कहकर आप दस मिनट ले चुके है। अब आप बैठिए।

श्रीमती प्रसन्नी देवी (नौथला): सभापति महोदय, आपने जो मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बोलने का समय दिया उसके लिए मै आपका बहुत बहुत धन्यवाद करती हू। प्रधानमंत्री जी और सोनिया गांधी जी की अध्यक्षता मे केन्द्र सरकार ने जो 60 हजार करोड रुपये किसान के कर्ज के माफ किर दिये वह एक बहुत ही ऐतिहासिक सराहनीय और अनूठा कदम है। इसके साथी ही साथ एक प्रार्थना मै यह भी करना चाहती हूं

कि जो आदमी खेती से जुडे हुए है लेकिन जिनके पास जमीन नही है और उनके छोटे मोटे कर्ज भी है। ऐसे आदमियो के लिए जैसे भी सरकार ठीक समझे और उनको जितना भी रिलीफ दे सके, उनको कुछ न कुछ रिलीफ मिलना चाहिए। जैसे किसी ने कर्ज लेकर भैंस ली हुई है या छोटी मोटी आटा पीसने की चक्की लगाई हुई है।

श्री सभापतिः हरियाणा सरकार ने राहते भी दी है।

श्रीमती प्रसन्नी देवीः मै तो यह कहना चाहती हूं कि जितना भी रिलीफ सरकार दे सके, देना चाहिए। पिछले तीन वर्शो के भाासन काल मे हरियाणा की सरकार ने चौधरी भुपेन्द्र सिंह हुडडा के नेतृत्व मे बहुत से विकास के कार्य किए है। उनको यदि गिनती मे गिनाया जाए तो सुबह से भााम हो जाएगी लेकिन गिनाया नही जा सकता। लेाग बाद मे समझते है कि उनसे पहले ही ऐनाउंसमैंट भी हो जाती है और काम भी हो जाते है। अपोजी ान की सरकार 1600 करोड रुपए के बिजली के बकाया बिल छोड गई थी। पीने के पानी की व्यवस्था तो बनाई गई थी लेकिन पीने का पानी लाया नही गया था। सरकार ने हरिजनो को जो टंकीया और टूटीयां लगा कर दी है यह भी एक सराहनीय कदम हैं। गरीब आदमियो को 100–100 गज के प्लाट भी दिये है। जिस आदमी के पास रहने के लिए जगह नही है, खाट बिछाने की जगह नही है। उस गरीब आदमी को सरकार ने 100 गज के प्लाट फ्री दिए, यह बहुत अच्दी बात है। हाउस टैक्स के लिए लोगों ने

बडा भारी बोझ इकटठा कर लिया था, सरकार ने पहले तो उसका सरचार्ज माफ किया उसके बाद हाउस टैक्स को भी माफ कर दिया। उसके बाद चुल्हा टैक्स माफ होने से भी लोगों को काफी राहत मिली है। गेहूं का भाव बढने के कारण हमारी सरकार ने जो गरीब आदमियो को रा ान का 35 किलो अनाज देना भाुरु किया हुआ है इसको 50 किला किया जाये ताकि गरीब आदमी को इससे ज्यादा लाभ हो। इसी प्रकार से मिट्टी का तेल जो पहले 5 लीटर रा ान का मिलता था उसको अब 3 लीटर कर दिया गया है। मेरी आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना है कि उसको फिर से 5 लीटर कर दिया जाये। वैसे तो हमारी सरकार ने महिलाओ के लिए अच्छे अच्दे कदम उठाए है। खानपुर कलां मे एक महिला वि वविद्यालय खोला है, सर्विसिज मे 33 प्रति ात आरक्षण दिया है। हाउसिंग बोर्ड के मकानो में 33 प्रति ात महिलाओ के लिए आरक्षण दिया हुआ है। बिजली कनैक ान अगर महिला के नाम पर है तो उसमे भी बिल मे कुछ रिलीफ दिया गया है। इसके साथ ही सभापति महोदय मै एक प्रार्थना आपके माध्यम से सरकार को करना चाहती हूं कि हरियाणा के प्रत्येक मिले मे एक महिला कालेज जरुर खोलना चाहिए जिससे हमारी बच्चीया आराम से पढाई कर सके क्योंकि सभी जिलो मे महिलाओ के लिए अलग से कालेज नही है। सरकार के लिए यह कोई मुि कल चीज नही है। वेसे तो सरकार ने प्रत्येक जिले मे काफी काम किए है लेकिन फिर भी इतनी ज्यादा समस्याएं है कि कोई न कोई कमी तो रह ही जाती है। अब मै अपने हल्के की कुछ समस्याओ के बारे मे कहना

चाहूंगी। दो साल पहले माननीय मुख्यमुंत्री जी मेरे गांव मे गये थे मेरा गांव सींक जो पानीपत जिले के आखिरी मे जींद जिले के साथ लगता हुआ पडता है। वहां पर बिजली की बडी भारी समस्या रही है। उस समय वहां पर लोगों ने एक 33 के वी का सब–स्टे ान लगाने की मांग की थी और पंचायत ने इसके लिए जमीन देने का रैजोल्यू ान भी पास करके भेज दिया है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इसको जल्दी से जल्दी पूरा करा दे। इसी तरह से उलाना गांव का सब–स्टे ान जो 33 के वी का था उसको बएाकर 66 के वी का कर दिया जाए। सर, अब मै अपने हल्के की सउको के बारे मे ंबात करना चाहूंगी। पुठर से बांध तक की सडका का दो कीलोमीटर का टुकडा है अगर इस सडक को बना दिया जाए तो मण्डी जाने का रास्ता छोटा हो जायेगा। पालडी से इसराना की दो तीन किलोमीटर की सडक ईंटो की बनी हुई है इसको आगे मिलाने की जरुरत है। इसी प्रकार से उलाना कलां से कैनाल पुलिस पोस्ट की सडक जो कुराना गांव के पास मिलती है और जो कई डेरो के अंदर की सडक है इसको भी बनाया जाये क्योंकि बरसात के दिना ेमे यहां पर जाने का कोई रास्ता नही मिलता यह चार पांच किलोमीटर का सडक का टुकडा है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इस सडक को टाप प्रायोरिटी से बनाया जाए क्यांकि उन लोगों के लिए आने जाने के लिए इसके अलावा कोई रास्ता नही है। इसके अलावा ि ावाह गांव के साथ साथ मार्केट कमेटी ने सडक बनाई हुई है। इसके बारे मे एक साल से कह भी रहे है और इस बारे मे लिख कर भी

दिया है लेकिन इसको बनाया नही गया है, सरकार की अगर मेहरबानी हो जाये तो इस सउक के बनने से यह थर्मल प्लांट के पास जो बाई पास बन रहा है, वहां पर यह मिलेगी इससे वहां के लोगों को काफी लाभ होगा। मेरी प्रार्थना है कि इन सडको को जल्दी से जल्दी रिपेयर करवाया जाए। इसी तरह से जीतगढ से नौहरा गांव की सउक है, इस सउक को बनाने की बहुत पुरानी मांग है। उसक बन जाने से मतलौडउा जाने का रास्ता साफ हो जाएगा और रास्ता छोटा हो जाएगा। छोटै रास्ते के कारण लोगों को आने जाने की सहूलियत हो जाएगी। सभापति महोदय, मेरी प्रार्थना है कि जिन सडको का मैने जिक्र किया है इन सारी सडको की तरफ ध्यान दिया जाए। सभापति महोदय, मै अब ि ाक्षा के बारे में कुछ कहना चाहूंगी, सरकार ने वैसे तो पिछले 3 सालो मे काफी स्कूल बनाए है और हमारे यहां भी काफी सकूल बनाए है। पिछले काफी अर्से से कोई स्कूल नही बना था। गांव कुटानी, सिमला, पुठाल, बड ाम, काबडी और चंदौली गांव ऐसे गांव है जिनकी आबादी 10, 15 या 20 हजार के आसपास है। और वहां प्राइमरी, मिडल और हाई स्कूल है तो 10+2 का स्कूल करने की जरुरत है ताकि इन गावों के बच्चो को अच्छी ि ाक्षा मिल सके। इसी तरह लडकियो के स्कूलो की बहुत कमी है। गांव मांडी मे लउकियो के लिए प्राइमरी स्कूल से मिडल स्कूल बनना है जिसके लिए लोगों ने बिल्डिंग खडी कर रखी है इसके अलावा मैने जिन गावो के नाम लिए है इन सबमे बिल्डिंग बनी हुई है। गांव सीख मे लडकियो के लिए मिडल स्कूल से हाई स्कूल,

उरलाना मे हाई स्कूल से 10+2 का स्कूल, इसराना हाई स्कूल को 10+2 का स्कूल और नौलथा के हाई स्कूल को 10+2 का स्कूल बनवाया जाए क्योंकि यह बहुत जरुरी है जिनके बगैर काम नही चलेगा। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ साथ मै एक बात कहना चाहती हूं कि स्कूलो का दार्ज ब्रढाने से हमारी लडकियां जो बाहर या दूर पढने के लिए नही जा पाती उनको गांव के अंदर पढने मे आसानी हो जाएगी। नौलथा गांव मे P.H.C है उसको C.H.C बनाने के लिए 2 साल से ज्यादा समय से लेागो की कोि ा ा है और लोगों ने इसके लिए रैजोल्यू ान भी दे रखा है। जमीन और सरकार की जो दूसरी कंडी ांज है उनको पूरा करने के लिए लोग तैयार है क्योंकि सारे एरिया मे आसपास कोई और C.H.C नही है इस बारे में मुझे पता नही लग पाया कि यह केस किस स्टेज पर है और C.H.C क्यों नही बन पा रही है? इसी तरह एक और C.H.C है वहां डाक्टरो की कमी है। हमें पता नी चल रहा कि क्या कारण है कि इस C.H.C में डाक्टरो की कमी पूरी क्यों नही हो रही? सभापति महोदय मेरी आपके माध्यम से प्रार्थना है कि इसकी तरफ ध्यान दिया जाना चाहिए ताकि लोग सारी सुविधाओ का फायदा उठा सके। वैसे तो हमारे मुख्यमंत्री को किसी काम के लिए बहुत कहने की जरुरत नही पडती बल्कि लोग किसी बात को मुख्यमंत्री से कहने के लिए सोचते है उससे पहले मुख्यमंत्री जी की तरफ से उस काम के लिए अनाउंसमैंट हो जाती है। जिस तेजी के साथ हमारी स्टेट तरक्की कर रही है, ऐसी बहुत कम स्टेट्स मिलेंगी। मैने कई मुख्यमंत्रियो के साथ काम करके देखा है

जितनी लग्न से हमारे मुख्यमंत्री सभी क्षेत्रो की तरफ ध्यान दे रहे है उतना कभी किसी अन्य मुख्यमंत्री ने नही दिया। गांव की, देहात की सारी समस्याओ का उन्हे पता है। जिस तरीके से हरियाणा मे काम चल रहे है यह एक सराहनीय कदम है। सभापति महोदय, मै एक बात और कहना चाहती हूं कि विधान सभा भवन का बहुत अच्छा रैनोवे ान किया गया है इसके लिए हम मुख्यमंत्री महोदय और अध्यक्ष महोदय, का धन्यवाद करना चाहते है लेकिन एम एल एज होस्टल की तरफ कोई ध्यान नही दिया है। मै कहना चाहूंगी कि हरियाणा के एम एल ए होस्टल को पंजाब के एम एल ए होस्टल की तरह बल्कि उससे भी अच्छा बनाया जाना चाहिए।

श्री सभापतिः सै ान के बाद एम एल ए होस्टल का काम भी हो रहा है। अब आप वाइंड अप करें

श्रीमती प्रसन्नी देवीः सभापति महोदय, इन भाब्दो के साथ मै अपने आप को भाारदा राठौर द्वारा सदन मे रखे गए प्रस्ताव के साथ भाामिल करती हूं।

श्री कुलबीर सिह बेनीवालः सभापति महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद। आज प्रदे ा के अंदर बिजली की सबसे बडी दिक्कत है। आदरणीय मुख्यमंत्री भुपेन्द्र सिह हुडडा ने बिजली के बारे मे जैसे कदम उठाए है वैसे आज तक हरियाणा प्रदे ा के अंदर किसी और मुख्यमंत्री ने नही उठाये। हरियाणा के

अंदर 10–10 साल तक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने वालो ने कभी बिजली की समस्या का हल नही किया। औम प्रकाश चौटाला जी लोगों को कहते थे कि एक बार मुझे सत्ता दे दो मै 24–24 घंटे मुफ्त बिजली दूंगा लेकिन उनहेने बिजली उत्पादन की तरफ कोई ध्यान नही दिया। **(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)** अध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्यमंत्री चौधरी भुपेन्द्र सिंह हुडडा ने बिजली उत्पादन की तरफ वि ोश ध्यान दिया है। हमारे मुख्यमंत्री जी ने चयमुनानगर मे स्थापित की जा रही 300 मैगावाट की दो ईकाईयो मे से पहली इकाई को नवम्बर, 2007 मे चालू कर दिया था तथा दूसरी इकाई इस वर्श मार्च मे सिंकरोनाईज होनी वाली है। इसके अतिरिक्त हिसार के खेदड गांव मे 1200 मैगावाट का कोयला आधारित राजीव गांधी थर्मल प्लांट का कार्य भाुरु हो चुका है जो वर्श 2009–10 तक चालू हो जायेगा। इसी तरह से झज्जर में 1500 मैगावाट क्षमता का पावर प्लांट लगाया जा रहा है जो 2010 तक चालू हो जायेगा। इसी तरह से गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारो के लिए 'राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना' के तहत 242 करोड रुपए खर्च करने का प्रावधान किया गया है। इसके लिए मै माननीय मुख्यमंत्री महोदय को बधाई देता हूं। अध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने प्रदे ा मे हर जाति को मान सम्मान दिया है सरपचो को मान सम्मान दिया है और चौकीदारो को भी मान सम्मान दिया है, लेागो के हाउस टैक्स और चूल्हा टैकस हमारी सरकार ने माफ किए है। इसके अतिरिक्त गरीब परिवारो को 100–100 गज के

प्लाट दिए है जो कि बहुत ही सराहनीय काम हमारी सरकार ने किया है। अध्यक्ष महोदय, मै जिस हल्के से आता हूं वहां पर सबसे ज्यादा लोग ढाणियो मे रहते है। एक ढाणी में बिजली पहुंचाने के लिए एक एक लाख रुपये लग जाता है लेकिन हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने हमारे वहां हर ढाणी मे लाईट पहुंचाई है इसके लिए अपने हलके के लोगों की तरफ से मै मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, चौटाला जी कानून व्यवस्था की बात कर रहे थे। आज वे भू गये कि उनकी सरकार के समय मे कानून व्यवस्था की धज्जियां उडा दी गई थी। उस समय उनके रि तेदारो और चहेतो को भाराक के ठेके दिए जाते थें। चौटाला जी के राज मे खानो पर गुण्डा टैक्स लगा दिया गया था। सोनीपत की खाने उन्होने अपने रि तेदारो और चहेतो को दी दी थी। अध्यक्ष महोदय, चौटाला जी अपने विधायको के हाथ तोड दिया करते थे। लेकिन आज वे कानून व्यवस्था की बात करते है। अध्यक्ष महोदय, मै आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने विपक्ष के साथियो को बोलने के लिए समय दिया लेकिन उनके पास बोलने के लिए कोई मुददा नही है। वे केवल टाईम पास के लिए ही बोलते है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक कृशि का सवाल है, कृशि की तरफ भी हमारी सरकार ने वि ोश ध्यान दिया है जिसके कारण वर्श 2006–2007 के दौरन प्रदे ा मे खाद्यान्न उत्पादन 147 लाख टन से भी अधिक हुआ है। यह उत्पादन आज तक का सबसे बउा उत्पादन है। गत फरवरी और मार्च, 2007 के दौरान ओले गिरने से हुए नुक्सान की भरपाई करने के लिए प्रभावित किसानो को

हमारी सरकार ने 208 करोड रुपये का मुआवजा दिया है जबकि चौटाला जी की सरकार के समय मे किसानो को 25 पैसे, 75 पैसे और एक एक रुपये मुआवजा के तोर पर किसान के साथ भद्दा मजाक किया गया था। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार हरियाणा राज्य कृशि विपणन बोर्ड द्वारा जिला सोनीपत के गन्नौर भाहर मे लगभग 500 एकड क्षेत्र पर एक वि व स्तर की टर्मिनल मार्केट बनाने जा रही है। यह मण्डी भारत मे फल और सब्जियो की सबसे बडी मण्डी होगी। इसके अतिरिक्त हमारी सरकार ने गेहूं के भाव 250 से 300 रुपये प्रति क्विंटल बढाया है जबकि पिछली सरकार के समय मे 20–20 रुपये प्रति क्विंटल बढाया जाता था। ये उस समय अपने आपको किसानो का नेता कहते थे। अध्यक्ष महोदय, चौटाला जी की सरकार के समय में एक नारा था 'चौटाला तेरे राज में, जरी गई ब्याज में' और आज चौधरी भुपेन्द्र सिंह हुडडा जी की सरकार के समय मे यह नारा दिया जाता है कि 'हुडडा तेरे राज मे, जीरी गई जहाज में'। अध्यक्ष महोदय, सिंचाई के क्षेत्र मे हमारी सरकार एस वाई एल नहर के माध्यम से नदियो के जल मे हरियाणा का हिस्सा लेने की अपनी वचनबद्धता को दोहराती है। उपलब्ध नहरी पानी के सदुपयोग और समान वितरण करने के लिए सिंचाई के क्षेत्र मे नई पहल की गई है। हरियाणा के अतिरिक्त पानी का सदुपयोग करने के लिए 30 करोड रुपये की लागत से पि चमी यमुना नहर की कैपेसिटी 13500 क्यूसिक से बढाकर 20 हजार क्यूसिक की जा रही है। दादुपुर–नलवी नहर का निर्माण किया जा रहा है और पानी को अंतिम टेल तक पहुंचाने

का कार्य भी युद्धस्तर पर किया जा रहा है। राश्ट्रीय राजधानी पि चमी क्षेत्र की पेयजल की मांग को पूरा करने के लिए 225 करोड रुपये की लागत से हरियाणा के सभी गावों और भाहरो के लिए पर्याप्त स्वच्छ जलापूर्ति सुनि चत करने के लिए वचनबद्ध है। वर्तमान वित्त वर्श के दौरान पेयजल की कमी वाले 500 गावों में जलापूर्ति बढा दी गई है तथा वर्श 2008–09 मे ऐसे ही 368 और गावों की जलापूर्ति मे बढोतरी की जायेगी। नवम्बर, 2006 मे भाुरु की गई 'इदिरा गांधी पेयजल स्कीम' के तहत ग्रामीण एवं भाहरी क्षेत्रो मे 8 लाख अनुसूचित जाति के परिवारो को मुफ्त मे 200 लीटर की पानी की टंकी और कनैक् ान दिया गया। इस योजना के तहत आगामी वित्त वर्श 2008–09 के दौरान 4 से 4.50 लाख लोगों को इस योजना का लाभ देने का लक्ष्य रखा गया है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से अपने हल्के की 2–3 समस्याओ को सरकार के ध्यान मे लाना चाहता हूं। भट्टू मण्डी मे वाटर वर्क्स की हालत बहुत चिंताजनक है इसलिए उसकी रिपेयर किया जाना बहुत जरुरी है। उसके अंदर जो पानी के टैंक है वे बहुत ही जर्जर हालत में है। इसके अलावा मेरी कांस्टीच्यूएंसी मे तमाम वाटर वर्क्स की रिपेयर अपेक्षित है। इसके अलावा भटटू मण्डी मे सीवरेज की व्यवस्था भी दोबारा से करवाये जाने का मै सरकार से अनुरोध करुंगा। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ग्रामीण क्षेत्रो के समूचित विकास को सतत प्राथमिकता देती है। स्वर्ण जयंती ग्रामीण रोजगार येाजना को भी कार्यान्वित किया जा रहा है। राश्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना भी कार्यान्वित की जा

रही है जो कि पहले हरियाणा प्रदे ा के दो जिलो सिरसा और महेन्द्रगढ मे ही थी लेकिन आगामी वित्त वर्श के दौरान इसको प्रदे ा के दो सभी जिलो मे लागू किया जायेगा। ग्रामीण क्षेत्र मे अनुसूचित जाति और गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन कर रहे परिवारो को आवास स्थान आबंटित करना भी हमारी सरकार का मुख्य कार्यक्रम है। 1 नवम्बर, 2007 को हरियाणा दिवस के अवसर पर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के गृह कर को समाप्त किया गया। अध्यक्ष महोदय, एक बात और है जो मेरी अन्तरात्मा बार बार कहने को कह रही है कि हमारी सरकार की कोि ा ा से हमारे माननीय मुख्यमंत्री की कोि ा ा से हमारी केन्द्री सरकार ने एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है और 60 हजार करोड रुपये के किसानो के ऋण माफ किए है। इससे जनज न को फायदा होगा क्योंकि भारत एक कृशी प्रधान दे ा है अगर हमारा किसान कर्ज मुक्त होकगा तो वह खु ाहाल होगा और अगर किसान खु ाहाल हो जाएगा तो जो मजदूर व व्यापारी वर्ग है उसको भी उसकी खु ाहाली का फायदा होगा। इस कार्य के लिए विधान सभा के सभी सदस्यो को भारत सरकार ओर हरियाणा सरकार का आभार प्रकट करना चाहिए कि ऐसा जनहितकारी फैसला लिया गया है जो आज तक किसी भी सरकार ने नही लिया था। इस बार लोक सभा के बजट सत्र मे पहली बार हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी का नाम दो बार लिया गया। इसके साथ ही स्पीकर साहब आपने मुझे राज्यपाल महोदय के बजट अभिभाशण पर बोलने का समय दिया इसके लिएमै आपका आभार प्रकट करता हूं। धन्यवाद।

प्रो0 छतर पाल सिहः स्पीकर सर, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के बजट अभिभाशण पर बोलने का मौका दिया इसके लिए मै आपका आभरी हू। माननीय राज्यपाल महोदय ने हरियाणा सरकार द्वारा जो पॉपुलर कार्य इन पिछले तीन साल के अंदर किये गये है उनका ऐतिहासिकत वर्णन अपने अभिभाशण के अंदर किया हे। मै उनके इस अभिभाशण के पक्ष मे अपनी बात रखने के लिए खडा हूं। स्पीकर सर, यहां पर विपक्ष के साथियो का जो आचरण है।

Mr Speaker: Now, the House stands adjourned till 9:30 tomorrow, the 13th March, 2008.

1330 Hrs

(The Sabha then adjourned till 9:30 A.M on Thursday, the 13th March, 2008.)